जबलपुर
रविवार, 21 अप्रैल 2024
चैत्र मास शुक्ल पक्ष-13
वर्ष : 18, अंक : 344
पृष्ठ : 14 मूल्य : 3.00 *

मौसम
अधि. 41
न्यून. 24

हरिभूमि
मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

केदारनाथ धाम के लिए जबरदस्त उत्साह

चारधाम के लिए अब तक 10.66 लाख पंजीकरण

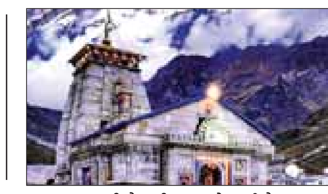

देहरादून। उत्तराखंड में चारधाम यात्रा की तैयारी शुरू हो गई है। इस बार बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के आने की संभावना है। केदारनाथ धाम के लिए श्रद्धालुओं में जबरदस्त उत्साह देखा जा रहा है। 10 मई से शुरू होने वाली यात्रा में केदारनाथ धाम के लिए सबसे अधिक पंजीकरण तीर्थयात्रियों ने कराया है। केदारनाथ के लिए अब तक तीन लाख 52 हजार 879 श्रद्धालु अपना पंजीकरण करवा चुके हैं।

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155
airtel चैनल नं. 366

मुख्यमंत्री यादव खंडवा-मंदसौर में नामांकन रैली में हुए शामिल जनसभाओं को किया संबोधित

उप्र से भागकर राहुल गांधी केरल पहुंच गए अब पूरी पार्टी को समुद्र में डुबोकर ही मानेंगे

डॉ. यादव ने कहा: देश को खंडित करने का पाप कांग्रेस के माथे पर, अंग्रेज भी वह नहीं कर पाए जो कांग्रेस ने किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शनिवार को खंडवा लोकसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी ज्ञानेश्वर पाटिल और मंदसौर लोकसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी सुधीर गुप्ता का नामांकन दाखिल कराया और जनसभाओं को संबोधित किया। डॉ. यादव ने मंदसौर में रोड शो कर जनता का अभिवादन किया। इस दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि राहुल गांधी कहते हैं कि इस देश में भी कई देश हैं, जो उनकी बंटवारे की मानसिकता को दर्शाता है।

देश में गाय, गंगा और गीता का मान-सम्मान बढ़ा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आज देश में गाय, गंगा और गीता का मान-सम्मान बढ़ा है। इन्हीं से हमारी पहचान दुनिया में है। दुनिया भर की उम्मीदें व नजरें भारत और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर है। यह 142 करोड़ देशवासियों का सम्मान है। राहुल गांधी ने कभी गरीब की चिंता नहीं की।

कांग्रेस ने आदिवासियों को वोट बैंक समझा

डॉ. यादव ने कहा कि देश में जो अंग्रेज नहीं कर पाए, वो कांग्रेस ने किया है। आजादी के बाद देश का बंटवारा कांग्रेस के कारण हुआ। कांग्रेस ने कभी भी टंट्या मामा को सम्मान नहीं दिया। आदिवासियों को केवल वोट बैंक समझते रहे। यह हमारी सरकार है हमने टंट्या मामा के नाम पर विश्वविद्यालय खरगोन में खोल दिया है।

खबर संक्षेप

ओडिशा की महानदी में पलटी नाव, 7 की मौत

भुवनेश्वर। ओडिशा के झारसुगुड़ा जिले में महानदी में नाव हादसे में शनिवार तक कुल सात शव बरामद हो चुके हैं। शनिवार को नदी के हीराकुंड जलाशय से पांच और शव बरामद किए गए। सभी मृतक छत्तीसगढ़ के रहने वाले थे। करीब 50 लोग बारगढ़ जिले के पथरसेनी कुडा स्थित मंदिर के दर्शन करने के बाद नौका से लौट रहे थे। तभी हादसा हुआ। 40 लोगों को मछुवारों ने बचा लिया।

तेल अवीव के लिए एयर इंडिया की सारी उड़ानें रद्द

नई दिल्ली। इजरायल और ईरान के बीच युद्ध जैसे हालात को देख कर एयर इंडिया ने तेल अवीव के लिए अपनी सारी उड़ानों को 30 अप्रैल, 2024 तक के लिए रद्द कर दिया है। कंपनी ने बताया है कि वह हालात पर लगातार नजर बनाए हुए है और उक्त अवधि के दौरान जिन यात्रियों के आरक्षित टिकट हैं उनके संपर्क किया जा रहा है व आवश्यक सूचना उपलब्ध कराई जा रही है।

नर्मदा नदी में डूबने से 2 बच्चों की मौत

धार। धार के ग्राम खलघाट में शनिवार को नर्मदा नदी में नहाने के दौरान दो बच्चों की डूबने से मौत हो गई। हादसे के बाद पूरे इलाके में मातम पसर गया। खलघाट के पास ही ग्राम शाला में दोनों बच्चे विवाह समारोह में शामिल होने के लिए आए थे और वहां से नर्मदा नदी में नहाने चले गए, यहां गहरे पानी में डूब गए। गोताखोर मौके पर पहुंचे और दोनों के शव को नदी से बाहर निकाला गया।

सीजेआई चंद्रचूड़ ने की मोदी सरकार के तीन नए कानूनों की तारीफ

अब बड़े बदलावों के लिए तैयार है देश नई चुनौतियों के लिए नए तरीके जरूरी

सीजेआई ने कहा कि इन 3 नए कानूनों से भारतीय समाज में एक नए अध्याय की शुरुआत होगी। उन्होंने कहा कि नए कानून भारत के क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम में अभूतपूर्व बदलाव लाएंगे और पीड़ित पर भी ध्यान दिया जाएगा।

पर हमें ये सुनिश्चित करना होगा कि इंफ्रास्ट्रक्चर पर्याप्त रूप से विकसित हो और जांच अधिकारियों को ट्रेनिंग मिले

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य जज डीवाई चंद्रचूड़ ने तीन नए कानूनों बनने और लागू होने को लेकर मोदी सरकार की तारीफ की है। साथ ही यह भी कहा कि देश नए बदलावों के लिए तैयार है। 17 वी लोकसभा के दौरान तीन अहम कानून संसद द्वार पारित किए गए थे, सीआरपीसी, आईपीसी से लेकर एविडेंस एक्ट खत्म कर तीन नए कानून पेश किए गए थे। ये कानून 1 जुलाई 2024 से लागू हो जाएंगे। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने मोदी सरकार के इन तीन नए कानूनों की तारीफ की है।

ये नए कानून 1 जुलाई 2024 से लागू हो जाएंगे

पुराने तरीकों की सबसे बड़ी खामी पीड़ित पर ध्यान न दिया जाना था

सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि पुराने तरीकों की सबसे बड़ी खामी पीड़ित पर ध्यान न दिया जाना था। नए कानून में इस बात का ध्यान रखा गया है कि अभियोजन और जांच कुशलता से हो सके। छापेमारी के दौरान साक्ष्यों की ऑडियो विजुअल रिकॉर्डिंग अभियोजन पक्ष के साथ साथ नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करेगा। सीजेआई ने कहा है कि भारत सरकार ने हाल ही में 7,000 करोड़ रुपए का बजट न्यापालिका के लिए आवंटित किया है, जिसका इस्तेमाल अदालतों के अपग्रेडेशन में किया जा रहा है। सीजेआई ने कहा कि नवंबर और 31 मार्च के बीच 850 करोड़ रुपए हार्डवेयर और सॉफ्ट वेयर को अपग्रेड करने में खर्च किए गए हैं। सीजेआई चंद्रचूड़ ने कहा कि वह हमेशा से घरेलू डिजिटल कोर्ट इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार करने की हिमायत करते रहे हैं। सीजेआई ने नए कानूनों के तहत जांच को लेकर कहा कि फॉरेंसिक टीम की मौजूदगी जांच में मददगार होगी।

आईएमएफ और वर्ल्ड बैंक ने कही ये बड़ी बात

भारत ने दुनिया को दिखाई राह, जी-20 अध्यक्ष के तौर पर भूमिका की तारीफ

वाशिंगटन। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) और विश्व बैंक की वार्षिक बैठकों के दौरान कई प्रमुख वैश्विक मुद्दों पर आम सहमति बनाने में जी-20 की अध्यक्षता के दौरान भारत द्वारा निभाई गई भूमिका की बड़ी सराहना की गई है। भारत के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। भारत ने 9-10 सितंबर तक नई दिल्ली में जी-20 शिखर सम्मेलन की मेजबानी की। इस शिखर सम्मेलन ने रूस-यूक्रेन युद्ध पर प्रमुख मतभेदों को दूर करते हुए आम सहमति से 37 पेज के घोषणा पत्र को अपनाया और वैश्विक अर्थव्यवस्था की स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए कई कदम उठाए।

आंधी के साथ बौछारों से दिन का पारा गिरेगा

3 दिन तक बादलों का डेरा... रातें और 'तपेंगी'

प्रदेश में दिन-रात के तापमान में औसतन 15 डिग्री का अंतर धूप से बढ़ेगी

भोपाल। प्रदेश के ज्यादातर हिस्सों में शनिवार को दिन के तापमान में औसतन एक डिग्री तक गिरावट रही। वहीं, रात का पारा लगभग इतना ही बढ़ गया, जिससे रात में गर्मी महसूस की गई। रविवार को भोपाल सहित नर्मदापुरम, ग्वालियर, दतिया, सतना, उमरिया व मैहर में बादल छाएंगे। विदिशा, रायसेन और सीहोर सहित कुछ अन्य जिलों में कहीं-कहीं तेज हवाओं के साथ गरज-चमक और बौछारें पड़ेंगी। इससे दिन के तापमान में मामूली कमी आएगी, लेकिन रात का पारा बढ़ेगा।

प्रदेश में औसत दिन का पारा 40 और रात का 25 डिग्री

शनिवार को प्रदेश में सबसे अधिक दिन के पारे में गिरावट शिवपुरी में 2 डिग्री रही। पारा 38.5 डिग्री रहा। इसके अलावा ग्वालियर, पचमढ़ी, बैतूल, नर्मदापुरम, दमोह, मंडला, सागर, मलाजखंड, जबलपुर और सतना में एक से 2 डिग्री के बीच पारा गिरा है। सबसे अधिक दिन का पारा खंडवा में 42.1 डिग्री रहा। वहीं, रात का पारा सबसे अधिक ग्वालियर में 4 डिग्री बढ़कर 28 डिग्री रहा। मलाजखंड, मंडला, जबलपुर में 2 डिग्री तक बढ़ा।

पीएम से सोमवार को मुलाकात थी तय

मस्क ने टाली भारत यात्रा वजह है पारिवारिक कारण

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

■ स्पेस स्टार्टअप फाउंडर्स से भी करनेवाले थे बैठक

टेस्ला के सीईओ एलन मस्क ने अपनी भारत यात्रा टाल दी है। मस्क इसी वीकेंड भारत की यात्रा करने वाले थे, लेकिन अब उन्होंने पारिवारिक कारणों से यात्रा टाल दीहै। उनका भारत के स्पेस स्टार्टअप फाउंडर्स के साथ एक राउंडटेबल कार्यक्रम था।

बैतूल रैली में नाथ का अलग अंदाज

गर्व से कहता हूं, मैं हिंदू हूं, जय श्री राम

■ मंदिर आपके और हमारे चंदे से बना

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बैतूल

पूर्व सीएम कमलनाथ ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा- वे (भाजपा नेता) भगवान राम के बारे में बात करते हैं और कहते हैं कि उन्होंने (अयोध्या में) राम मंदिर बनाया है। ये राम मंदिर मेरा और आपका है। हम सभी की धार्मिक मान्यताएं हैं।

यूपीएससी में 758 रैंक हासिल करने वाली सागर जिले की सोफिया सिद्दकी की चुनौती भरे सफर की कहानी

इंजीनियरिंग करते हुए मां को खोया, प्रीलिम्स से पहले पिता नहीं रहे पर मैं नहीं हारी, छह प्रयासों के बाद उनका सपना पूरा करके ही मानी

अम्मी-अब्बू का ख्वाब था कि तुम एक अधिकारी बनो और उस ख्वाब को तुम्हें जरूर पूरा करना है, वह जहां भी होंगे, तुम्हें हमेशा दुआएं दे रहे होंगे।

मधुरिमा राजपाल ▶▶ भोपाल

अलग खबर

2015 में मैंने अपनी मां को खो दिया। उस वर्ष मैं बीई (सीएस) सेकंड ईयर में थी और उस वक्त ऐसा लगा कि मानो मेरा सब कुछ छिन गया, जीवन में कुछ भी नहीं बचा लेकिन फिर भी मेरे पिता ने मुझे सपोर्ट किया, पढ़ने के लिए मोटिवेट किया और मैंने अपना बी ई कंप्लीट किया और 2018 से मैंने यूपीएससी प्रिपरेशन शुरु की। लेकिन, मुझे क्या पता था कि मेरे और भी इम्तेहान हैं।

फोटो- एलबम से माता पिता के साथ सोफिया

2021 में सिर्फ 2 नंबरों से प्रिलिम्स रह गया

2021 का यूपीएससी प्रिलिम्स मेरे मेंटल ट्रामा की वजह से नहीं निकला, मात्र दो नंबर से मैं रह गई और वास्तविकता तो यह थी कि अपने माता पिता को यूं अचानक खो देने के बाद मुझमें वो ताकत नहीं रही थी कि मैं इंडिया के टॉप मोस्ट एग्जाम को क्रैक कर पाऊं।

पीएम मोदी ने नांदेड़ राजस्थान में कांग्रेस पर बोला हमला

‘कांग्रेस के शहजादे’ को जिस तरह अमेठी से ‘भागना’ पड़ा था उसी तरह उन्हें केरल के वायनाड को भी छोड़कर भागना पड़ेगा

एजेंसी ▶▶ नांदेड़

पीएम नरेंद्र मोदी ने महाराष्ट्र के नांदेड़ में एक चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि देश में पहले चरण का मतदान संपन्न हुआ है और मैं वोटिंग करने वाले सभी लोगों को खासतौर पर पहली बार वोट डालने वाले मतदाताओं को बहुत बहुत बधाई देता हूं। उन्होंने कहा कि विश्लेषण से ये विश्वास पक्का हो रहा है कि पहले चरण में एनडीए के पक्ष में एकतरफा मतदान हुआ है। इस दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर बड़ा हमला बोला है। पीएम मोदी ने कहा है कि जिस तरह से कांग्रेस के शहजादे को अमेठी से भागना पड़ा था वैसे ही अब वायनाड छोड़कर भाग जाएंगे। राहुल इस बार केरल की वायनाड सीट से चुनाव लड़ रहे हैं। वह पहले कांग्रेस की परंपरागत सीट अमेठी से चुनाव लड़ते थे और 2019 में वे इस सीट से हार गए थे। इस सीट से स्मृति ईरानी ने जीत दर्ज की थी और इस बार भाजपा ने एक बार फिर से स्मृति ईरानी को टिकट दिया है। हालांकि कांग्रेस ने अबतक अमेठी में उम्मीदवार का ऐलान नहीं किया है।

.पीएम मोदी ने सोनिया गांधी पर भी तंज कसा और कहा कि कुछ नेता, जो लगातार लोकसभा में जीतकर आते थे, वे इसबार राज्यसभा के रास्ते से अंदर जाकर बैठ गए हैं। पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस ने दशकों तक महाराष्ट्र और खासकर विदर्भ एवं मराठवाड़ा के विकास का दम घोंटने का काम किया है और कांग्रेस के इसी रवैये के कारण यहां किसान गरीब होते गए। उद्योगों से जुड़ी संभावनाएं खत्म होती चली गई और लाखों युवाओं को पलायन करना पड़ा।

पहले चरण के मतदान से गदगद

देश के मतदाता ‘घमंडिया’ गठबंधन को लगातार नकारते जा रहे

इंडी गठबंधन स्वार्थ और भ्रष्टाचार को बचाने एक साथ आया

राहुल गांधी इस बार भी वायनाड सीट से लोकसभा चुनाव लड़ रहे

भाजपा की स्मृति ईरानी ने राहुल को अमेठी से दी थी बड़ी मात

पीएम मोदी ने विपक्षी इंडिया गठबंधन पर निशाना साधते हुए कहा कि वोटर भी देख रहे हैं कि कैसे इंडिया अलायंस के लोग अपने स्वार्थ में, अपने भ्रष्टाचार को बचाने के लिए एक साथ आए हैं। इसलिए खबर यही है कि पहले चरण में मतदाताओं ने इस गठबंधन को पूरी तरह नकार दिया है। पीएम ने आगे कहा कि ये लोग दावा जो भी करें, लेकिन सच्चाई यही है कि चुनाव की घोषणा से पहले से ही कांग्रेस के नेता अपनी हार मान चुके हैं।

कांग्रेस, ऐसी बेल जो सहारा देने वाले को ही सुखा देती है

परभणी में भी पीएम मोदी ने एक विशाल जनसभा को संबोधित किया। कांग्रेस पर निशाना साधते हुए पीएम मोदी ने कहा कि ‘कांग्रेस एक ऐसी बेल है, जिसकी अपनी न कोई जड़ है, न जमीन है और इसे जो सहारा देता है, उसे ही सूखा देती है। आजादी के समय कांग्रेस ने देश का विभाजन करवा दिया, आजादी के बाद कश्मीर की समस्या खड़ी कर दी। कांग्रेस ने 370 के बहाने बाबा साहेब का संविधान कश्मीर में लागू नहीं होने दिया। पीएम ने कहा यह चुनावसरकार बनाने के लिए नहीं हो रहा है, देश को विकसित और आत्मनिर्भर बनाने के लिए हो रहा है।

मोदी सरकार के मुरीद हुए अजमेर दरगाह के दीवान

अजमेर शरीफ दरगाह के दीवान भी अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार और भाजपा के मुरीद हो गए हैं। उन्होंने राम मंदिर से लेकर सीएए तक जैसे कई मुद्दों पर खुलकर भाजपा के कामों का समर्थन करते हुए विपक्ष पर निशाना भी साधा है। उन्होंने कहा कि देश प्रगति कर रहा है और आज दुनिया में भारत का जो मुकाम है वह भाजपा सरकार की बदौलत है।

राहुल ने भागलपुर में कहा

सरकार बनी तो खत्म कर देंगे अग्निवीर

भागलपुर। एक सार्वजनिक रैली को संबोधित करते हुए कांग्रेस राहुल गांधी ने कहा कि भाजपा 50 सीटों से ज्यादा नहीं जीतेगी। वे अपने लिए खुद ही बढ़ा चढ़ाकर बता रहे हैं, लेकिन जनता उनको इस बात मौका नहीं देगी। इंडिया गुट की सरकार बनीं तो वे पांच तरह की गारंटी फौरन देंगे। ये योजना युवा, किसान, महिला, मजदूर, आशा वर्कर्स और सेना जुड़ा है। उनकी सरकार आते ही हर परिवार की एक महिला के खाते में आठ हजार से ज्यादा रुपये हर महीने डाले जाएंगे।

गठबंधन के सहयोगी ने राहुल को ही सुनाई खरी-खोटी

धमकी मत दो, जेल जाने से नहीं डरते

लेफ्ट और कांग्रेस दोनों ही इंडिया गठबंधन के घटक राजनीतिक दल हैं लेकिन केरल में दोनों ही एक दूसरे के खिलाफ ताल ठोंक रहे हैं। राहुल गांधी चुनावी मैदान में हैं। केरल के ही सीएम पिनाराई विजयन लगातार राहुल पर हमलावर हैं और अब उन्होंने पूर्व पीएम इंदिरा गांधी को यादकर कांग्रेस को निशाने पर लिया है। राहुलपर हमलावर होते हुए पूछा कि केंद्रीय जांच एजेंसियों ने उनसे पूछताछ या गिरफ्तारी क्यों नहीं की है?

एक महिला ने डाला वोट और बन गया रिकॉर्ड

ईटानगर। अरुणाचल प्रदेश के अंजॉ जिले में स्थित एक बूथ पर वोटिंग का अनोखा रिकॉर्ड बना है। इस सीट पर 100 फीसदी मतदान हुआ है। इस बूथ के लिए मतदान अधिकारी पैदल चलकर 40 किमी पहुंचे थे। मालोगाम में एक महिला रहती है। इसके लिए निर्वाचन अधिकारों ने महिला के घर से पास बूथ बनाया।

तेजस्वी ने 400 सीट को बताया ‘फ्लॉप’

आरजेडी नेता तेजस्वी यादव ने भाजपा के 400 पार वाले नारे पर तंज कसा। यह भाजपा का नारा फ्लॉप हो गया है। इस सपर पलटवार करते हुए रविशंकर प्रसाद ने कहा कि जमीन पर काम करने और हवा में दावा करने वालों को जनता जानती है। एनडीए इस बार 400 पार जरूर करेगा।

जलपाईगुड़ी में ममता ने किया डांस

पश्चिम बंगाल की सीएम और टीएमसी की मुखिया ममता बेनर्जी ने 2 अप्रैल को जलपाईगुड़ी में आदिवासी समूह के लोगों से मुलाकात की। ममता ने इस दौरान उन लोगों के साथ डांस किया और फिर ड्रम भी बजाया। एक मिनट एक सेकंड की इस क्लिप में वे सफेद रंग की साड़ी में आदिवासियों के बीच नजर आई। डांस के बाद टीएमसी सुप्रीमो ने दो महिलाओं के कंधे पर हाथ रखा और मुस्कुराते हुए उन सबसे यह पूछने लगीं कि क्या उन लोगों ने खाना खाया है?

कांग्रेस के पास न नीति, न नीयत और न नेता

शाहपुरा के शकरगढ़ में बोले गृह मंत्री शाह

शाहपुरा जिले के शकरगढ़ ग्राम में शनिवार को भीलवाड़ा संसदीय क्षेत्र के भाजपा प्रत्याशी दामोदर अग्रवाल के समर्थन में भाजपा की चुनावी महासंकल्प सभा का आयोजन हुआ, जिसे केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने संबोधित किया। शाह ने कांग्रेस पर करारा वार करते हुए कहा कि राजस्थान की सभी सीटें भाजपा जीत रही है, इसमें कोई शक नहीं है। भीलवाड़ा संसदीय क्षेत्र से भाजपा की जीत रिकॉर्ड तोड़ेगी। शाह ने कहा कि जो लोग वोट बैंक के लालच से रामलला के दर्शन नहीं करते हैं, उसे देश की जनता कभी माफ नहीं करेगी। मोदी ने देश को सुरक्षित और समृद्ध करने का काम किया है।

सरकार की उपलब्धियां भी गिनाईं

शाह ने भीलवाड़ा के सांसद सुभाष बहेड़िया के कार्यकाल में केंद्र द्वारा कराए गए कार्यों का जिक्र करते हुए कहा कि नेशनल हाइवे-158, जयपुर-उदयपुर वंदे मातरम ट्रेन, भीलवाड़ा में मेडिकल कॉलेज, भीलवाड़ा से आसींद व गुलाबपुरा रोड पर नेशनल हाइवे, भीलवाड़ा स्टेशन का जीर्णोद्धार यह सब बहेड़िया के विकास कार्यों के खाते में जाता है। मोदी ने एक झटके से ट्रिपल तलाक को हटाया है। नई संसद भवन बनाया गया है। कर्त्तव्य पथ बनाया। 80 करोड़ गरीबों के कल्याण के लिए काम किया। मुफ्त राशन दिया। 12 करोड़ शौचालय बनाकर माताओं-बहनों का सम्मान किया। 10 करोड़ लोगों को उज्ज्वला का कनेक्शन दिया। 1

चित्तौड़गढ़ में गरजे उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी

कांग्रेस सत्ता का अधिकार खो चुकी

उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ ने राजस्थान भाजपा प्रदेशाध्यक्ष व चित्तौड़गढ़ से उम्मीदवार सीपी जोशी के समर्थन में निम्बाहेड़ा में रोड शो किया। रोड शो निम्बाहेड़ा नगर के रेलवे स्टेशन से

शुरू हुआ जो विभिन्न मार्गों से होते हुए शेखावत सर्कल पर पहुंचा। शेखावत सर्कल पर भैरों सिंह शेखावत की प्रतिमा पर उन्होंने माल्यार्पण किया। समापन पर जनसभा को संबोधित किया। सीएम योगी ने कहा कि साम्प्रदायिक और जातिवाद सोच के कारण देश पहले बहुत नुकसान सह चुका है। कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस के समय में आतंकियों को बिरयानी खिलाई जाती थी। भगवान राम के लिए कहा जाता था कि भगवान राम पैदा नहीं हुए। जो विरासत और विकास की यात्रा में सहभागी नहीं हो सकते। उन्हें सत्ता में आने का कोई अधिकार नहीं है। इस दौरान सीएम योगी के ऊपर रोड के दोनों तरफ खड़े लोगों ने फूल बरसाए। इमारतों से भी फूलों की बारिश की गई। फूलों की बारिश के वक्त सुरक्षाकर्मियों के हाथों में मौजूद ब्रीफकेस सीएम योगी के लिए कवच बने नजर आए।

खबर संक्षेप

सफल रहा जेवर पर एयरक्राफ्ट का ट्रायल

नोएडा। योगी सरकार की सबसे महत्वाकांक्षी परियोजना नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के निर्माण का

कार्य अंतिम चरण में है। दिसंबर तक एयरपोर्ट चालू हो जाएगा। कैलिब्रेशन फ्लाइट नेविगेशन और रनवे लाइट और एयरस्पेस का परीक्षणकिया गया। जांच के लिए 30 मिनट तक बीचक्राफ्ट किंग एयर बी 300 एयरपोर्ट के ऊपर उड़ाया गया और वह सफल रहा।

सिसोदिया ने जमानत की अर्जी वापस ली

नई दिल्ली। आप नेता मनीष सिसौदिया ने दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट से अंतरिम जमानत

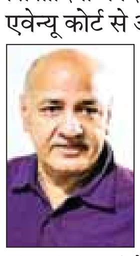

की मांग वाली याचिका वापस ले ली है। उन्होंने चुनाव प्रचार के लिए अंतरिम जमानत मांगी थी। सीबीआई ने कोर्ट में मनीष सिसौदिया की नियमित जमानत अर्जी का विरोध किया है। सीबीआई ने कहा कि सिसोदिया को जमानत न दें। वह इस मामले के मास्टरमाइंड हैं।

यूपी बोर्ड इंटरमीडिएट में शुभम वर्मा ने किया टॉप

लखनऊ। यूपी बोर्ड इंटरमीडिएट रिजल्ट में पहले स्थान पर आए सीतापुर के शुभम वर्मा ने 500 में

से 489 मॉर्क्स हासिल किए। 488 नंबर के साथ छह छात्र दूसरे स्थान पर आए हैं। दूसरे स्थान पर 6बच्चे हैं। बागपत के विशु चौधरी, अमरोहा की काजल , सीतापुर के राज और कशिश , सिद्धार्थ नगर के चार्ली , देवरिया के सुजाता पांडेय ने 97.60 प्रतिशत अंक प्राप्त किए।

नीतीश ने कटिहार में लालू और राबड़ी का नाम लिए बगैर साधा निशाना

नीतीश का तंज-बहुत कर दिए, इतना बाल- बच्चे पैदा करने चाहिए क्या ?

एजेंसी ▶▶ कटिहार

बिहार के सीएम नीतीश कुमार ने एक बार फिर आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव पर परिवावाद को लेकर निशाना साधा है। नीतीश ने कटिहार में चुनावी रैली को संबोधित करते हुए लालू एवं राबड़ी देवी का नाम लिए बिना जोरदार हमला बोला। उन्होंने कहा कि इन लोगों ने बहुत पैदा कर दिया, इतने बाल-बच्चे पैदा करने चाहिए किसी को। लालू पर तंज कसते हुए कहा कि पहले खुद सीएम बने, हट गए तो पत्नी को बना दिया। अब बाल-बच्चों को आगे बढ़ा रहे हैं। कहीं पर बेटी को, कहीं पर बेटों को लगा रहे हैं। नीतीश ने डंडखोरा के डुमरिया में जेडीयू प्रत्याशी दुलालचंद गोस्वामी के समर्थन में जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान अपने विकास गाथा की चर्चा के साथ-साथ अपने संबोधन में अल्पसंख्यकों के लिए कार्य को लोगों के बीच रखा। इशारों में परिवारवाद को लेकर जमकर हमला किया। उन्होंने आरजेडी के बारे में कहा कि यह परिवार किसी का नहीं है, बल्कि अपने परिवार की पार्टी है।

उन्होंने कहा पहले खुद सीएम बने, फिर पत्नी को बना दिया, अब बाल-बच्चों को आगे बढ़ा रहे

कुछ भी कर लें 150 पार नहीं कर पाएंगे

आरजेडी केवल परिवार की पार्टी

नीतीश परिवारवाद को लेकर आरजेडी पर हमला बोल रहे हैं। आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव की दो बेटियां मीसा भारती और रोहिणी आचार्य इस बार चुनाव लड़ रही हैं। नीतीश भाषणों में इसका जिक्र करते हुए लालू पर परिवार को आगे बढ़ाने का आरोप लगा रहे हैं।

आरजेडी शासन काल के हालात याद दिलाए

नीतीश कुमार ने अपने भाषण में लोगों को आरजेडी शासन काल के हालात फिर से याद दिलाए। उन्होंने कहा कि आप पुरानी बात भूल गए होंगे, इसलिए बता देना चाहते हैं कि पहले कोई काम नहीं होता था। रात में कोई बाहर नहीं निकल पाता था। आने-जाने का रास्ता नहीं था। पढ़ाई और इलाज की सुविधा नहीं थी। कहीं कोई इंतजाम नहीं था।

लालू-राबड़ी के शासन को बताया जंगल राज

नीतीश कुमार ने लालू राबड़ी के पंद्रह साल के शासन काल की तुलना जंगल राज से की। उन्होंने लालू-राबड़ी के शासन को जंगल राज की संज्ञा दी। वहीं उन्होंने कहा कि लालू राबड़ी को इतना बच्चा पैदा करना चाहिए? कोई इतना बच्चा पैदा करता है

तेजस्वी पर भी जमकर साधा निशाना

नीतीश कुमार कटिहार के डडखोड़ा प्रखंड के डुमरिया में एनडीए के जदयू प्रत्याशी दुलालचंद गोस्वामी के समर्थन में जनसभा को संबोधित कर रहे थे। अपने भाषण में उनहोंने इशारे-इशारे में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव पर जमकर निशाना साधा।

रामनवमी हिंसा पर बंगाल में कार्रवाई

पुलिस अफसरों को किया निलंबित चुनाव संबंधी कार्यों पर लगाई रोक

2 पुलिस अफसरों पर चुनाव आयोग का एक्शन

एजेंसी ▶▶ मुर्शिदाबाद

पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में रामनवमी पर जुलूस निकाले जाने के दौरान हुई हिंसा को रोकने में कथित तौर पर नाकाम रहने को चुनाव आयोग ने गंभीरता से लिया है। आयोग ने दो पुलिस थानों के प्रभारियों को निलंबित कर दिया। चुनाव आयोग के अनुसार निर्देशों के बावजूद शक्तिपुर और बेलडांगा पुलिस थानों के प्रभारी ‘धार्मिक हिंसा’ को रोकने में विफल रहे। एक अधिकारी ने बताया कि दोनों अधिकारी जिला पुलिस मुख्यालय में रहेंगे और चुनाव संबंधी कोई भी कार्य नहीं कर पाएंगे।

पूर्वी मेदिनीपुर में भी हिंसक झड़प हुई थी

रामनवमी के अवसर पर केवल मुर्शिदाबाद ही नहीं बल्कि पश्चिम

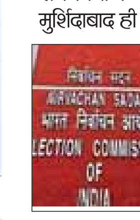

बंगाल के पूर्वी मेदिनीपुर में भी हिंसक झड़प देखने को मिली थी। यहां पर हुई हिंसा में तकरीबन 4 लोग घायल हो गए। बीजेपी ने आरोप लगाया कि शोभायात्रा पर पत्थर बरसाए गए। पुलिस को भीड़ को हटाने के लिए लाठीचार्ज करना पड़ा और आंसू गैस के गोले भी दागने पड़े थे।

नंदीग्राम में भाजपा का दफ्तर जलाने का आरोप

भाजपा ने आरोप लगाया कि 5 लोगों को अरेस्ट किया गया है। भाजपा की उम्मीदवार अग्निमित्रा पॉल मौके पर पहुंची और पार्टी कार्यकर्ताओं को तुरंत छोड़ने की मांग की। भाजपा कार्यकर्ताओं ने टायर जलाए। बेल्डा-कांठी के रास्ते को बंद कर रातभर विरोध प्रदर्शन किया। पार्टी ने आरोप लगाया कि नंदीग्राम में भाजपा का दफ्तर जला दिया गया।

सौरभ का भाजपा-एलजी पर आरोप

जेल में केजरीवाल की हत्या की साजिश, स्लो डेथ दे रहे

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल तिहाड़ जेल में बंद हैं। शराब घोटाले मामले में अ केजरीवाल तिहाड़ जेल में बंद हैं।

उनकी डाइट चार्ट और इंसुलिन की मांग को लेकर बहस छिड़ी हुई है। इस बीच दिल्ली सरकार में स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज ने मोदी सरकार और एलजी विनय कुमार सक्सेना पर गंभीर आरोप लगाए हैं। भारद्वाज ने कहा कि जेल में केजरीवाल की हत्या की साजिश रची जा रही है और उन्हें स्लो डेथ दिया जा रहा है।भारद्वाज ने कहा कि केजरीवाल का शुगर लेवल काफी बढ़ गया है और इस वजह से वह

बार-बार इंसुलिन की मांग कर रहे हैं, लेकिन उन्हें इसकी सुविधा नहीं दी जा रही हैभारद्वाज ने कहा कि शुगर लेवल बढ़ने से नसों, किडनी, आंख और दिल पर ऐसा प्रभाव पड़ सकता है, जिसे कभी ठीक नहीं किया जा सकता। एलजी विनय कुमार सक्सेना पर निशाना साधते हुए भारद्वाज ने कहा कि अगर अरविंद केजरीवाल की किडनी फेल होगी तो क्या वह उन्हें वापस दे सकते हैं।

बीफ शॉप पर अकबरुद्दीन ने लगाया जिंदाबाद का नारा

सीतारमण बोलीं-दोनों भाई ‘अभद्र’ बयान देने के एक्सपर्ट

वित्त मंत्री निर्मला ने कहा कि मुझे उनके ऐसे बयानों पर हैरानी नहीं होती

एजेंसी ▶▶ हैदराबाद

लोकसभा चुनाव 2024 के मद्देनजर ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुसलमीन (एआईएमआईएम) के सांसद असदुद्दीन ओवैसी के चुनाव प्रचार का एक वीडियो जमकर वायरल हो रहा है। इस वीडियो पर अब केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने पलटवार किया है। साथ ही ओवैसी को सीख भी दी है। निर्मला सीतारमण ने असदुद्दीन ओवैसी पर निशाना साधते हुए कहा कि उनके राजनीतिक बयान हमेशा अभद्र होता है। वित्त मंत्री ने कहा कि मुझे उनके ऐसे बयानों पर हैरानी नहीं होती है। सीतारमण ने कहा कि उनके छोटे भाई (अकबरुद्दीन ओवैसी) भी, जो विधायक हैं, ऐसे बयान देने में एक्सपर्ट हैं।

दुकान पर लिखा है- रेहान बीफ शॉप

सीतारमण ने कहा कि मुझे इन लोगों के बयानों पर आश्चर्य नहीं होता है, क्योंकि असदुद्दीन ओवैसी और उनके भाई इसी तरह के भड़काऊ बयान देते रहते हैं। गौरतलब है कि वायरल वीडियो में एआईएमआईएम सांसद अपने चुनाव प्रचार के दौरान मांस की एक दुकान पर जाते दिखते हैं। वीडियो के अनुसार इस दुकान पर रेहान बीफ शॉप लिखा है।

माधवी लता दे रहीं उनको चुनौती

तेलंगाना की हैदराबाद लोकसभा सीट से 4 बार के सांसद असदुद्दीन ओवैसी चुनावी मैदान में हैं। उनके सामने भाजपा ने सामाजिक कार्यकर्ता और हिंदूवादी चेहरे के तौर पर पहचान रखने वालीं माधवी लता को टिकट दिया है। इन दोनों नेताओं के बीच लगातार जुबानी जंग छिड़ी हुई है। तेलंगाना की 17 लोकसभा सीटों पर 13 मई को चौथे चरण में वोटिंग होनी है।

चलते-चलते उन्होंने कहा कि काटते रहो

वीडियो के मुताबिक असदुद्दीन ओवैसी इस दुकान पर पहुंचने के दौरान बोर्ड पर लिखा नाम पढ़ते हैं। इसके बाद वो कहते नजर आते हैं कि रेहान बीफ शॉप जिंदाबाद। चलते-चलते उन्होंने कहा कि काटते रहो आप।

- अगले 3-4 दिन हालात ऐसे ही रहेंगे 17 राज्यों में झमाझम के आसार
- आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, तमिलनाडु पुडुचेरी में तेज गर्मी का पड़ेगी
- 50 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से चलेंगी हवाएं
- 17 शहरों का तापमान दोपहर के समय 43 डिग्री से ज्यादा

महाराष्ट्र, छग समेत 12 राज्यों में हीटवेव, तापमान 43 डिग्री पार

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

मप्र समेत देश के 12 राज्यों में हीटवेव (लू) चलेगी। इनमें बिहार, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, छत्तीसगढ़, ओडिशा, मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश, झारखंड, गुजरात और तमिलनाडु शामिल हैं। यहां हीटवेव की स्थिति 3 से 4 दिनों तक जारी रहेगी। मौसम विभाग ने 17 राज्य में बारिश का अनुमान भी लगाया है। इनमें जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, असम, मेघालय, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा, सिक्किम, पश्चिम बंगाल, अरुणाचल प्रदेश, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, केरल, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कर्नाटक शामिल हैं।

21 अप्रैल: मध्य प्रदेश-छत्तीसगढ़ में बिजली गिरने का अनुमान

- मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, ओडिशा, झारखंड में तेज हवाओं के साथ बिजली गिरने का अलर्ट है।
- ओडिशा, झारखंड, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ में 50 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से हवाएं चलेंगी।
- पश्चिम बंगाल, बिहार, झारखंड और ओडिशा में हीटवेव चलेगी। आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, तमिलनाडु, पुडुचेरी में तेज गर्मी पड़ेगी। असम, मेघालय, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में तेज बारिश होगी।

22 अप्रैल: पश्चिम बंगाल ओडिशा में हीटवेव का अलर्ट

- ओडिशा, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, असम में बिजली गिरने और धूलभरी आंधी का अनुमान है।
- अरुणाचल प्रदेश में तेज बारिश का अनुमान है। पश्चिम बंगाल, बिहार, झारखंड और ओडिशा में हीटवेव चलेगी। केरल, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, तमिलनाडु, पुडुचेरी में तेज गर्मी का पड़ेगी।

23 अप्रैल: छत्तीसगढ़ में धूलभरी आंधी, बिहार में हीटवेव

- छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल, मध्य प्रदेश, सिक्किम, असम, मेघालय और तेलंगाना में धूलभरी आंधी चलेगी। हिमाचल प्रदेश, ओडिशा, झारखंड, अरुणाचल प्रदेश, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा और आंध्र प्रदेश में बिजली गिरने का अनुमान है। अरुणाचल प्रदेश में तेज बारिश होगी। नॉर्थ ईस्ट के अन्य राज्यों में भी बारिश हो सकती है। पश्चिम बंगाल और बिहार में हीटवेव चलेगी। आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु और पुडुचेरी में तेज गर्मी का दौर जारी रहेगा।

राज्यों के मौसम का यह रहेगा हाल

- **बिहार:** 13 जिलों में लू का यलो अलर्ट, यहां अधिकतम तापमान 43 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।
- **झारखंड:** राज्य के 13 जिले हीट वेव की चपेट में हैं। यहां का तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के पार हो गया है।
- **छत्तीसगढ़:** रायपुर-दुर्ग संभाग में लू का अलर्ट, 6 जिलों में अधिकतम तापमान 42 डिग्री पार

23 राज्यों में अच्छी बारिश

मौसम विभाग का अनुमान- मानसून सामान्य से बेहतर रहेगा, राजस्थान, मध्य प्रदेश समेत 20 राज्यों में अच्छी बारिश होगी। भारतीय मौसम विभाग ने बताया कि इस बार जून से सितंबर तक मानसून सामान्य से बेहतर रहेगा। मौसम विभाग 104 से 110 फीसदी के बीच बारिश को सामान्य से बेहतर मानता है। यह फसलों के लिए अच्छा संकेत है। 2024 में 106% यानी 87 सेंटीमीटर बारिश हो सकती है। 4 महीने के मानसून सीजन के लिए लॉन्ग पीरियड एवरेज (एलपीए) 868.6 मिलीमीटर यानी 86.86 सेंटीमीटर होता है। वहीं वेदर एजेंसी स्काईमेट इस साल राजस्थान, मध्य प्रदेश समेत 23 राज्यों में अच्छी बारिश होने का अनुमान जता रहा है। इस बार मानसून सामान्य रहेगा। यानी जून से सितंबर तक 4 महीने में औसत या सामान्य बारिश होगी।

लू से बचने स्वास्थ्य मंत्रालय की सलाह

लू से बचने के लिए स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से गाइडलाइंस जारी की गई है, जिसे आप जरूर फॉलो करें। पूरे दिन नियमित रूप से पानी पीकर हाइड्रेटेड रहें। गर्मी से बचने के लिए सांस लेने योग्य, हल्के रंग के सूती कपड़े पहनें। बाहर निकलते समय धूप का चश्मा, छाता या टोपी और उसके उपयुक्त जूते पहनकर रखें। अधिक प्रोटीन वाले भोजन से दूर रहें और बासी भोजन का सेवन करने से बचें। शराब, चाय, कॉफी और सोडा जैसे पेय प्रदार्थों को पीने से बचें।

खबर संक्षेप

पाक में 8 हजार करोड़ निवेश करेगा सऊदी अरब

इस्लामाबाद। सऊदी अरब जल्द ही पाकिस्तान में तांबा और सोने के खनन से जुड़े प्रोजेक्ट में 8.34 हजार करोड़ का निवेश करेगा। सऊदी के विदेश मंत्री फैजल बिन फरहान अल सऊद हाल ही में 2 दिन के पाकिस्तान दौरे पर गए थे। इसी दौरान दोनों देशों के बीच डील पर चर्चा हुई। वहीं आर्मी चीफ जनरल आसिम मुनीर ने सऊदी के सहायक रक्षा मंत्री मेजर अब्दुल्लाह अल-ओताइबी से मुलाकात की।

ब्लू व्हेल चैलेंज से यूएसए में भारतीय छात्र की मौत

वॉशिंगटन। अमेरिका में पिछले महीने मार्च में मैसाचुसेट्स विवि में प्रथम वर्ष में पढ़ने वाले 20 वर्षीय भारतीय छात्र की ब्लू व्हेल चैलेंज गेम ने जान ले ली। यह गेम एक आत्मघाती खेल है। इसे सुसाइड गेम भी कहा जाता है। वह 8 मार्च को मृत पाया गया था। ब्रिस्टल काउंटी डिस्ट्रिक्ट अटॉर्नी के प्रवक्ता ग्रेग मिलियोट ने कहा कि मामले की जांच स्पष्ट आत्महत्या के रूप में की जा रही है। पहले छात्र की मृत्यु को एक हत्या बताया था।

इजराइल का राफा पर हवाई हमला, 9 की मौत

राफा। इजराइल और हमास के बीच जारी संघर्ष दिन-प्रतिदिन भीषण मोड़ ले रहा है। इजराइल ने गाजा के सबसे दक्षिणी शहर रफा में फिर से हवाई हमला किया है। इस हमले में कम से कम 9 लोगों की मौके पर मौत हो गई। मरने वालों में छह बच्चे भी शामिल हैं। इजराइल ने शुक्रवार देर रात राफा शहर के पश्चिमी तेल सुल्तान इलाके में एक आवासीय इमारत को निशाना बनाया।

हमले के पीछे इजराइल के होने के सबूत नहीं मिले, दोनों में जुबानी जंग छिड़ी

ईरान की खुली धमकी: बोला- जांच में कुछ मिला तो छोड़ेंगे नहीं, इजराइल ने साधी चुप्पी

अमेरिका भी किसी हमले में शामिल होने से पहले ही कर चुका है इनकार

ईरानी अधिकारियों का कहना है कि हवाई सुरक्षा सिस्टम ने तीन ड्रोन्स को निशाना बनाया था, जिससे धमाके की आवाज सुनी गई। ईरान अधिकारियों का कहना है कि कुछ उग्रवादियों ने ये ड्रोन्स उड़ाए हो सकते हैं।

एजेंसी ▶▶ तेहरान

ईरान के विदेश मंत्री ने कहा कि ईरान पर हुए हमले की जांच चल रही है। उन्होंने कहा कि अभी तक इस हमले के पीछे इजराइल का हाथ होने के सबूत नहीं मिले हैं। ईरानी विदेश मंत्री ने धमकी देते हुए कहा कि अगर इजराइल ने ईरान पर हमले की कोशिश की, तो ईरान तुरंत और मुंहतोड़ जवाब देगा। वहीं इजराइल की तरफ से इस बारे में कोई बयान नहीं दिया गया है।

खास बातें

- ईरान के भीतर से ही कुछ ड्रोन्स उड़े थे, जिन्हें कुछ मीटर उड़ान भरने के बाद ही मार गिराया था
- गत दिवस पर ईरान पर हुआ था जोरदार हमला, ईरान जुटा रहा सबूत

ईरान में धमाकों की आवाज

ईरान के विदेश मंत्री हुसैन ने बताया कि ईरान के भीतर से ही कुछ ड्रोन्स उड़े थे, जिन्हें कुछ मीटर उड़ान भरने के बाद ही मार गिराया गया था। अमीराब्दोल्लाहियन ने कहा कि वो ड्रोन्स बच्चों के खिलौनों जैसे थे, जिनसे हमारे बच्चे खेलते हैं।

ईरान की इजराइल को धमकी

ईरान के विदेश मंत्री ने इजराइल को धमकी देते हुए कहा कि अगर इजराइल फिर से कोई गड़बड़ी करता है तो हम उसका मुंहतोड़ जवाब देंगे। ईरान के किसी ठिकाने पर हमले की कोई जानकारी नहीं है।

कुछ उग्रवादियों द्वारा ये ड्रोन्स उड़ाने की आशंका

ईरानी विदेश मंत्री ने कहा कि इस हमले के पीछे इजराइल के सबूत नहीं मिले हैं। मामले की जांच चल रही है। ईरानी अधिकारियों का कहना है कि हवाई सुरक्षा सिस्टम ने तीन ड्रोन्स को निशाना बनाया था, जिससे धमाके की आवाज सुनी गई। कुछ उग्रवादियों ने ये ड्रोन्स उड़ाए हो सकते हैं।

यह है ईरान और इजराइल के बीच तनाव का मामला

ईरान के दमिश्क स्थित दूतावास पर हमला हुआ था। इस हमले में ईरान की सेना के दो शीर्ष कमांडर्स समेत सात लोगों की मौत हुई थी। ईरान ने इस हमले का आरोप इजराइल पर लगाया था। ईरान ने चेतावनी दी थी कि अगर इजराइल ने उन पर हमला किया तो वे और ताकत के साथ पलटवार करेंगे। इसके बाद, बीते दिनों ईरान ने इस्राइल पर 300 से ज्यादा मिसाइलों और ड्रोंस से हमला किया था। हालांकि ये मिसाइलें और ड्रोंस इस्राइल की हवाई सुरक्षा को नहीं भेद पाई थीं। वहीं, हाल ही में इस्राइल ने पलटवार किया।

इराक में ईरान समर्थित सैन्य ठिकानों पर 5 धमाके

बगदादा। ईरान और इजराइल के बीच तनाव बढ़ता जा रहा है। लगातार दोनों देश एक-दूसरे पर हमला कर रहे हैं। इस बीच इराक में शनिवार को ईरान समर्थित सैन्य ठिकानों 5 धमाके हुए। इसमें कम से कम 3 लोग घायल हो गए। हालांकि, अभी तक धमाकों के कारणों का पता नहीं चल पाया है। विस्फोट विशेष रूप से पॉपुलर मोबिलाइजेशन यूनिट्स (पीएमयू) से संबंधित एक जगह पर हुए।

खतरों से निपटने नासा करेगा अरबों खर्च

मंगल से आ सकते हैं महामारी के वायरस, फिर दुनिया पर संकट

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

स्पेस से हमें जिस तरह के खतरों का सामना करना पड़ सकता है, वह पृथ्वी पर पैदा किए हुए हथियार ही नहीं बल्कि दूसरे ग्रह, क्षुद्रग्रह, या उलकापिंड के जरिए आए खतरनाक और जानलेवा सूक्ष्मजीव भी हो सकते हैं। यह आशंका मंगल जैसे ग्रह से आने वाले नमूनों के लिए ज्यादा जाहिर की जाती है। नासा इस तरह के खतरों से निपटने अरबों डॉलर खर्च करेगा। इसके संभावित खतरों से निपटना जरूरी है।

बड़े पैमाने पर फैल सकते हैं रोगाणु

लाल ग्रह की सतह से लिए गए नमूनों को कुछ विवादों का सामना करना पड़ा है क्योंकि सार्वजनिक निकायों ने चेतावनी दी है कि उन वस्तुओं से जुड़े पारिस्थितिक रूप से भूखे रोगाणु हमारे ग्रह पर बड़े पैमाने पर फैल सकते हैं। किसी भी संभावित जैविक परिवर्तन का मुकाबला करने के लिए जैवरक्षा पर द्विदलीय आयोग पहले ही स्थापित किया जा चुका है।

बजट बढ़ाने की कोशिश कर रहा नासा

नमूने लौटाने के लिए नासा के अरबों डॉलर के बजट के हिस्से के रूप में अंतरिक्ष संगठन के पास 11 अरब डॉलर (£8.8 बिलियन) से भी कम है। बजट का एक हिस्सा संभवतः एस्ट्रोबायोडिफेंस समूह के लिए आरक्षित किया जाएगा क्योंकि शलाला और ब्रूक्स का दावा है कि नासा को अपना पैसा एक समूह में निवेश करना चाहिए।

सुपरपावर देशों की बढ़ी टेंशन

उत्तर कोरिया ने किया अब तक का सबसे खतरनाक मिसाइल परीक्षण

एजेंसी ▶▶ सियोल

अमेरिका और दक्षिण कोरिया के साथ बढ़ते तनाव के बीच उत्तर कोरिया ने फिर हथियारों का परीक्षण किया है। उसने पश्चिमी तटवर्ती क्षेत्र से एक सुपर-लार्ज क्रूज मिसाइल वारहेड और एक नई एंटी-एयरक्राफ्ट मिसाइल का परीक्षण किया। संयुक्त राष्ट्र द्वारा किसी भी रेंज की बैलिस्टिक मिसाइल का परीक्षण प्रतिबंधित किए जाने के बावजूद उत्तर कोरिया अपनी सैन्य क्षमता बढ़ाने में जुटा है।

2 फरवरी को भी किया था परीक्षण

रणनीतिक क्रूज मिसाइल ह्वासल-1 आरए-3 के लिए तैयार वारहेड और प्योलज्जी-1-2 विमान रोधी मिसाइल का परीक्षण किया। उत्तर कोरिया ने इससे पहले दो फरवरी को ऐसे ही परीक्षण किए थे, लेकिन उस समय क्रूज मिसाइल या विमान रोधी मिसाइलों के नाम नहीं बताए गए थे।

राष्ट्रपति जिनपिंग ने बताई भविष्य की रणनीति

विश्व में अपने दुष्प्रचार अभियान को तेज करेगा चीन, इन्फॉर्मेशन फोर्स गठित

एजेंसी ▶▶ बीजिंग

चीन में राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने इन्फार्मेशन सपोर्ट फोर्स के गठन की घोषणा की।

यह फोर्स चीन की सेना-पीपुल्स लिबरेशन आर्मी की एक शाखा होगी। चिनफिंग ने कहा है कि यह फोर्स पीएलए की रणनीतिक शाखा होगी और यह विश्व की सबसे बड़ी सेना की तरह कार्य करेगी। इस फोर्स के जरिए चीन विश्व में अपने दुष्प्रचार अभियान को तेज करेगा।

यह नई फोर्स स्ट्रैटेजिक सपोर्ट फोर्स

आइएसएफ के जरिए चीनी सेना अपने उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए माहौल तैयार करेगी और इसके बाद जरूरत के अनुसार कार्रवाई करेगी। उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए यह नई फोर्स स्ट्रैटेजिक सपोर्ट फोर्स (एसएसएफ) के नए संस्करण के रूप में कार्य करेगी। पीएलए की शाखा के रूप में एसएसएफ को 2015 में गठित किया गया था। राष्ट्रपति चिनफिंग ने उम्मीद जाहिर की कि आइएसएफ पीएलए की शाखा के रूप में अपनी जिम्मेदारियों को उत्कृष्ट तरीके से निभाएगी।

नेहा मर्डर केस: सूबे में मचा बवाल, सिद्धारमैया ने घटना को बताया निजी कारण

आरोपी फैयाज की मां बोली- एक-दूसरे से करते थे प्यार, आईएएस बनाना चाहती थी!

एजेंसी ▶▶ बेंगलुरु

कर्नाटक के हुबली जिले के विद्यानगर में हुए नेहा हिरेमत मर्डर केस की वजह से पूरे सूबे में बवाल हो रहा है। लोग इसे लव जिहाद का मुद्दा बताकर गुनहगार को जल्द से जल्द सजा दिलाने की मांग कर रहे हैं। नेहा के परिजनों ने कहा है कि उनकी बेटी के साथ जो हुआ वैसा किसी और के साथ नहीं होना चाहिए। उधर आरोपी की मां ने लव जिहाद से साफ इनकार किया है। उनका कहना है कि नेहा और फैयाज एक-दूसरे से प्यार करते थे। सूबे में बवाल के बाद मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने लव जिहाद के दावों को खारिज कर दिया है। उन्होंने कहा कि यह हत्या निजी कारणों से की गई है और राज्य में कानून व्यवस्था बिल्कुल दुरुस्त है। भाजपा इस पर राजनीति कर रही है। उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने दावा किया कि भाजपा गुप्त रूप से राज्य में राष्ट्रपति शासन लगाने की योजना बना रही है।

आरोपी की मां बोली-बेटे को दंड मिलना चाहिए

फैयाज की मां मुमताज ने कहा कि मैं अपने बेटे की ओर से कर्नाटक के सभी लोगों से माफी मांगती हूं। मैं लड़की के माता-पिता से भी माफी मांगती हूं। वो मेरी बेटी की तरह थी। मैं भी उसके परिवार की तरह उतना ही दुखी हूं। मेरे बेटे ने जो किया वो गलत है। इसके लिए उसे दंड मिलना चाहिए। उसने हमारा सिर शर्म से झुका दिया है। वह पांच दिन पहले (13 अप्रैल) को यह कहकर घर से निकला था कि वो घर बैठे-बैठे तंग आ गया है। नौकरी ढूंढने जा रहा है। मुझे हत्या के बारे में तब पता चला जब एक परिचित ने फोन करके मुझसे टेलीविजन चालू करने के लिए कहा।

18 अप्रैल को हुई थी घटना

दरअसल, कर्नाटक के हुबली स्थित बीवीबी कॉलेज कैंपस में 18 अप्रैल को कांग्रेस पार्षद निरंजन हिरेमथ की 23 साल की बेटी नेहा हिरेमथ की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। नेहा MCA फर्स्ट ईयर की स्टूडेंट थीं। उसी कॉलेज के एक ड्रॉपआउट स्टूडेंट फैयाज खोंडुनाईक (23) ने नेहा के गले, पेट सहित शरीर पर चाकू से 7 वार किए। हमले में फैयाज को भी चोटें आईं। दोनों को अस्पताल ले जाया गया, जहां नेहा को मृत घोषित कर दिया गया।

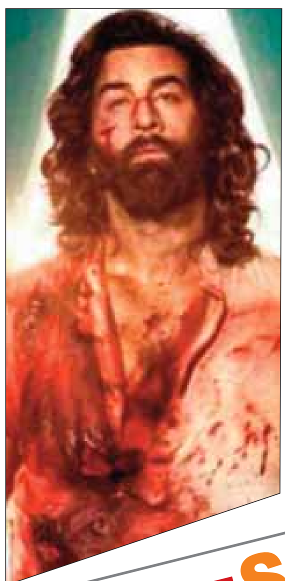

पहले से भी ज्यादा वाइल्ड होगी 'एनिमल पार्क'...

मुंबई। रणबीर कपूर के करियर की हाईएस्ट ग्रॉसिंग फिल्म 'एनिमल' के बारे में लोग आज भी बात करना बंद नहीं करते। इस मूवी ने बतौर एक्टर रणबीर का रुतबा तो बढ़ाया ही, साथ ही बॉबी देओल का खोया स्टारडम भी वापस लौटाया। अब रणबीर इस मूवी के सीक्वल 'एनिमल पार्क' को लेकर चर्चा में हैं। अब तक यही जानकारी सामने आई है कि 'एनिमल पार्क' में पहले से ज्यादा डार्क कंटेंट देखने को मिलेगा। रणबीर कपूर, 'रामायण' फिल्म के लिए खुद को तैयार करने में बिजी है। हाल ही में एक इवेंट के दौरान 'एनिमल' को बनाने वाले संदीप रेड्डी वांगा ने 'एनिमल पार्क' को लेकर एक अपडेट दी है।

लाइफ Style

दिशा

वीडियो ने सोशल मीडिया पर मचाई तबाही

एजेंसी ▶▶ मुंबई

बॉलीवुड की सुपर हॉट एक्ट्रेस दिशा पाटनी आज किसी परिचय की मोहताज नहीं हैं। फिल्मों में अपने हुस्न का जलवा दिखाने वालीं दिशा पाटनी ने अदाकारी और एक्शन से भी लोगों का दिल जीता है।

बी टाउन की ये खूबसूरत अदाकारा आए दिन सोशल मीडिया पर अपनी मदहोश करने वालीं फोटोज शेयर करती हैं। कातिलाना अदाओं से लोगों का दिल जीतने वालीं दिशा पाटनी ने इस बार हॉटनेस से भरी अपना एक वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में एक्ट्रेस बॉडी स्विमसूट में दिलकश अदाओं का जलवा कैमरे के सामने दिखाती नजर आ रही हैं। दिशा का ये वीडियो देख यूजर्स खुद को उनकी तारीफ करने से रोक नहीं पाए।

इस वीडियो में दिशा पाटनी कैमरे के सामने एक से बढ़कर एक पोज देती नजर आ रही हैं। वह अपना कर्वी फिगर फ्लॉन्ट कर रही हैं। फैंस ने उनकी ब्यूटी के साथ ही उनके कॉन्फिडेंस की भी तारीफ की है। दिशा का ये वीडियो काफी पसंद किया जा रहा है। इस वीडियो में दिशा पाटनी गोल्डन कलर के बॉडीकॉन सूट में नजर आ रही हैं। खुले बाल और मिनिमल मेकअप में एक्ट्रेस की ब्यूटी देखने लायक बन रही है। बी टाउन की इस गॉर्जियस एक्ट्रेस के वर्कफ्रंट की बात करें, तो फैंस उन्हें 'वेलकम टू द जंगल' में देखेंगे। ये मल्टी स्टार कास्ट वाली फिल्म होगी, जिसमें अक्षय कुमार, रवीना टंडन, संजय दत्त सहित कई कलाकार होंगे।

हॉलीवुड मसाला

अमेरिकन आइडल फेम नहीं रहीं

लॉस एंजिलिस। अमेरिकन आइडल स्टार और ग्रैमी विजेता स्टार मैंडिसा का 47 साल की उम्र में निधन हो गया है। वह फ्रैंकलिन, टेनेसी में अपने घर पर संदिग्ध हालात में मृत पाई गईं। मैंडिसा के ऑफिशियल सोशल मीडिया अकाउंट पर उनके निधन की जानकारी दी गई है। पुलिस इस मामले में जांच पड़ताल कर रही है। इस खबर से मैंडिसा के फैंस काफी दुखी हो गए हैं। मैंडिसा ने 'अमेरिकन आइडल 5' में हिस्सा लिया था, इसके साथ ही वह ग्रैमी अवॉर्ड विनर भी थीं।

एक सीन को फिल्माने में लग गए 78 दिन...

लॉस एंजिलिस। फिल्म निर्माण एक लंबी प्रक्रिया है यह बात सबको पता है। निर्माण के दौरान एक सीन को फिल्माने के लिए ना जाने कितने ही टेक देने होते हैं। कभी-कभी यह एक टेक में भी पूरा हो जाता है और कभी-कभी यह काफी समय ले लेता है। यह बात हॉलीवुड की फिल्म 'मैड मैक्स' की प्रीक्वल 'फ्यूरियोसा' ने सिद्ध कर दी है। फिल्म के एक 15 मिनट के सीन को फिल्माने के लिए 78 दिन लग गए। एक साक्षात्कार के दौरान फिल्म के निर्देशक जॉर्ज मिलर ने इसका खुलासा किया। फिल्म के निर्देशक ने हाल ही में दिए गए एक साक्षात्कार में बताया कि फिल्म के एक 15 मिनट के एक्शन सीन को फिल्माने के लिए सेट पर रोज 200 स्टंटमैन मौजूद रहते थे।

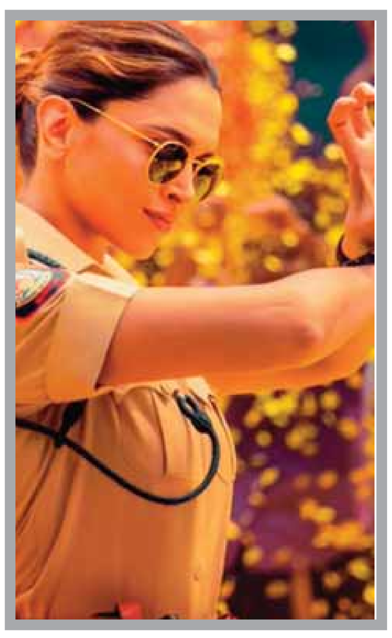

दोहराया अजय का आइकॉनिक पोज

मुंबई। बॉलीवुड एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण जल्द ही फिल्मेकर रोहित शेट्टी की फिल्म 'सिंघम अगेन' में नजर आएंगी। इन दिनों इस फिल्म की शूटिंग चल रही है। इस बीच रोहित शेट्टी ने फिल्म के सेट से दीपिका पादुकोण की एक तस्वीर शेयर की है। रोहित शेट्टी ने जो तस्वीर शेयर की है उसमें दीपिका पादुकोण पुलिस यूनिफॉर्म में दिखाई दे रही हैं। रोहित शेट्टी द्वारा शेयर की गई तस्वीर में दीपिका पादुकोण अजय देवगन का आइकॉनिक 'सिंघम स्टेप' करती नजर आ रही हैं। रोहित शेट्टी ने तस्वीर शेयर करने के साथ ही कैप्शन में लिखा है- 'माई हीरो...रील में भी और रियल में भी, लेडी सिंघम!!!' रोहित शेट्टी के कॉपवर्स में दीपिका पहली फीमेल कॉप होंगी। रोहित ने पिछले साल फिल्म के इस किरदार को लोगों के सामने पेश किया था।

शाहिद दमदार लुक में आएंगे नजर...

मुंबई। 'इश्क विश्क' से बालीवुड में कदम रखने वाले शाहिद कपूर को इंडस्ट्री में 21 साल हो चुके हैं। इस दौरान उन्होनें कई बेहतरीन किरदारों को परदे पर जीवंत किया। पिछले कुछ सालों में अपनी फिल्मों के चयन के जरिए उन्होनें एक अलग पहचान बनाई है। हाल ही में वह 'फर्जी' वेब सीरीज में दिखे थे। फिलहाल वह एक्शन थ्रिलर फिल्म 'देवा' की शूटिंग में व्यस्त हैं। इस बीच शाहिद ने फिल्म के सेट से अपनी एक मोनोक्रोम तस्वीर शेयर की है। इसे लेकर उनके फैंस काफी उत्साहित हैं। शुक्रवार को शाहिद ने अपनी आगामी फिल्म 'देवा' के सेट से खुद की एक तस्वीर साझा की। इसमें वह चश्मा लगाए कार में बैठे कैमरे से दूर कहीं देखते हुए नजर आ रहे हैं। इस तस्वीर को शेयर करते हुए उन्होनें लिखा, 'आज का मूड'!

टीवी मसाला

शहनाज गिल ने पार की बोल्डनेस की सारी हदें...

मुंबई। पंजाब की कैटरीना के नाम से फेमस शहनाज गिल को सलमान खान के रियलिटी शो 'बिग बॉस 13' से एक खास पहचान मिली थी। इस शो के बाद शहनाज ने शोहरत हासिल की जिसे पाने के लिए लोग सालों मेहनत करते हैं। आज शहनाज बॉलीवुड इंडस्ट्री का एक जाना माना नाम हैं। शहनाज ने अब तक के करियर में कई म्यूजिक वीडियोज के साथ अपना बॉलीवुड डेब्यू भी कर लिया है। शहनाज गिल ने हाल ही में अपना लेटेस्ट फोटोशूट कराया है, जो बेहद बोल्ड है। इन तस्वीरों को शहनाज ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया है। इन तस्वीरों में एक्ट्रेस की हॉटनेस देखकर फैंस की आंखें फटी की फटी रह गईं। तस्वीरों में आप देख सकते है कि शहनाज ने ब्रालेस होकर ब्लैक कलर का लेदर का कोट पहना हुआ है। इसके साथ एक्ट्रेस ने फ्रंट ओपन जालीदार स्कर्ट पहनी है। इस स्कर्ट को उन्होंने आगे से पूरा ओपन कर रहा है, जिसकी वजह से वो हद से ज्यादा ही बोल्ड नजर आ रही हैं। हर तस्वीर में शहनाज ने अलग-अलग अंदाज में पोज दिए।

फराह के घर सजी सितारों की महफिल

मुंबई। फिल्मेकर और कोरियोग्राफर फराह खान इंस्टाग्राम पर काफी एक्टिव हैं। वह हर दिन अपने इंस्टाग्राम पर कुछ ना कुछ पोस्ट करती रहती हैं। अब फराह ने अपने घर की एक पार्टी का वीडियो पोस्ट किया है। वीडियो में देखा जा सकता है कि फराह खान के घर में बॉलीवुड सितारों की महफिल सजी हुई है। फराह खान ने पार्टी की जो क्लिप शेयर की है उसमें जावेद अख्तर, अनु मलिक, सोनू निगम, राजकुमार राव, पत्रलेखा, साजिद खान, हुमा कुरैशी, अदिति राव हैदरी, सिद्धार्थ, सलीम मरचेंट जैसे सितारे नजर आए। इन्हीं सितारों के बीच, दीपिका कक्कड़ और शोएब इब्राहिम को भी फराह खान के घर स्पॉट किया गया। फराह खान की हाउस पार्टी में अनु मलिक और सोनू निगम ने मिलकर शाहरुख खान की मूवी 'मैं हू ना' का गाना 'किसका है ये तुमको इंतजार' गाकर लोगों का दिल जीत लिया।

अच्छे प्रोजेक्ट के इंतजार में हैं परिणीति

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा इन दिनों अपनी फिल्म 'अमर सिंह चमकीला' को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं। इम्तियाज अली द्वारा निर्देशित ये फिल्म अमर सिंह चमकीला और उनकी पत्नी अमरजोत कौर के जीवन पर आधारित है। फिल्म में परिणीति ने अमरजोत का किरदार निभाया है। अभिनेत्री ने हाल ही में फ्लॉप फिल्मों की वजह से कम काम मिलने को लेकर खुलकर बात की है। उन्हें उम्मीद है कि इंडस्ट्री में उनकी प्रतिभा को पहचाना जाएगा और उन्हें ऑफर आएंगे।परिणीति चोपड़ा ने एक बातचीत में कहा कि वह समान अवसर चाहती हैं। उन्होंने कहा, 'मुझे ऐसा लगता है कि मैं वहां मौजूद सभी निर्माताओं से अवसर चाहती हूं। बड़े निर्माता, बड़े स्टूडियो प्रमुख और बड़े निर्देशक अगर हमारी प्रतिभा को पहचानते हैं। अगर हमारी कड़ी मेहनत दिखती है, तो बस हमें वह अवसर दीजिए।

एक नहीं दो बार छोड़ी 2 ब्लॉकबस्टर फिल्में

मुंबई। करीना कपूर खान अपनी हाल ही में रिलीज हुई फिल्म 'क्रू' की सक्सेस का सेलिब्रेट कर रही हैं। इस कॉमेडी ड्रामा को फैंस ने खूब पसंद किया। खैर, एक इंटरव्यू में संजय लीला भंसाली की 'राम लीला' छोड़ने पर खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि वह पहले इस फिल्म का हिस्सा थी। लेकिन उन्होंने छोड़ दिया और इसके बाद ही दीपिका पादुकोण आईं। करीना ने कहा, मैं लक में विश्वास करती हूं, और मेरा मानना है कि आपके जीवन में जो कुछ भी होना है वह किसी भी चीज के जरिए से होगा। करीना कपूर खान ने आगे कहा, सब कुछ सितारों में लिखा है और सब कुछ हर किसी के लिए नहीं लिखा है। यह पहली बार नहीं था कि करीना ने भंसाली के साथ काम करने का मौका छोड़ा हो। करीना ने एक बार संजय लीला भंसाली को 'देवदास' करने से मना कर दिया। करीना को पारो का किरदार निभाना था, जिसे बाद में ऐश्वर्या राय बच्चन ने निभाया। करीना कपूर खान ने खुलासा किया था कि फिल्म के लिए साइनिंग अमाउंट देने के बावजूद संजय लीला भंसाली ने अचानक उन्हें रिप्लेस कर दिया था।

अल्लू अर्जुन, रश्मिका मंदाना और फहद फासिल की फिल्म ने रचा इतिहास

500 करोड़ में बनी 'पुष्पा 2' ने रिलीज से पहले ही कमा लिए हैं 1200 करोड़

मुंबई। एक ओर जहां टीजर रिलीज के बाद से हर कसिी की फिल्म को लेकर बेताबी बढ़ गई है, वहीं एक नई रिपोर्ट में दावा किया गया है कि अल्लू अर्जुन, रश्मिका मंदाना और फहद फासिल की इस फिल्म ने प्री-रिलीज कमाई में नया इतिहास रच दिया है। बताया जाता है कि 500 करोड़ के बजट में बनी 'पुष्पा 2' ने रिलीज से पहले ही 1200 करोड़ रुपए से अधकि की कमाई कर ली है!

570 करोड़ में बिके थएिटर राइट्स

रिपोर्ट में कहा गया है कि 'पुष्पा 2' के हिंदी डब वर्जन के लिए कथित तौर पर 200 करोड़ रुपए डील हुई है। इस बारे में हमने भी पहले खबर दी थी कि रवीना टंडन के पति अनिल थडानी ने उत्तर भारत में फिल्म के डिस्ट्रीब्यूशन के लिए यह डील की है। जबकि नई रिपोर्ट में कहा गया है कि दक्षणि भारत में डिस्ट्रीब्यूशन के लिए 270 करोड़ रुपए में थिएटर राइट्स बिके हैं। जबकि विदेशी बाजार में भी 100 करोड़ या उससे अधिक में थएिटर्स राइट्स की डील पक्की हुई है। यानी फिल्म ने थएिटर में रिलीज के लिए हुए डील्स से ही 570 करोड़ रुपए की कमाई कर ली है।

अल्लू अर्जुन की 'पुष्पा 2' का हर किसी को बेसब्री से इंतजार है। यह फिल्म 15 अगस्त 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। 'सिंघम अगेन' के पोस्टपोन होने के बाद अब इसके सामने कोई बड़ी फिल्म भी नहीं है। ऐसे में अनुमान यही है कि यह फिल्म कमाई के नए रिकॉर्ड बनाएगी।

ओटीटी और ऑडियो-सैटेलाइट के लिए 750 करोड़ की डील

ओटीटी पर रिलीज के लिए 'नेटफ्लिक्स' ने भी कथित तौर पर 'पुष्पा 2' के स्ट्रीमिंग राइट्स 275 करोड़ रुपए में खरीद लिए हैं। यह किसी भी साउथ इंडियन फिल्म के लिए अब तक की सबसे बड़ी राशि है। साथ ही पिछली बार फिल्म के सुपरहिट गानों को देखते हुए इस बार ऑडियो राइट्स भी ऊंचे दाम में बिके हैं। टीवी पर फिल्म की रिलीज के लिए सैटेलाइट राइट्स से करोड़ों की डील हुई है। रिपोर्ट के मुताबिक, ऑडियो और सैटेलाइट्स राइट्स की डील से मेकर्स ने 450 करोड़ रुपए की कमाई की है।

1295 करोड़ रुपए हुई कमाई

इस तरह यदि प्री-रिलीज कमाई के इन सारे आंकड़ों को मिला दें तो यह 1295 करोड़ रुपए है। जाहिर तौर पर यह अब तक रिलीज किसी भी फिल्म के मुकाबले एक नया रिकॉर्ड है। जिस तरह 'पुष्पा 2' को लेकर बाजार का माहौल है, फैंस की जिस तरह की दीवानगी देखी जा रही है, यह कहना गलत नहीं होगा कि फिल्म 15 अगस्त 2024 को जब बॉक्स ऑफिस पर रिलीज होगी तो छप्परफाड़ कमाई करेगी।

महिला मतदाताओं में नहीं दिखा उत्साह, आम मतदाता खामोश

8 फीसदी मतदान कम होने से सियासी दलों की चिंता बढ़ी

देश की सरकार चुनने के लिये पहले चरण का चुनाव समाप्त हो चुका है। जबलपुर में मतदान समाप्त हो चुका है। अब नेता और प्रत्याशी जबलपुर की अलग अलग विधानसभाओं के मतदान के आंकड़ों के आधार पर आंकलन में जुट गये हैं।

जबलपुर। लोकसभा चुनाव के लिये जबलपुर जिले में शुक्रवार 19 अप्रैल को हुये मतदान में 61 प्रतिशत हुआ है। जिले में 63.32 प्रतिशत पुरुष एवं 58.61 प्रतिशत महिला व 26.31 प्रतिशत थर्ड जेंडर मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। जो वर्ष 2019 के चुनाव में 69.37 प्रतिशत मतदान हुआ था, इस हिसाब से बीते चुनाव की तुलना में करीब 8 फीसद कम मतदान हुआ। चुनाव प्रचार शुरु होने से लेकर शुक्रवार को देर शाम मतदान समाप्ति तक, जिले में मतदान और मतदाता पूरी तरह सायलेंट रहे। न किसी तरह का उत्साह किसी पार्टी को लेकर मतदाताओं में था और न किसी तरह का आक्रोश किसी पार्टी के प्रति मतदाताओं में देखने को मिला। जबलपुर जैसा ट्रेंड ही मध्य प्रदेश की अन्य सीटों पर भी देखने को मिला। जानकारों का कहना है कि ऐसे ट्रेंड हमेशा चौकाने वाले नतीजे देते हैं। जबलपुर में जिस तरह की प्रतिक्रिया चुनाव को लेकर आमजन की थी, उसको सामने रखकर कुछ भी आंकलन करना आसान नहीं है। हालांकि एक बात जो सब कह रहे हैं वो यह की जीत हार का मार्जिन पिछले लोकसभा चुनाव जैसा नहीं होगा। यहां उल्लेखनीय है कि 6 महीनें पूर्व हुए विधानसभा में 75 प्रतिशत मतदान हुआ था और महिला मतदाताओं ने जबरदस्त उत्साह दिखाया था। तब जिलें की 7 विधानसभा सीटों पर भाजपा को लगभग 2 लाख 36 हजार मतों की बढ़त मिली थी और एक विधानसभा में 25 हजार वोटों से भाजपा

पिछड़ी। इसलिए यह कयास लगाया जा रहा है कि जबलपुर लोकसभा चुनाव में सर्वाधिक लीड से जीत का रिकार्ड पूर्व सांसद राकेश सिंह के नाम ही रहने वाला है।

प्रशासन कर रहा मंथन

जिला प्रशासन के तमाम प्रयाशों के बाद मतदान प्रतिशत चौकाने वाला गिरा है। जिसके बाद प्रशासनिक सतह पर भी चिंतन हो रहा है। अलग अलग कारण बताए जा रहे हैं। चुनाव को लेकर कोई उत्साह नहीं था और शादी ब्याह का सीजन था, जिस वजह से बड़ी संख्या में लोग शादी ब्याह को तरजीह देते नजर आए। 17 को रामनवमी की छुट्टी, 19 को मतदान की, 20 शनिवार और 21 रविवार तो लोगों ने स्कूल कालेज दफ्तर से 18 की छुट्टी लेकर 05 दिन के लिये घूमने का प्लान बना लिया, कुछ प्रतिशत इसमें डिस्टर्ब हो गया। तेज धूप ने कुछ प्रतिशत का प्रभाव डालाना तो, शक्रवार का दिन भी कुछ प्रतिशत मतदान गिरने की वजह बना। अलग अलग कारणों ने मिलकर करीब 9 फीसदी का अंतर डाल दिया। सभी वजहों को मिलाकर सारांश यही था कि चुनाव को लेकर जबलपुर जिले में उत्साह नहीं था। क्योंकि जब उत्साह होता है तो कोई भी वजह, वजह नहीं बनती।

सबसे कम पूर्व में और सबसे अधिक सिहोरा में मतदान

सबसे कम मतदान इस बार वहां हुआ जहां मतदान प्रतिशत हमेशा सबसे ज्यादा होता, वहां प्रतिशत सबसे कम रहा। पूर्व विधानसभा में जिले का सबसे कम 55.54 प्रतिशत मतदान हुआ। वहीं सबसे अधिक मतदान सिहोरा में हुआ जहां 65.57 फीसदी मतदान हुआ। इनके अलावा केन्ट और पश्चिम में क्रमशाः 59.54 और 59.20 प्रतिशत मतदान हुआ। पनागर और उत्तर मध्य विधानसभा में क्रमशाः 62.85 और 62.78 प्रतिशत मतदान हुआ। पाटन में 59.54 और बरगी में 63.11 प्रतिशत मतदान हुआ। ओव्हरआल वोटिंग में पुरुष मतदाताओं की संख्या जिले की हर सीट पर महिलाओं से अधिक रही। जिले में हुये मतदान में पुरुष मतदाताओं में से 63.32 प्रतिशत, महिला मतदाताओं में से 58.61 प्रतिशत एवं थर्ड जेंडर मतदाताओं में से 26.31 प्रतिशत मतदाताओं ने मतदान किया।

कांग्रेस भाजपा दोनों चिंतित

अबकी बार 7 लाख पार का नारा देने वाली जबलपुर भाजपा की नींद भी उड़ी है, और कांग्रेस की भी समझ से परे हैं कि वो क्या आंकलन करे। आज की स्थिति में भाजपा जीत का दावा कर रही है लेकिन मार्जिन बताने में अब खामोश है। वहीं कांग्रेस खेमा जो होगा अच्छा होगा कहकर 4 जून का इंतेजार कीजिये की बात कर रहा है। जिले के युवा यह कहते नजर आ रहे हैं, जीत भाजपा की ही होगी, मार्जिन कम होगा। वहीं बुजुर्ग कहते नजर आ रहे हैं अभी कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी।

डुमना विमानतल पर प्रधानमंत्री मोदी का भव्य स्वागत

जबलपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गत शुक्रवार की शाम दमोह से चुनावी सभा को संबोधित करने के बाद जबलपुर डुमना एयरपोर्ट पहुंचे। जहां कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। कड़ी सुरक्षा के बीच शहर के भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगवानी की और विदाई दी। इस दौरान भाजपा नेताओं ने डुमना विमानतल जाकर प्रधानमंत्री से भेंट की और उनका स्वागत किया। प्रधानमंत्री से मुलाकात करने वालों में लोकनिर्माण मंत्री राकेश सिंह, विधायक अशोक रोहाणी, अभिलाष पांडे, पवन तिवारी, अजीत श्रीवास्तव, आदि प्रमुख थे। डुमना में ट्रांजिट विजिट के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विशेष विमान से दिल्ली के लिए रवाना हो गए।

2 पीठासीन अधिकारी निलंबित, वीडियो वायरल करने वालें नेताओं पर होगी कार्रवाई

मतदान की गोपनीयता भंग करने वालों पर एफआईआर के निर्देश

जबलपुर। लोकसभा निर्वाचन के दौरान मतदान केंद्र के 100मीटर के दायरे में मोबाइल फोन का इस्तेमाल पूरी तरह से प्रतिबंधित किया गया था। चुनाव आयोग के निर्देशों की जानकारी सभी अधिकारी, कर्मचारियों के साथ-साथ संचार माध्यमों से दी गई थी, लेकिन इसके बाद भी मोबाइल फोन का इस्तेमाल धड़ल्ले से होता रहा और आदेश की धज्जियां उड़ाई गई। मतदान की गोपनीयता भंग करने की कोशिश भी की गई। कुछ लोगों ने मतदान करने के दौरान का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल किया। यह मामला जब मचा तो जिला प्रशासन ने इन दोनों केंद्रों में तैनात किए गए पीठासीन अधिकारियों को निलंबित कर दिया। उधर वीडियो बनाकर वायरल करने वालें भाजपा के अल्पसंख्यक मोर्चा से जुड़े दो नेताओं के खिलाफ भी एफआईआर दर्ज कराने के निर्देश जिला निर्वाचन अधिकारी दीपक सक्सेना ने दिए है। चुनाव कवरेज के दौरान भी इस बात का खुलासा हुआ था कि मोबाइल पर प्रतिबंध का असर बेअसर रहा। प्रतिबंध के खिलाफ धज्जियां उड़ाई गई। इस खबर का असर भी हुआ और जिला निर्वाचन एवं कलेक्टर दीपक सक्सेना ने सख्त कार्रवाई करने का फैसला लेते हुए जमा खान और उवेश अंसारी पर मतदान करने का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया में वायरल करने पर एफआईआर कराने के निर्देश दिए गए। जिला निर्वाचन अधिकारी के मुताबिक उत्तर मध्य विधानसभा क्षेत्र के मतदान केंद्र क्रमांक 61 और मतदान क्रमांक 83 में मतदान करने के वीडियो बनाकर वायरल करने की बात सामने आई है इन वीडियो को भाजपा के अल्पसंख्यक से जुड़े जमा खान और उवेश अंसारी के नंबर से वायरल किया गया था। इनके खिलाफ लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 के प्रावधानों का उल्लंघन करने पर एफआईआर दर्ज की जाएगी।

खुद तो डूबे, दो को और ले डूबे

वीडियो वायरल करने पर 'खुद तो डूबे सनम तुम्हे भी ले डूबे' वाली बात चरितार्थ हो गई। मतदान करने का वीडियों वायरल करने के मामलें में जिला प्रशासन द्वारा सूक्ष्म जांच कराई गई तो यह बात सामने आई कि वीवीपेड मतदान क्रमांक 61 विधानसभा उत्तर मध्य को आबंटित की गई थी। इस केंद्र पर पीठासीन अधिकारी वरिष्ठ अनुसंधान सहायक राज्य वन अनुसंधान संस्थान (टीएफआरआई) मंयक मकरंद वर्मा नियुक्त थे जिन्होंने निर्वाचन आयोग द्वारा जारी प्रतिबंधात्मक आदेश का पालन नहीं कराया गया। अपने कर्त्तव्य में घोर लापरवाही बरतने पर उन्हें तत्काल निलंबित कर दिया गया वहीं उनके खिलाफ कठोर अनुशासनात्मक कार्रवाई हेतु प्रस्ताव समक्ष अधिकारी को भेजा गया। इसी तरह पश्चिम विधानसभा के मतदान केंद्र क्रमांक 83 में एक वीडियो वायरल हुआ जिसे उवेश अंसारी के नंबर से वायरल किया गया। इस केंद्र में पीठासीन अधिकारी के रुप में रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के गोपनीय अध्यक्ष शकील अंसारी तैनात थे जिन्हें कर्त्तव्य में लापरवाही में बरतने के आरोप में निलंबित कर दिया गया। उन्होंने दोनों निलंबित अधिकारियों का मुख्यालय निलंबन अवधि में जिला निर्वाचन कार्यालय में रहेगा। निलंबन में अवधि में इन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ते की पात्रता होगी।

तड़के चार बजे तक जमा होती रहीं मतदान सामग्री

प्रत्याशियों का भाग्य स्ट्रांग रूम में कैद

जबलपुर। शुक्रवार को शाम 06 बजे मतदान खत्म हुआ और 08 बजे से मतदान दलों ने कृषि विश्वविद्यालय पहुंचने का सिलसिला शुरु हो गया। जो सुबह तड़के 4.30 बजे तक जारी रहा। जिसके बाद सुबह 06 बजे सभी दलों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में स्ट्रांग रूम लॉक कराया गया। कृषि विश्वविद्यालय पहुंचने वाले मतदान कर्मियों के स्वागत से लेकर खाने पीन तक के पूरे इंतजाम जिला प्रशासन द्वारा किये गये थे। वहीं आवश्यकता अनुसार कर्मियों को सकुशल घर पहुंचाने की जवाबदारी भी प्रशासन ने निभाई। यहां दिलचस्प यह रहा कि जब मतदान कर्मियों के आने का सिलसिला शुरु हुआ उसके कुछ देर बाद ही स्ट्रांग रूम की निगरानी के लिये तैनात कांग्रेस प्रतिनिधि गायब हो गये। वहीं भाजपा के प्रतिनिधि अंतिम पेटी

स्ट्रांग रूम में जाने तक डटे रहे। सुबह 6 बजे जब जिला निर्वाचन अधिकारी ने सभी मतदान दलों की वापसी सुनिश्चित की उसके बाद सभी की उपस्थिति में स्ट्रांग रूम बंद कर दिया गया। जो अब 4 जून को मतगणना वाले दिन खोला जाएगा।

2 मोटर साइकिलों में भिडंत, 1 की मौत

जबलपुर। सिहोरा थाना अतंर्गत भाग्यश्री वेयर हाउस के पास एक बाईक ने दूसरी बाईक को पीछे से टक्कर मार दिया जिससे बाईक चालक की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने आरोपी बाईक चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच में लिया है। सिहोरा पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम गौरहा निवासी भूरा उर्फ नंदकुमार घर से ग्राम भिटौनी अपनी बाईक क्रमांक एमपी 20 एनएम 9733 से जा रहा था, जैसे ही वह भाग्यश्री वेयर हाउस के पास पहुंचा, तभी पीछे से एक बाईक क्रमांक एमपी 20 जेड जे 3171 के चालक ने उसे टक्कर मार दी, जिससे भूरा उर्फ नंदकुमार की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने देवेंद्र यादव की लिखित शिकायत पर आरोपी बाईक चालक के खिलाफ धारा 279, 304 ए के तहत अपराध पंजीबद्ध कर मामला जांच में लिया है।

पुरानी रंजिश पर तलवार से प्राण घातक हमला

जबलपुर। गढा थाना अतंर्गत सुविधा मार्केट चौपाटी में पुरानी रंजिश पर चार बदमाशों ने एक युवक पर तलवार से प्राण घातक हमला कर उसे घायल कर दिया। घायल को उपचार के लिए मेडीकल अस्पताल में भर्ती कराया गया। गढा पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार शक्तिनगर गुप्तेश्वर निवासी 24 वर्षीय राजा विश्वकर्मा गत रात लगभग 11.53 बजे सुविधा मार्केट चौपाटी में फुल्की खाकर अपनी गाड़ी के पास आया, उसी समय ऋषभ पाल, अमन चक्रवर्ती, नंदू तिवारी और सोनू कुशवाहा आए और पुरानी रंजिश पर गालीगलौज करने लगे, गालियां देने से मना करने पर बहुत उड़ता है आज इसकी हत्या कर देते है कहते हुए चारों ने तलवार से उस पर हमला कर घायल कर दिया। उसके चिल्लाने पर लोग बचाने आए तो चारों वहां से भाग गए। पुलिस ने चारों आरोपियो के खिलाफ रिपोर्ट पर धारा 307, 34 के तहत अपराध पंजीबद्ध कर मामला जांच में लिया है।

23 अप्रैल तक जबलपुर समेत 19 जिलों में बारिश के आसार

3 दिन आंधी-बारिश का अलर्ट

जबलपुर। मध्यप्रदेश में अगले 3 दिन जबलपुर समेत 19 जिलों में बारिश होने के आसार हैं। मौसम विभाग ने आंधी-बारिश का अलर्ट जारी किया है। इससे पहले शुक्रवार को प्रदेश में गर्मी का असर रहा। खंडवा में पारा सबसे अधिक 42 डिग्री रहा। ग्वालियर, जबलपुर समेत 19 शहरों में पारा 40 डिग्री के पार रहा। वहीं, शाजापुर में बारिश हुई। वहीं, उज्जैन, आगर, राजगढ़, गुना और विदिशा में भी मौसम बदला रहा। मौसम विभाग के अनुसार, 21 से 23 अप्रैल तक प्रदेश में वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) का असर रहेगा। इस वजह से बूंदाबांदी और आंधी का दौर रहेगा।

21 अप्रैल को छिंदवाड़ा, नरसिंहपुर, जबलपुर, सिवनी, मंडला, कटनी, उमरिया, डिंडोरी, शहडोल और अनूपपुर जिलों में बारिश की संभावना है। वहीं 22 अप्रैल को नरसिंहपुर, सिवनी, मंडला, बालाघाट, डिंडोरी और अनूपपुर जिलों में और 23 अप्रैल को सिवनी, मंडला और बालाघाट जिले में बारिश की संभावना है। अप्रैल में बारिश के कई रिकॉर्ड टूटे। अप्रैल में लगातार 11 दिन तक बारिश होने का रिकॉर्ड भी बना है। 7 अप्रैल से 17 अप्रैल तक प्रदेश में लगातार बारिश हुई है।

बाईक की टक्कर से स्कूटी की सवार बहनें घायल

जबलपुर। रांझी थाना अतंर्गत व्हीकल फैक्ट्री गेट नंबर 1 के सामने एक बाईक ने एक स्कूटी में सामने से टक्कर मार दी। स्कूटी में सवार दो बहनें स्कूटी सहित नीचे गिरकर घायल हो गई। रांझी पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार जयप्रकाश नगर अधारताल निवासी 32 वर्षीय श्रीमति आभा विश्वकर्मा गत दिवस अपनी दीदी के घर रांझी से दीदी के साथ अपनी स्कूटी क्रमांक एमपी 20 एसटी 7975 से अपनी मम्मी के घर न्यू कंचनपुर जा रही थी। शाम लगभग 7.30 बजे जैसे ही व्हीकल फैक्ट्री गेट नम्बर 1 के सामने रांझी पहुंचे तभी एक मोटर सायकल क्रमांक एमपी 20 एन एक्स 3461 के चालक ने उसकी स्कूटी में सामने से टक्कर मार दी, जिससे दोनों स्कूटी सहित नीचे गिर गए और दोनों को चोटें आ गई। पुलिस ने आरोपी बाईक चालक के खिलाफ रिपोर्ट पर धारा 279, 337 के तहत अपराध पंजीबद्ध कर मामला जांच में लिया है।

चाकूबाजी में युवक व मजदूर घायल

रांझी और मझौली में वारदात

जबलपुर। रांझी थाना अतंर्गत पुरानी बस्ती झंडा चौक में और मझौली के ग्राम सरोद में पुरानी रंजिश पर चाकूबाजी की अलग-अलग घटना में एक युवक व एक मजदूर घायल हो गए। रांझी पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार पुरानी बस्ती झंडा चौक निवासी 56 वर्षीय संतोष चौधरी गत शाम लगभग 7.15 बजे किराना दुकान जा रहा था। उसी समय संजू लोधी किराना दुकान के सामने खड़ा था। संजू लोधी के दोस्त गगन बिरहा के विरुद्ध गत 17 अप्रैल को पत्नी द्वारा थाने में रिपोर्ट कराई गई थी इसी बात पर संजू लोधी उसे जातिगत रुप से अपमानित करते हुए गालीगलौज करने लगा, गालियां देने से मना करने पर संजू लोधी ने चाकू से उसकी जांघ पर हमला कर घायल कर दिया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट पर धारा 294, 324, 506 तथा 3(1)द, 3(1)ध, 3(2)(व्हीए) एससी एसटी एक्ट का अपराध पंजीबद्ध कर मामला जांच में लिया है। इसी तरह मझौली पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम सरोदा निवासी 27 वर्षीय मजदूर सिया प्रसाद चौधरी गत रात लगभग 11.30 बजे लमकना घाना के पास से काम करके वापस अपने घर ग्राम सरोदा आ रहा था तभी गांव के पास रोड में गुलशन चौधरी खड़ा था जिसे उसने रोड से किनारे होने को कहा, तो गुलशन पुरानी रंजिश पर गालीगलौज करने लगा, मना करने पर चाकू से उसकी गर्दन पर हमला कर दिया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट पर धारा 294, 323, 324, 506, के तहत अपराध पंजीबद्ध कर मामला जांच में लिया है।

तेज गर्मी में रेल यात्रियों के लिए स्टेशन में ठंडे पेयजल की व्यवस्था

जबलपुर। जबलपुर रेल मंडल द्वारा तेज गर्मी को देखते हुए रेल यात्रियों को शुद्ध और ठंडा पेय जल प्रदान करने के लिए विशेष व्यवस्था की गई है जिसके तहत मंडल के 12 स्टेशनों पर दो दर्जन अतिरिक्त प्याऊ खोले गए हैं। इस संबंध में सीनियर डी.सी.एम. विश्व रंजन ने बताया कि स्टेशन पर सभी रेल यात्रियों को शुद्ध पेय जल उपलब्ध कराने के इस अभियान के तहत रेलवे द्वारा प्लेटफार्म पर उपलब्ध नलों के साथ ही वॉटर कूलर और चलित प्याऊ के माध्यम से लोगों को निःशुल्क ठंडा एवं शुद्ध जल उपलब्ध कराए जा रहा है। इसी तरह स्टेशनों पर वाटर वेंडिंग मशीनों से भी यात्रियों को न्यूनतम राशि पर शुद्ध ठंडा पे जल उपलब्ध कराया जा रहा हैं। इसी कड़ी में मंडल के जबलपुर, पिपरिया, मैहर, दमोह, सागर सहित प्रमुख स्टेशनों से निकलने वाली गाड़ियों के यात्रियों के सामान्य दर्जे, शयनयान श्रेणी के कोचों के पास पहुंचकर चालित प्याऊ से स्वयंसेवी संस्थाओं के साथ ही रेलवे के सदस्यों द्वारा यात्रियों को सुविधा एवं ठंडा पेयजल निशुल्क उपलब्ध कराया जा रहा है।

अमंगवा में भागवत कथा का समापन

मित्रता रहती है स्वार्थ से परेः रमाकांत पौराणिक

सिहोरा। मझौली के देवरी (अमंगवा) में चल रही श्रीमद् भागवत कथा के सातवें दिन सुदामा चरित्र का वर्णन किया गया सुदामा चरित्र की मीमांसा करते हुए भेड़ा के भागवताचार्य श्री रमाकांत पौराणिक ने कहा कि सुदामा चरित्र' अत्यन्त स्वाभाविक,हृदय ग्राही सरल, एवं भावपूर्ण कथा है। इसमें एक ही गुरु के यहां अध्ययन करने वाले दो गुरु-भाईयों, सुदामा और श्रीकृष्ण की आदर्श मैत्री का अत्यन्त मनोहारी चित्रण किया गया है। सुदामा एक दरिद्र ब्राह्मण था और कृष्ण यदुवंशियों के सिरमौर थे। सुदामा एक सामान्य मनुष्य थे किन्तु श्रीकृष्ण आर्य जाति में नवजीवन संचार करने वाले योगिराज और महापुरुष ही नहीं अपितु 'धर्म संस्थापनार्थाय' ईश्वर के अवतार भी थे, ऐसे में दो विपरीत स्थिति, स्वभाव और सत्ता वाले व्यक्तियों के बीच मैत्री की

रसपूर्ण व्यन्जना की है वह अपने में एक अलभ्य और अनूठा चरित्र है। साथ ही जरासन्ध वध का भक्तों को श्रवण कराया गया। मैत्री प्रेम भावना की एक उदात्त कोटि है। यद्यपि इसकी गति द्वयाश्रित होती है किन्तु उस अन्योन्याश्रयिता में स्वार्थ की भावना के लिये किन्चित भी स्थान नहीं होता। सामान्यतया यदि मैत्री का व्यवहारनुकूल विभेद करें तो एक संसार यात्रा के मार्ग में परस्पर सहायता का रूप ग्रहण करके सद्व्यवहार मात्र रहती है किन्तु दूसरी हृदय में उतर कर एक ऐसे दिव्य भावलोक की सृष्टि करती है जिसमें केवल सब कुछ दे देने की ही मंगल कामना दिखाई पड़ती है। कथा के पूर्व रामाशंकर माया देवी परौहा,सिद्धार्थ प्रभा परौहा, ऋषि मीनू परौहा,पंकज करिश्मा परौहा,संगम, कान्हा,विनायक आदि ने व्यासपीठ का पूजन किया।

मंदिर ट्रस्ट ने की जोरदार तैयारियां

बड़ी खेरमाई के जवारों का विसर्जन जुलूस आज

जबलपुर। प्रसिद्ध गुप्त शक्तिपीठ माँ श्री बड़ी खेरमाई मंदिर का 371वां जवारा विसर्जन शोभायात्रा आज रविवार 21 अप्रैल को निकाली जाएगी। रात 8 बजे मंदिर परिसर से शोभायात्रा प्रारंभ होगी। इसके लिए पुलिस प्रशासन के सहयोग से मंदिर ट्रस्ट के पदाधिकारियों और श्रद्धालुओं द्वारा बड़े पैमाने पर तैयारियां की जा रही हैं। उधर जिला प्रशासन सुरक्षा और व्यवस्था के चलते चाक चौबंद इंतजाम कर रहा है। मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष शरद अग्रवाल और आशीष त्रिवेदी ने बताया कि जवारा विसर्जन शोभायात्रा की तैयारियां लगभग पूरी हो चुकी है। इसके चलते आज 21अप्रैल की रात 8 बजे मंदिर परिसर से शोभायात्रा का शुभारंभ किया जाएगा। मंदिर ट्रस्ट द्वारा श्रद्धालुओं से अनुरोध किया जा रहा है कि व्यवस्थाओं में सहयोग देते हुए दर्शन कर पुण्य लाभ अर्जित करें। मंदिर परिसर भानतलैया से शुरु हो कर शोभायात्रा दीनानाथ क्रासिंग, हनुमानताल होते हुए, राजा रसगुल्ला की गली से तमरहाई चौक पहुंचेगी, यहां से मिलौनीगंज चौक होते हुए घोड़ा नक्कास पहुंचेगी, जहां से हनुमानताल थाने के सामने पहुंच कर घाट में जवारों का विसर्जन किया जाएगा। इसके लिए

पुलिस प्रशासन के अधिकारियों के साथ मंदिर ट्रस्ट द्वारा समन्वय बना कर रुट प्लान और सुरक्षा एवं व्यवस्था पर विस्तृत चर्चा कर ली गई है।

हनुमान जयंती पर श्री सिद्धपीठ आगासौद में होंगे धार्मिक आयोजन

जबलपुर। निकटवर्ती श्री सिद्धपीठ हनुमान मंदिर परिसर आगासौद पाटन मार्ग जबलपुर में हनुमान जयंती पर 22 अप्रेल को अखण्ड मानसपाठ एवं 23 अप्रेल को विभिन्न धार्मिक सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है। कार्यक्रम की श्रृंखला में हनुमान जयंती के शुभ अवसर पर भव्य झंडा वंदन शोभायात्रा सुबह 08 बजे से पाटन रोड टिमरी से चलकर आगासौद मंदिर

पहुंचेगी। पूर्वान्ह 11 बजे हवन, पूजन, महाआरती, कन्या भोज एवं विशाल भंडारे का आयोजन किया गया है, इसके बाद क्षेत्रीय कलाकारों द्वारा भजन, कीर्तन, हनुमान चालीसा के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी जाएगी। मंदिर के पुजारी व्यवस्थापक प्रकाश सिंह ने बताया कि यहां हनुमान जी की स्थापना ऐसे नक्षत्रों में हुई है कि सभी कार्य सफल हो जाते हैं, अगरबत्ती, श्रीफल, दो गुलाब फूल के साथ मनोकामना पूर्ण होती है। मंदिर में दक्षिण मुखी प्रतिमा के साथ दिव्य सूर्य चक्र व तीन देवी प्रतिमा स्थापित हैं। हनुमान भक्त परिमिन्दर सिंह बबलू भैया, चौपराजी, दिनेश पटेल, राजकुमार दर्पण, सुनील पटेल, भगवत सिंह राजपूत, महेन्द्र तिवारी आदि ने श्रद्धालुओं से आगासौद मंदिर धर्म सागर तालाब मंदिर प्रांगण में उपस्थित होकर दर्शन लाभ लेने का आग्रह किया है।

निर्वाचन कार्य सहभागिता में स्काउट गाइड को मिली सराहना

जबलपुर। भारतीय लोकतंत्र के महापर्व के अवसर पर कलेक्टर दीपक सक्सेना के निर्देशन में भारत स्काउट गाइड जिला संघ जबलपुर के रोवर रेंजर स्काउट गाइड ने जबलपुर के विभिन्न पोलिंग बूथ पर जाकर विकलांग जनों और वृद्ध जनों, शारीरिक रूप से अक्षम नागरिकों को पोलिंग बूथ तक पहुंचाकर अपनी सेवाएं दी, उनके कार्य को स्थानीयजनों, बूथ/जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन ने सराहा। सेवा कार्य को सफल बनाने में यश नर्सरी हायर सेकेंडरी स्कूल के स्काउट गाइड रोवर्स, रेन्जर आदर्श मिश्रा, हर्षिका बर्मन, प्रांशी कनौजिया, वैष्णवी मेहरा, रोवर पीयूष कनौजिया, गाइड कैप्टन शुभांगी शर्मा, ज्योति यादव, इंद्राक्षी सिंह, सुमन गुप्ता, अनुष्का नामदेव, नितिन राव, रोशन सेन सहित विभिन्न स्काउट एंड गाइड ने जिला शिक्षा अधिकारी, आयुक्त अजय तिवारी, हेडक्वार्टर कमिश्नर डॉ. विजयकांत तिवारी, जिला सचिव डीके भट्ट, जिला

कोषाध्यक्ष विजय दारिया, स्काउट मास्टर विशाल तिवारी, लेखराम सहित जिला संघ ने सभी के मार्गदर्शन में अपनी सहभागिता सुनिश्चित की।

मानव को एकत्व के सूत्र में बांधता 'मानव एकता दिवस'

जबलपुर। सतगुरू माता सुदीक्षा जी महाराज एवं निरंकारी राजपिता के आशीर्वाद से 24 अप्रैल 2024 सम्पूर्ण निरंकारी जगत द्वारा मानव एकता दिवस के रूप में मनाया जायेगा।

यह दिन युग प्रवर्तक बाबा गुरूवचन सिंह के परोपकारी जीवन एवं उनकी लोक कल्याण की भावना को समर्पित है। इस कार्यक्रम में निरंकारी जगत के हजारों की संख्या में श्रद्धालु भक्तजन बाबा गुरु वचन सिंह महाराज एवं मिशन के अनन्य भक्त चाचा प्रताप सिंह को अपने श्रद्धा सुमन अर्पित करेंगे। युग प्रवर्तक बाबा गुरूवचन सिंह ने अपना सम्पूर्ण जीवन मानवता के कल्याण को समर्पित किया, उन्होंने ब्रम्हज्ञान की

दिव्य दात द्वारा मानव को मानव से जोड़कर प्रेम और मिठास की सदा बहने वाली निर्मल धारा को प्रवाहित कर हर हृदय में अपना स्थान बनाया। प्रत्येक भक्त के जीवन को वास्तविक रूप में एक व्यावहारिक दिशा प्रदान की जिसके लिये मानवता उनकी सदैव ही रिंद ऋणी रहेगी।

वर्तमान में सतगुरू माता सुदीक्षा महाराज उनकी दिव्य सिखलाइयों के प्रकाश पुंज को प्रवाहित कर रहे हैं 24 अप्रैल 2024 दिन बुधवार को सतगुरू माता सुदीक्षा महाराज एवं निरंकारी राजपिता के सनिध्य में बुरडी निरंकारी चौक में मानव एकता दिवस का आयोजन किया गया है।

इसी तारतम्य में संस्कारधानी जबलपुर में नवनीत नागपाल के सनिध्य में संत निरंकारी सत्संग भवन गोलबाजार में 24 अप्रैल 2024 दिन बुधवार समय शाम 6:30 से 09:00 बजे तक आयोजन किया गया है जिसमें सेकड़ों की संख्या में भक्तजन अपनी हिस्सेदारी प्रस्तुत करेंगे।

सत्संग से सुधरता है मनुष्य का जीवन

जबलपुर। श्री प्राचीन बड़े हनुमान मंदिर आधारताल में हनुमान जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में संरक्षक वनवारीदास महाराज के सानिध्य में श्रीराम महायज्ञ एवं नव दिवसीय श्रीराम कथा का आयोजन किया जा रहा है। कथा के सप्तम दिवस की कथा में अयोध्या से पधारे आचार्य श्री वत्स महाराज ने श्री सीता-राम विवाह के मार्मिक प्रसंगों का विस्तार से वर्णन किया एवं कहा कि राम कथा के श्रवण मात्र से मनुष्य का जीवन सुधरता है। श्री राम महायज्ञ के यज्ञ आचार्य पं. प्रमोद परोहा हैं। राम महायज्ञ एवं राम कथा का समापन दिनांक 22 अप्रैल को होगा। उसके उपरांत 23 अप्रैल को श्री हनुमान जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में प्रातःकाल हनुमान जी महाराज का अभिषेक एवं सहस्त्र अर्चन पूजन किया जाएगा। उसके उपरांत विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा। मंदिर समिति के समस्त सदस्यों ने श्रद्धालुओं से निवेदन किया है कि अधिक से अधिक संख्या पहुंचकर पुण्य लाभ अर्जित करें।

पंजाबी समाज के 32वां राष्ट्रीय परिचय सम्मेलन का शुभारंभ

जबलपुर। पंजाबी समाज के जीवन साथी की तलाश में मेजमान जबलपुर संभाग सहित नागपुर, अहमदाबाद, जयपुर, भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, रायपुर, झांसी, दिल्ली, पंजाब, जम्मू, बैंगलोर, उत्तराखंड, उत्तरप्रदेश सहित देश ही नहीं अन्य देशों से भी कैनेडा, आयरलेण्ड में कार्य करने वाले बच्चों के अभिभावक उनकी शादी हेतु वर-वधू की तलाश हेतु के साथ अनेक जिलों एवं शहरों से युवक-युवती एवं उनके परिजन तथा पंजाबी समाज के पदाधिकारी पंजाबी हिन्दू एसोसियेशन के द्वारा आयोजित दो दिवसीय युवक-युवती परिचय सम्मेलन में पहुंचे। परिचय सम्मेलन का शुभारंभ पंजाबी हिन्दू एसोसिएशन संस्था कार्यालय नेपियर टाउन में हुआ, जहां सामाजिक एकता के बीच रिश्तों को जोड़ने की पहल सभी ने की। युवक युवती ने भावी जीवन साथी की तलाश में शिक्षा संस्कार और अच्छे परिवार जैसी बातों को प्राथमिकता दी, तो परिजन सुबह से शाम तक आपसी मेल-जोल में व्यस्थ रहे।

चुनाव कार्य में लगे कर्मचारियों को दिया जाए मानदेय

जबलपुर। मध्य प्रदेश जागरूक अधिकारी कर्मचारी संगठन के प्रदेश अध्यक्ष रॉबर्ट मार्टिन ने एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से बताया कि चुनाव कार्य में मतदान दल के अलावा अन्य अमला भी रात दिन पूरी ईमानदारी के साथ और पूरी ताकत से कार्य करता है, ऐसे में किसी भी विभाग का कर्मचारी चाहे वह बड़े से बड़े या छोटे से छोटे पद पर हो उन्हें मानदेय मिलना चाहिए। अतः संगठन निर्वाचन आयोग/ शासन से अपील करता है की मतदान कार्य में लगे समस्त अधिकारी कर्मचारी को मानदेय दिया जाए। संगठन के प्रदेश अध्यक्ष रॉबर्ट मार्टिन, जियाउर्रहीम, हेमन्त ठाकरे, दिनेश गौंड़, राकेश श्रीवास, रऊफ खान, एनोस विक्टर, राजकुमार यादव, गुडविन चार्ल्स, फिलिप अन्थोनी आदि ने मांग की है की चुनाव कार्य में लगे समस्त कर्मचारियों को मानदेय दिया जाए।

इंडियन पीपुल्स अधिकार पार्टी ने सरकार पर साधा निशाना

प्रदेश के 75 हजार अतिथि शिक्षक नहीं हो सकेंगे नियमित

जबलपुर। इंडियन पीपुल्स पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष पंडित पुरुषोत्तम तिवारी ने जारी एक बयान में कहा है कि प्रदेश के 75 हजार अतिथि शिक्षकों के लिए ये बुरी खबर है। मध्य प्रदेश के सरकारी स्कूलों में अब अतिथि शिक्षक नियमित नहीं होंगे। स्कूल शिक्षा विभाग में अतिथि शिक्षकों को सीधे नियमित करने का कोई प्रावधान नहीं है, उन्हें सिर्फ सीधी भर्ती में 25 फीसदी का आरक्षण दिया जाएगा। हाईकोर्ट के निर्देश पर अतिथि शिक्षकों की नियमित करने की याचिका का लोक शिक्षण संचालनालय की आयुक्त शिल्पा गुप्ता ने निराकरण कर गुरुवार को आदेश जारी कर दिया। यानि अतिथि शिक्षकों के नियमितिकरण का मामला अब पूरी तरह खत्म हो गया है। सरकारी स्कूलों में अतिथि शिक्षकों के नियमितीकरण को लेकर पं. पुरुषोत्तम तिवारी राष्ट्रीय अध्यक्ष इंडियन पीपुल्स अधिकार पार्टी ने भाजपा सरकार पर जमकर निशाना साधा। कहा कि मध्य प्रदेश के

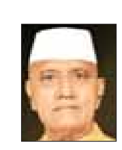

अतिथि शिक्षक इस माह के बाद क्या करेंगे? इस पर मुख्यमंत्री को विचार करना चाहिए आप प्रदेश के मुख्यमंत्री होने के नाते अपनी जिम्मेदारियों पर यूं मौन नहीं रह सकते। उन्होंने 75 हजार कोई छोटा-मोटा आंकड़ा नहीं होता और इन शिक्षकों के साथ इनके परिवारजनों की भी अजीविका का सवाल भी है। इससे मध्यप्रदेश के लगभग 5 लाख लोग के जीवनयापन पर सवाल खड़ा हो जायेगा। इसमें ही कई अतिथि शिक्षकों को स्कूलों में सेवाएं देते हुए 15 साल तक का समय हो चुका है। इसे लेकर प्रदेश के कई अतिथि शिक्षकों ने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर नियमित करने की मांग की थी। अतिथि शिक्षकों का कहना था कि वे शिक्षक पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण है और डीएड-बीएड प्रशिक्षित हैं। तीन वर्ष से लेकर 15 वर्षों तक लगातार अतिथि शिक्षक के रूप में पढ़ाने का अनुभव है। अन्य राज्यों में भी अतिथि शिक्षकों को नियमित किया गया है। इस आधार पर मध्य प्रदेश में नियमित किया जाए। हाईकोर्ट ने स्कूल शिक्षा विभाग को नियमानुसार कार्रवाई के निर्देश दिए थे। लोक शिक्षण संचालनालय की ओर से जारी आदेश में लिखा है कि मध्य प्रदेश राज्य स्कूल शिक्षा सेवा (शैक्षणिक संवर्ग) सेवा शर्तें एवं भर्ती नियम 2018 एवं संशोधित नियम एक दिसंबर 2022 के अनुसार सीधी भर्ती से रिक्त पदों की पूर्ति के लिए शिक्षक पात्रता परीक्षा के बाद शिक्षक चयन परीक्षा के माध्यम से शिक्षक भर्ती का प्रावधान है। सीधे नियमित किए जाने का कोई प्रावधान नहीं है। इंडियन पीपुल्स अधिकार पार्टी ने मांग की है कि मध्यप्रदेश के 5 लाख लोगों के जीवन को बचाने के लिए मानवीय दृष्टिकोण अतिथि शिक्षकों के अनुभवों का लाभ लेते हुए वर्तमान में जो अतिथि शिक्षक कार्यरत हैं उन्हें उसी स्थान पर नियमित करने के लिए न्यायसंगत कानून को बनायें।

कलचुरी परिचय सम्मेलन आज

जबलपुर। विगत दिवस मनोहर चौकसे की अध्यक्षता में कलचुरी महासभा की बैठक का आयोजन समाज भवन में किया गया। जिसमें सम्मेलन की तैयारियों को अंतिम रूप दिया गया। अध्यक्ष मनोहर चौकसे ने बताया कि 21 अप्रैल रविवार प्रात 11 बजे को मानस भवन में गणेश वंदना व भगवान सहस्त्रबाहु के पूजन से कार्यक्रम प्रारंभ होगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि केबिनेट मंत्री राकेश सिंह व विशिष्ट अतिथि महापौर जगत बहादुर सिंह 'अन्नू' व विधायक अभिलाष पांडेय रहेंगे। अध्यक्ष ने सभी स्वजातीय बन्धुओं से अधिक से अधिक संख्या में कार्यक्रम में शामिल होने की अपील की है। महामंत्री बी डी राय के द्वारा बताया गया कि सम्मेलन में देश भर से भारी संख्या में स्वजातीय बन्धुओं के की संभावना है। सम्मेलन के सफल आयोजन हेतु विभिन्न का समितियों को जिम्मेवारी सौंपी गई। बैठक में देवेंद्र चौकसे, राकेश चौकसे, जे पी राय, राजेश जायसवाल 'पप्पू', राजीव चौकसे, कौशलेन्द्र महाजन, आशीष राय 'बंटी', आदि उपस्थित थे।

भक्तों को दर्शन देने गर्भ गृह से बाहर आए भगवान श्रीलक्ष्मी नारायणजी

पाटन। सैकड़ों वर्ष पुरानी अपनी परंपरा का निर्वहन करते हुए गुरु मोहल्ला स्थित भगवान श्री 1008 लक्ष्मी नारायण जी का अत्यंत प्राचीन मंदिर विद्यमान है जहां परंपरागत रूप से तीन दिवसीय राम जन्म उत्सव बड़े धूमधाम हर्ष को लाश के साथ प्रतिवर्ष मनाया जाता है आज भी कहारों के कंधों पर भगवान का जल विहार कराया जाता है जो मंदिर प्रांगण से प्रारंभ होकर नगर की मुख्य बाजार में भगवान श्री राधा कृष्ण से भेंट करने के लिए आते रास्ते भर भगवान के ऊपर पुष्प वर्षा पूजन आरती प्रसाद वितरण आदि का क्रम चलता रहता

है। बैंड बाजा शहनाई घोड़ा और और भगवान के निशान के साथ जलविहार किया गया, तत्पश्चात नाग तालाब पर भगवान का विधि पूजन के साथ जलविहार संपन्न होता है।

निधन

श्रीमती निर्मला राजपूत- हाउबाग बहना मोहल्ला गोरखपुर निवासी श्री पूरन सिंह राजपूत की धर्मपत्नी श्रीमती निर्मला राजपूत (57) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती रामरति गुप्ता- पटेल मोहल्ला सिद्धबाबा वार्ड निवासी श्री राम प्रसाद गुप्ता की धर्मपत्नी श्रीमती रामरति गुप्ता (76) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री घनश्याम भाटिया- रतन कॉलोनी गोरखपुर निवासी श्री घनश्याम भाटिया (74) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती कला बाई चौहान- कुचबंधिया मोहल्ला शीतलामाई निवासी श्री ईश्वर दास चौहान की धर्मपत्नी श्रीमती कला बाई चौहान (80) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री नंद लाल चौधरी- चेरीताल दमोहनाका निवासी श्री शंकर लाल चौधरी के पुत्र श्री नंद लाल चौधरी (35) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार मढ़ोताल मोक्षधाम में संपन्न हुआ।

श्री जेपी दहायत- चांदमारी तलैया लालमाटी निवासी श्री जेपी दहायत (78) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री राम सेवक यादव- एलआईसी के पास मदनमहल निवासी श्री राम सेवक यादव का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री प्रकाश चंद पटेल- कांचघर नई बस्ती निवासी श्री प्रकाश चंद पटेल (70) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री प्रेम लाल चौधरी- गोपाल होटल लालमाटी निवासी श्री प्रेम लाल चौधरी (68) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में संपन्न हुआ।

श्रीमती मानवती चौधरी- सिद्धबाबा वार्ड निवासी श्री शिवदास चौधरी की धर्मपत्नी श्रीमती मानवती चौधरी (78) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री राज किशोर विश्वकर्मा- छोटी ओमती निवासी श्री राज किशोर विश्वकर्मा (72) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में संपन्न हुआ।

हरिभूमि निजी/शोक/उठावन, पगड़ी रस्म, पुण्यतिथि संबंधी संदेश प्रकाशित कराने के लिए
अन्य साइज 40/- प्रति स्क्वायर से.मी.
फिक्स साइजः- 8x9 से.मी. ब्लैक&व्हाइट 300/-
फिक्स साइजः- 8x9 से.मी. रंगीन 400/-
फिक्स साइज 10x8 से.मी. रंगीन 1000/-
सम्पर्क करें विज्ञापन विभागः-0761-4048310, 2757175

सब जेल सिहोरा में विशेष स्वास्थ्य परीक्षण एवं विधिक साक्षरता शिविर सम्पन्न

सिहोरा। सब जेल सिहोरा में शनिवार को माननीय उच्च न्यायालय विधिक सेवा समिति जबलपुर एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशन में बंदियों के स्वास्थ्य परीक्षण एवं विधिक साक्षरता हेतु विशेष स्वास्थ्य परीक्षण शिविर एवं विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया जिसमें तहसील विधिक सेवा समिति सिहोरा के अध्यक्ष मान.सैफी दाऊदी प्रथम अपर सत्र न्यायाधीश,मान.तनुश्री शिवहरे, प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेट, एड. दिलावर सिद्दीकी, एड. सौरभ तिवारी द्वारा बंदियों को विधिक सहायता से सम्बंधित जानकारी देकर जागरूक किया वहीं मेडिकल कॉलेज जबलपुर के 19 चिकित्सक विशेषज्ञों की टीम द्वारा सभी 69 बंदियों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उपचार दिया गय बन्दियों की एचआईव्ही की जांच सिविल अस्पताल सिहोरा के रामचन्द्र कुमरे और दीपिका कुशवाह द्वारा की गई कोई भी बन्दी गम्भीर रूप से बीमार नहीं पाया गया। जेलर दिलीप नायक द्वारा जेल में शिविर के आयोजन की शानदार व्यवस्था की गई एवं शिविर के सफल आयोजन पर सभी का आभार व्यक्त किया।

अस्पताल में मरीजों को किया फल का वितरण

सिहोरा। शासकीय अस्पताल सिहोरा में अखिल भारत वर्षीय दिगम्बर जैन महिला परिषद् पारसनाथ शाखा की केंद्रीय चेयरपर्सन एवं प्रांतीय संगठन मंत्री संगीता सिंघई द्वारा सभी मरीजों को फल एवं बिस्किट का वितरण किया गया जिसमें परिषद की सभी प्रांतीय केंद्रीय पदाधिकारी का सहयोग रहा किरण जैन,विजया जैन,निशा जैन, संगीता सिंघई,मुक्ता सिंघई,अनीता आशा चौधरी, नीतू सिंघई,संध्या जैन,जयश्री जैन,रानी जैन, मेघना,उषा जैन,शालनी आदि का कार्यक्रम को सफल बनाने में योगदान रहा।

नाम एवं जन्मतिथि सुधार सूचना
मै राघवेन्द्र सिंह राजावत पिता श्री चतुर सिंह, निवासी- महावीर नगर बी.टी.आई. स्कूल के पीछे वार्ड न.-11 भिण्ड म.प्र. 1. यह कि मैं उपरोक्त पते का निवासी हूँ। 2. यह कि मेरे पुत्र की इंडिविजुअल डाटा शीट 15730815पी सिगनल मैन प्रदीप सिंह के आर्मी रिकॉर्ड में मेरा नाम राघवेन्द्र सिंह अंकित है। जो कि गलत है। इसके स्थान पर मेरे आधार कार्ड न.- 9851 82256037 पर अंकित सही नाम राघवेन्द्र सिंह राजावत सुधार कर अंकित किया जाये। 3.यह कि राघवेन्द्र सिंह राजावत जन्मतिथि- 01/07/1963 है। जो कि गलत है। इसके स्थान पर मेरी सही जन्मतिथी 01/05/1966 जो कि मेरे आधार कार्ड न.- 9851 82256037 में अंकित है सुधार कर दर्ज की जावे। 4. यह कि राघवेन्द्र सिंह राजावत मेरी पत्नी मैना देवी जन्मतिथि 01/07/1966 जो कि गलत है। इसके स्थान पर मेरी पत्नी मैना देवी सही जन्मतिथि 01/01/1972 जो कि आधार कार्ड न.-4302 17884876 पर अंकित है सुधार कर दर्ज की जावे।

गजब की रहेगी सोने की चाल कर सकता है खूब मालामाल

निवेश मंत्रा

बिजनेस डेस्क

तीन महीने में 15% की छलांग, निवेशकों की जमकर कमाई

पिछले कुछ समय में सोना सबसे बढ़िया एसेट क्लास के तौर पर उभरा है। तीन महीने में इस पीली धातु की कीमतें 15 फीसदी तक बढ़ी हैं। यही, नहीं आरबीआई सहित कई उभरते देशों के केंद्रीय बैंक सोने की खरीद में जुटे हैं। सोने को सबसे सुरक्षित निवेश विकल्प के तौर पर माना जाता है। इसमें निवेश कर आप भी मालामाल हो सकते हैं। वैसे भी विशलेषक और सर्राफा बाजार के जानकार इसे निवेश के लिए बढ़िया बता रहे हैं।

जैसे जैसे सोना चकमकता जा रहा है यह निवेशकों को भी खूब भा रहा है। विशलेषकों और सर्राफा बाजार के जानकारों का कहना है कि इस साल सोना बढ़िया कमाई करवा सकता है। इसकी चाल तेज रहेगी। यह निवेशकों पर खूब पैसे बरसा सकता है। ऐसे में सोने में निवेश आपकी संपत्ति को बढ़ाने में सहायक होगा। वैसे भी निवेशक फर्मों का कहना है कि आपके पोर्टफोलियों में कम से कम 20 फीसदी गोल्ड होना ही चाहिए। यह आपको हर स्थिति से उभारने में मदद कर सकता है। पिछले तीन महीनों में सोना 15% से ज्यादा बढ़ा है। 2024 की शुरुआत से यह सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाले एसेट क्लास के तौर पर उभरा है। पिछले तीन महीनों में कई बातों के चलते पीली धातु के दाम ऊपर गए हैं। क्या चमकीली धातु में यह तेजी आगे भी जारी रहेगी? निवेशकों को क्या करना चाहिए? इस रिपोर्ट के जरिये हम आपको देंगे ऐसी ही जानकारी की क्या ईरान-इजराइल टेंशन के बीच सोने में निवेश का सही समय है। आप किस तरह से सोने में निवेश का बढ़िया रिटर्न प्राप्त कर सकते हैं। ऐसे ही तमाम सवालों के जवाब इस रिपोर्ट में आपको मिलेंगे।

कई देशों के बैंक खरीद रहे सोना

इस समय भारत और चीन सहित उभरते देशों के केंद्रीय बैंक बीते कुछ महीनों से लगातार सोने की खरीद में जुटे हुए हैं। इसने सोने की कीमतों को मजबूती दी है। सोना पोर्टफोलियो में विविधता लाने और महंगाई से बचाव के लिए एक अच्छा विकल्प हो सकता है। इसे सबसे सुरक्षित निवेश विकल्प माना जाता है। इसलिए आप भी इसमें लंबी अवधी के लिए निवेश कर सकते हैं और बुढ़ापे के लिए अच्छा पैसा बचा सकते हैं।

मुश्किल समय में बढ़ते हैं दाम

युद्ध, राजनीतिक अस्थिरता और प्राकृतिक आपदाएं जैसी वैश्विक घटनाओं पर सोने की कीमतों पर असर पड़ता है। मुश्किल समय में सोने की कीमतों में अक्सर बढ़त देखने को मिलती है। जब अर्थव्यवस्था अनिश्चित होती है तो भी सोने की कीमतें आमतौर पर बढ़ जाती हैं। कारण है कि इसे सुरक्षित विकल्प माना जाता है।

निवेशकों को क्या करना चाहिए

बीते कुछ समय में सोने में निवेश करने वालों के पास मुस्कुराने का कारण रहा है। पिछले तीन महीनों में पीली धातु में 15% से ज्यादा की बढ़ोतरी हुई है। यह कैलेंडर वर्ष में सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाले एसेट क्लास में उभरी है। विश्लेषकों को उम्मीद है कि सोने में और तेजी आएगी। कारण है कि कीमती धातु को रफ्तार देने वाले कई फैक्टर पॉजिटिव हैं। इनमें ऊंची महंगाई दर, प्रमुख केंद्रीय बैंकों की ओर से मौद्रिक नीति में नरमी की संभावनाएं और मध्य पूर्व और यूक्रेन में भू-राजनीतिक तनाव शामिल हैं।

सोने में निवेश के तरीके

फिजिकल गोल्ड

सोने की सलाखें और सिक्के: यह सोने में निवेश करने का सबसे पारंपरिक तरीका है। आप अलग-अलग आकारों और शुद्धता स्तरों में सोने की सलाखें और सिक्के खरीद सकते हैं।

सोने की जूलरी: आप सोने की जूलरी में भी निवेश कर सकते हैं, जैसे कि हार, कंगन और अंगूठियां। हालांकि, ध्यान रखें कि जूलरी में सोने की शुद्धता कम होती है और इसका मूल्य निवेश उद्देश्यों के लिए सोने की तुलना में कम होता है।

पेपर गोल्ड

सोने में निवेश करने वाले म्यूचुअल फंड: ये म्यूचुअल फंड सोने की सलाखों और सिक्कों में निवेश करते हैं। यह उन लोगों के लिए एक अच्छा विकल्प है जो भौतिक सोने को स्टोर करने और उसका बीमा करने की परेशानी से बचना चाहते हैं।

गोल्ड एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड (ईटीएफ): ये ईटीएफ सोने की कीमतों को ट्रैक करते हैं और आपको सोने की सलाखों या सिक्कों के बिना सोने में निवेश करने की अनुमति देते हैं।

गोल्ड फ्यूचर एंड ऑप्शन: ये अनुबंध आपको भविष्य में सोने की एक निश्चित कीमत पर खरीदने या बेचने का अधिकार देते हैं।

डिजिटल गोल्ड

सोने में निवेश करने वाले ऐप्स: कई ऐप्स आपको अपने स्मार्टफोन के जरिये सोने में निवेश करने की अनुमति देती हैं। आप छोटी मात्रा में भी सोना खरीद सकते हैं और इसे आसानी से बेच सकते हैं।

क्रिप्टोकरेंसी: *कुछ क्रिप्टोकरेंसी जैसे कि पाई (पीआई) और डीजीएक्स (डीजीएक्स) सोने से समर्थित हैं। सोने में निवेश करने का सबसे अच्छा तरीका आपकी व्यक्तिगत परिस्थितियों और वित्तीय लक्ष्यों पर निर्भर करता है। निवेश करने से पहले आपको अपनी रिसर्च करनी चाहिए और विभिन्न विकल्पों की तुलना करनी चाहिए।*

डीएसपी म्यूचुअल फंड की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि अगली कुछ तिमाहियों में सोना, चांदी और अन्य कीमती धातुओं में तेजी बनी रह सकती है। एक्सपर्ट्स का कहना है कि सोना अच्छी स्थिति में है। अगर महंगाई की दर ऊंची रहती है तो इसमें बढ़ोतरी होगी। कीमतें कम हो जाती हैं और ब्याज दरों में कटौती होती है तो भी सोना अच्छा प्रदर्शन करेगा। कारण है कि जियो-पॉलिटिकल टेंशन सोने की कीमतों को हवा दे रहा है। रूस-यूक्रेन युद्ध खत्म नहीं हुआ। इस बीच ईरान और इजरायल के बीच भी तनाव बढ़ गया है। इनसे सोने की कीमतों को बल मिलेगा।

टैक्स कैसे लगता है

मल्टी-कैप फंड्स पर इक्विटी फंड्स की तरह टैक्स लगता है। उनके ऊपर पूंजीगत लाभ के हिसाब से टैक्स लगता है। एक साल से कम समय के लिए रखे गए फंड से हुई कमाई पर 15% टैक्स लगाया जाता है, और एक साल से ज्यादा समय तक रखे गए फंड से हुई कमाई के मामले में 1 लाख रुपये से अधिक के लाभ पर 10% टैक्स लगाया जाता है। इसका मतलब है कि हर साल 1 लाख रुपये तक का लाभ छूट प्राप्त है। टैक्स की गणना 1 लाख रुपये से ज्यादा की रकम के हिसाब से की जाती है।

मल्टी-कैप फंड्स ने 1 साल में दिया 52% का रिटर्न, एसआईपी से जुटा सकते हैं मोटा फंड

सुझाव

बिजनेस डेस्क

मल्टी-कैप एक प्रकार का इक्विटी म्यूचुअल फंड है, यह लार्ज, मिड और स्मॉल-कैप कंपनियों में करता है निवेश, मल्टी-कैप फंड में लार्ज कैप, मिड कैप और स्मॉल कैप तीनों में 25-25% हिस्सा रखना होगा

मल्टी-कैप म्यूचुअल फंड एक प्रकार का इक्विटी म्यूचुअल फंड है, जो लार्ज, मिड और स्मॉल-कैप कंपनियों समेत अलग-अलग बाजार पूंजीकरण वाले शेयरों के विविध पोर्टफोलियो में निवेश करता है। बाजार पूंजीकरण से किसी कंपनी के आकार और उसके मूल्य का पता चलता है। अगर आप कम जोखिम के साथ किसी ऐसी स्कीम में निवेश करना चाहते हैं जहां आपको एफडी से ज्यादा रिटर्न मिले तो आप म्यूचुअल फंड की मल्टी-कैप स्कीम्स ने निवेश कर सकते हैं। इस कैटेगरी में एसआईपीके जरिये निवेश कर मोटा फंड बनाया जा सकता है। इस कैटेगिरी के फंड्स ने बीते 1 साल में 52% तक का रिटर्न दिया है। सेबी के नए नियमों के अनुसार मल्टी-कैप फंड में लार्ज कैप, मिड कैप और स्मॉल कैप तीनों में 25-25% हिस्सा रखना होगा। फंड मैनेजर को न्यूनतम 75% इक्विटी और इक्विटी ओरिएंटेड फंड में निवेश रखना होगा।

इसे ऐसे समझें

मान लीजिए फंड मैनेजर के पास निवेशकों का कुल 100 रुपये हैं। यहां फंड मैनेजर को न्यूनतम 75 रुपये इक्विटी और इक्विटी ओरिएंटेड फंड में निवेश करना होगा। जिसमें 25-25 रुपये लार्ज कैप, मिड कैप और स्मॉल कैप तीनों में लगाना होगा। बाकी बचे हुए 25 रुपये फंड मैनेजर अपने हिसाब से निवेश कर सकते हैं।

इनमें रहता है कम जोखिम

यदि आप इक्विटी फंड्स में इन्वेस्ट करना चाहते हैं, लेकिन ज्यादा-रिस्की एक्सपोजर लेना नहीं चाहते, तो आप टॉप-रेटेड मल्टी-कैप फंड्स में इन्वेस्ट कर सकते हैं। मार्केट कैपिटलाइजेशन के हिसाब से ये फंड्स अच्छी तरह डाइवर्सिफाइड भी होते हैं। ये फंड्स, मार्केट के स्थिर रहने पर, स्मॉल और मिड-कैप फंड्स की तुलना में कम रिटर्न दे सकते हैं लेकिन अस्थिर मार्केट कंडीशन में ये फंड्स कम रिस्की होते हैं। इसलिए, यदि आप एक ऐसा फंड चाहते हैं जिसमें कम रिस्क हो तो आप मल्टी-कैप फंड्स आपके लिए सही इन्वेस्टमेंट चॉइस हो सकता है।

मल्टी कैप फंड के प्रकार

लार्ज-कैप फोकस्ड फंड : ये इक्विटी फंड लार्ज-कैप फंडों में अधिक निवेश करते हैं, जबकि बाकी संपत्तियां मिड और स्मॉल-कैप शेयरों में निवेश की जाती हैं। चूंकि वे लार्ज-कैप शेयरों की ओर अधिक झुकाव रखते हैं, इस कारण वे तुलनात्मक तौर पर कम वृद्धि करा सकते हैं।

मिड-कैप या स्मॉल-कैप फोकस्ड फंड: ये इक्विटी फंड मिड और स्मॉल-कैप शेयरों को अधिक वेटेज देते हैं, जबकि बाकी का निवेश लार्ज-कैप शेयरों में किया जाता है। इस कारण वे पूंजी को बढ़ाने की ज्यादा संभावना के साथ ज्यादा जोखिम वाले हो सकते हैं।

किसे निवेश करना चाहिए

निवेशक जो इक्विटी में निवेश करना चाहते हैं, लेकिन बहुत अधिक जोखिम नहीं लेना चाहते हैं, इन फंड्स में निवेश कर सकते हैं। पोर्टफोलियो को डायवर्सिफाइ करने का ये अच्छा ऑप्शन है। जो निवेशक एक ही पोर्टफोलियो में जोखिम और अस्थिरता के बीच संतुलन बनाना चाहते हैं, वे भी मल्टी-कैप फंड्स का विकल्प चुन सकते हैं।

एसआईपी के जरिए निवेश करना रहेगा सही

म्यूचुअल फंड में एक साथ पैसा लगाने की बजाय सिस्टमेंटिक इनवेस्टमेंट प्लान यानी एसआईपी के जरिए निवेश करना चाहिए। एसआईपी के जरिए आप हर महीने एक निश्चित अमाउंट इसमें लगाते हैं। इससे रिस्क और कम हो जाता है क्योंकि इससे इस पर बाजार के उतार चढ़ाव का ज्यादा असर नहीं पड़ता। इसके अलावा एसआईपी के जरिए आप आसानी से बड़ा फंड भी तैयार कर सकेंगे।-बिना कोई खास फोकस वाले फंडः ये मल्टी-कैप म्यूचुअल फंड किसी खास प्रकार के स्टॉक पर फोकस नहीं करते हैं। फंड मैनेजर की रणनीति के आधार पर एसेट एलोकेशन लार्ज, मिड और स्मॉल-कैप फंड के बीच डायनेमिक रहता है। इसमें रिस्क और वृद्धि की संभावनाएं इस बात पर निर्भर करती हैं कि एसेट को किस तरह से बांटा गया है और बाजार की स्थिति कैसी है।

- ईएलएसएस स्कीम में मिलता है टैक्स बेनिफिट भी
- कई टॉप इक्विटी लिंक्ड सेविंग्स स्कीम्स टॉप पर रही
- ईएलएसएस भी निवेश का अच्छा विकल्प हो रहे

ईएलएसएस फंडों ने 5 वर्ष में 34% तक रिटर्न दिया

फैक्ट

बिजनेस डेस्क

देश की कई टॉप इक्विटी लिंक्ड सेविंग्स स्कीम (ईएलएसएस) ने पिछले 5 से 10 साल के दौरान शानदार रिटर्न दिए हैं। इनमें से कुछ फंड्स का औसत सालाना रिटर्न तो करीब 25 से 34% तक रहा है। इतना ही नहीं, ईएलएसएस पर मिलने वाला टैक्स बेनिफिट इनमें निवेश को और भी आकर्षक बना देता है। इसलिए इसमें निवेश करना फायदे का सौदा है। आप भी ईएलएसएस में निवेश कर अच्छा मुनाफा कमा सकते हैं। ईएलएसएस ऐसे म्यूचुअल फंड्स हैं, जिनमें मुख्यतौर पर इक्विटी में निवेश किया जाता है। इस समय इक्विटी निवेशकों की पहली पसंद बनी बना हुआ है। चूंकि इसमे निवेश कर लोग अच्छा मुनाफा कमा रहे हैं।

ईएलएसएस पर क्या हैं टैक्स बेनिफिट

टैक्स सेविंग इनवेस्टमेंट के लिहाज से इक्विटी लिंक्ड सेविंग्स स्कीम (ईएलएसएस) निवेश का अच्छा विकल्प हो सकते हैं। टैक्स सेविंग ईएलएसएस में हर साल 1.5 लाख रुपये तक लगाने पर सेक्शन 80सी के तहत टैक्स छूट मिलती है। इस इनवेस्टमेंट को कम से कम 3 साल तक बनाए रखने के बाद निकाला जाए, तो एक फाइनेंशियल इयर के दौरान 1 लाख रुपये तक का प्रॉफिट लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन (एलटीसीजी) माना जाता है, जिस पर टैक्स नहीं लगता। मुनाफा 1 लाख रुपये से ज्यादा होने पर भी टैक्स पेयर के स्लैब की बजाय 10% की दर से एलटीसीजी टैक्स देना होता है। अच्छी बात यह है कि ईएलएसएस में सिर्फ टैक्स बचाने के लिए ही नहीं, बेहतर रिटर्न के लिए भी निवेश किया जा सकता है, जिसकी गवाही आंकड़े देते हैं।

क्वांट ईएलएसएस टैक्स सेवर फंड

- 3 साल में रिटर्न : 34.79%
- 5 साल में रिटर्न : 34.36%
- 10 साल में रिटर्न: 27.28%

एसबीआई लॉन्ग टर्म इक्विटी फंड

- 3 साल में रिटर्न : 27.21%
- 5 साल में रिटर्न : 22.66%
- 10 साल में रिटर्न : 18.11%

एयूएम : 21,754.29 करोड़ रुपये

एचडीएफसी ईएलएसएस टैक्स सेवर फंड

- 3 साल में रिटर्न : 26.30%
- 5 साल में रिटर्न: 19.28%
- 10 साल में रिटर्न: 16.81%

एयूएम : 14,140.23 करोड़ रुपये

बैंक ऑफ इंडिया ईएलएसएस टैक्स सेवर फंड

- 3 साल में रिटर्न: 25.37%
- 5 साल में रिटर्न: 27.00%
- 10 साल में रिटर्न: 20.55%
- एयमएम : 1,181.57 करोड़ रुपये

बंधन ईएलएसएस टैक्स सेवर फंड

- 3 साल में रिटर्न : 23.43%
- 5 साल में रिटर्न: 22.06%
- 10 साल में रिटर्न:19.89%

एयूएम : 6,234.18 करोड़ रुपये

डीएसपी ईएलएसएस टक्स सेवर फंड

- 3 साल में रिटर्न : 21.36%
- 5 साल में रिटर्न: 21.40%
- 10 साल में रिटर्न: 19.76%
- एयूएम : 14,336.52 करोड़ रुपये

कोटक ईएलएसएस टक्स सेवर फंड

- 3 साल में रिटर्न : 21.15%
- 5 साल में रिटर्न: 20.85%
- 10 साल में रिटर्न: 19.50%
- एयूएम : 5,191.71 करोड़ रुपये

लंबे निवेश का बेहतर विकल्प

आंकड़ों से साफ है कि ईएलएसएस में निवेश से न सिर्फ टैक्स का बेनिफिट मिलता है, बल्कि लंबे अरसे में वेल्थ क्रिएशन के लिए भी ये अच्छा विकल्प साबित हो सकते हैं। इसलिए ईएलएसएस टैक्स सेवर फंड लंबे समय तक निवेश करने पर अच्छा रिटर्न मिल सकता है। हालांकि निवेश का फैसला करने से पहले यह बात जरूर ध्यान में रखनी चाहिए कि इक्विटी लिंक्ड स्कीम होने के कारण इसमें बाजार से जुड़ा रिस्क हमेशा बना रहता है। लिहाजा निवेश का फैसला अपने रिस्क प्रोफाइल को ध्यान में रखकर ही करना चाहिए। हालांकि अगर आप इसमें सिस्टमैटिक इनवेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के जरिए निवेश करेंगे, तो एवरेजिंग के कारण रिस्क कम रहेगा।

क्या हैं ईएलएसएस फंड

ईएलएसएस फंड एक इक्विटी म्यूचुअल फंड है जो आपको अपने पैसे को स्टॉक में इन्वेस्ट करने की अनुमति देता है। हालांकि, इसका मतलब हमेशा नहीं है कि आपके पैसे का 100% इक्विटी मार्केट में इन्वेस्ट किया जाएगा। ईएलएसएस फंड, बिना किसी अधिक जोखिम के स्टॉक मार्केट से लाभ उठाने के सबसे अच्छे तरीकों में से एक है। ईएलएसएस फंड का सबसे अच्छा हिस्सा यह है कि वे आपको इनकम टैक्स एक्ट के सेक्शन 80सी में उल्लिखित प्रावधानों के तहत टैक्स बचाने की अनुमति देते हैं। ईएलएसएस फंड में इन्वेस्ट करके अपनी वार्षिक टैक्सेबल इनकम से रु. 1,50,000 तक की टैक्स छूट का लाभ उठा सकते हैं। टैक्स लाभ को देने के लिए, ईएलएसएस म्यूचुअल फंड में तीन वर्ष की लॉक-इन अवधि होती है। यह समय परक्राम्य नहीं है, और तीन वर्ष से पहले अपने पैसे निकालने का कोई तरीका नहीं है।

पर्सनल लोन से निपटा सकते हैं कई खर्च, लेकिन रहें अलर्ट

- कई आर्थिक मुसीबतों से बचा सकता है पर्सनल लोन
- सभी तरह की व्यक्तिगत जरूरतों को पूरा करने में सक्षम

बिजनेस डेस्क

पर्सनल लोन वह अनसिक्योर्ड क्रेडिट होता है जो कोई बैंक या नॉन बैंकिंग फाइनेंशियल कंपनी देती है, ये आपकी क्रेडिट हिस्ट्री और आपकी पर्सनल इनकम के आधार पर लोन चुकाने की क्षमता के आधार पर मिलता है। ये कस्टमर लोन के तौर पर भी जाने जाते हैं, ये एक ऑल पर्पज लोन है जो आपकी सभी तरह की व्यक्तिगत जरूरतों को पूरा करने के लिए लिया जाता है। इक्वेटेड मंथली इंस्टॉलमेंट्स (ईएमआई) लोन चुकाने का माध्यम होती हैं और ये लोन के प्रिंसिपल अमाउंट और लोन के ब्याज को धीरे-धीरे मासिक आधार पर चुकाने का काम करती हैं जब तक लोन पूरी तरह चुकता नहीं हो जाता है। हर ईएमआई में प्रिंसिपल लोन अमाउंट और ब्याज जो चुकाया जाना है उसका कंपोनेंट होता है। चूंकि इस लोन को लेने में कम पेपर वर्क होता है और प्रोसेसिंग में भी कम समय लगता है तो बस आपके पास अच्छा क्रेडिट स्कोर होना चाहिए और आपको ऊंची ब्याज दर चुकाने के लिए तैयार रहना चाहिए।

पर्सनल लोन ईएमआई कैलकुलेटर क्या है

पर्सनल लोन वो अनसिक्योर्ड लोन होते हैं जो कि किसी व्यक्ति को दिए जाते हैं। जो कोई अपनी आर्थिक जरूरतों को हासिल करना चाहते हैं जैसे कि कर्ज को उतारना, शादी-विवाह आदि के लिए खर्च, अचानक आने वाले मेडिकल खर्च के लिए और अन्य किसी जरूरत के लिए पैसा चाहते हैं, वो पर्सनल लोन लेते हैं। पर्सनल लोन ईएमआई कैलकुलेटर के जरिए आपको होम लोन की इंस्टॉलमेंट्स का पता चल जाता है जो आपको रेगुलर इंटरवल पर देनी होगी। ये आपको होम लोन प्लान लेने में एक बेहद जरूरी फाइनेंशियल प्लानिंग टूल के रूप में काम आता है और आप अपना निर्णय ले पाते हैं।

ईएमआई कैलकुलेशन कैस मदद हो पाती है

ईएमआई कैलकुलेशन आपको स्पष्ट रकम के बारे में बताता है कि हर महीने आपको कितनी रकम होम लोन चुकाने में देनी होगी, जिससे आप एक सही फैसला ले सकते हैं कि लोन लेना आपको बजट में है या नहीं। ये आपको लोन की कॉस्ट से जुड़ी अन्य बातों के बारे में भी बताता है, जिससे आप जान पाते हैं कि पर्सनल लोन लेने के बाद आपको हर महीने कितनी रकम अलग निकालकर रखनी होगी और आप लोन लेने की स्थिति में है या नहीं।

ईएमआई जांचने के फायदे

- लोन लेने की क्षमता जांच सकते हैं।
- लोन का कुल अमाउंट और टेन्योर जांच सकते हैं।
- लोन रीपेमेंट की योजना बना सकते हैं।
- प्रीपेमेंट की योजना बना सकते हैं।
- पर्सनल लोन लेने के क्या कारण हो सकते हैं।
- महंगी शादी के लिए लिया जा सकता है।
- किसी बड़ी खरीदारी के लिए हो सकता है।
- मेडिकल इमरजेंसी के लिए।
- घर की मरम्मत या सुधार के लिए।
- क्रेडिट कार्ड के कर्ज को चुकाने के लिए।
- किसी बिजनेस को फाइनेंस करने या किसी निवेश को करने के लिए लिया जा सकता है।

तैयारी बच्चे भी टैक्स बचाने में कर सकते हैं मदद, ऐसे समझें गणित

बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए ज्यादा से ज्यादा टैक्स बचाएं

टैक्स बेनिफिट फायदा उठाकर वित्तीय बोझ कर सकते हैं कम

जानकारी

बिजनेस डेस्क

टैक्स बचाने के लिए नौकरी पेशा लोग तमाम जतन करते हैं। बच्चों के भविष्य के लिए बचत भी बेहद जरूरी है। ऐसे में बच्चे भी टैक्स बचत करवाने में अहम भूमिका निभा सकते हैं। माता-पिता बनने के बाद तमाम जिम्मेदारियों और खुशियों के बीच अक्सर इस पहलू को नजरअंदाज कर दिया जाता है कि बच्चों के कारण परिवार को टैक्स में छूट मिलता है। परिवार में बच्चों की मौजूदगी और उनकी परवरिश से मिल रही खुशी के इतर सरकार द्वारा भी पैरेंट्स को वित्तीय सपोर्ट मिलती है ताकि माता-पिता को बच्चों के स्वास्थ्य की देखभाल, शिक्षा पर होने खर्चों और उनकी जरूरतों को पूरा करने में कम परेशानी हो। छोटे बच्चों के कारण पेरेंट्स को मिलने वाले टैक्स बेनिफिट के बारे में समझकर और उनका ज्यादा से ज्यादा फायदा उठाकर परिवार के वित्तीय बोझ को काफी हद तक कम किया सकता हैं। इसके साथ ही बच्चों को बेहतर भविष्य दिया जा सकत हैं। परिवार का टैक्स बचाने में आपके बच्चे भी अहम भूमिका निभा सकते हैं। आइए जानते हैं कि कैसे आप पैरेंट्स बनने के बाद ज्यादा से ज्यादा टैक्स में छूट का लाभ पा सकते हैं।

बच्चों की फीसः नर्सरी से पोस्टग्रेजुएशन तक

- नौकरी पेशा वाले टैक्सपेयर्स अपने बच्चों की शिक्षा लागत में मदद करने के लिए कॉस्ट ऑफ कंपनी (सीटीसी) स्ट्रक्चर के हिस्से के रूप में आयकर अधिनियम की धारा 10(14) के तहत कुछ भत्ते के हकदार हैं। इनमें भत्तों में शिक्षा और हॉस्टल खर्च शामिल है।
- **बच्चों की शिक्षा भत्ताः** हर एक बच्चे के लिए प्रति माह 100 रुपये की कटौती, दो बच्चों के लिए अधिकतम 2,400 रुपये सालाना तक।
- **बच्चों की हॉस्टल भत्ताः** हर एक बच्चे के लिए प्रति माह 300 रुपये की कटौती, दो बच्चों के लिए अधिकतम 2,600 रुपये सालाना।

ट्यूशन फीस पर भी छूट : इसके अलावा बच्चों की शिक्षा के लिए भुगतान की गई ट्यूशन फीस इनकम टैक्स की धारा 80सी के तहत कटौती योग्य है। माता-पिता अलग से सालाना 1.5 लाख रुपये तक की कटौती का डिडक्शन क्लेम कर सकते हैं। यह टैक्स डिडक्शन भारत में स्कूलों, कॉलेजों, विश्वविद्यालयों या अन्य शैक्षणिक संस्थानों में दो बच्चों तक के लिए भुगतान की जाने वाली ट्यूशन फीस को कवर करती है। हालांकि, यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि यह कटौती ट्यूशन फीस के लिए विशिष्ट है और इसमें अन्य शुल्क शामिल नहीं हैं, जैसे कि पार्ट-टाइम या इंटरनेशनल कोर्स पाठ्यक्रमों के लिए।

सुकन्या समृद्धि योजना

धारा 80सी के तहत 1.5 लाख रुपये तक की टैक्स बेनिफिट्स के साथ-साथ टैक्स फ्री रिटर्न भी देती है। यह मुख्य रूप से बालिका शिक्षा और विवाह के लिए है क्योंकि राशि का निवेश केवल 21 वर्ष की आयु तक किया जा सकता है। सुकन्या समृद्धि अकाउंट किसी भी पोस्ट ऑफिस या बैंक शाखा में खुलवाया जा सकता है। बेटी के जन्म के समय या फिर 10 साल की उम्र तक यह खाता खुलवाया जा सकता है। खाता खुलवाने के समय कम से कम 1000 रुपये और एक वित्त वर्ष में अधिकतम 1.5 लाख रूपये जमा करवाने होते हैं।

बीमा योजना

बच्चों की शैक्षणिक भविष्य को वित्तीय सुरक्षा देने के लिए, माता-पिता को बच्चों के नाम पर बीमा योजनाओं और यूनिट लिंक्ड इंश्योरेंस प्लान जैसे निवेश स्कीम पर विचार करने की सलाह दी जाती है। ये उपकरण न सिर्फ टैक्स बेनिफिट देते हैं बल्कि योगदान देने वाले माता-पिता की मृत्यु जैसी अप्रत्याशित परिस्थितियों के मामले में वित्तीय सुरक्षा भी प्रदान करते हैं। यानी बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए आप पीपीएफ, सुकन्या समृद्धि खाता, म्यूचुअल फंड्स खाता, ट्रेडिशनल इंश्योरेंस पॉलिसी जैसे स्कीम की मदद ले सकते हैं। इसमें आप जो निवेश करेंगे, उस पर सेक्शन 80C के तहत डिडक्शन मिलता है।

एजूकेशन लोन

एजूकेशन लोन पर ब्याज के बिना किसी ऊपरी सीमा के धारा 80ई के तहत टैक्स डिडक्शन के लिए पात्र है। यह प्रावधान विशेष रूप से हायर इनकम वाले परिवारों के लिए फायदेमंद है और यह सुनिश्चित करता है कि वित्तीय बाधाओं के बावजूद हायर एजुकेशन का सपना पहुंच के भीतर बना रहे। बच्चे की पढ़ाई के लिए आप एजुकेशन लोन लेकर सेक्शन 80ई के तहत टैक्स बचा सकते हैं।

हेल्थ इंश्योरेंस पर

इनकम टैक्स की धारा 80डी बच्चों के लिए भुगतान किए गए हेल्थ इंश्योरेंस प्रीमियम पर टैक्स डिडक्शन का लाभ देती है। हेल्थ इंश्योरेंस पॉलिसी में बच्चे, पत्नी और खुद यानी परिवार के लिए टैक्स डिडक्शन की ऊपरी लिमिट 25,000 रुपये है। इनकम टैक्स की धारा 80डी के तहत बच्चे वाला परिवार 25,000 रुपये तक के टैक्स डिडक्शन के लिए क्लेम कर सकता है। इसके अलावा कॉम्प्रिहेंसिव हेल्थ इंश्योरेंस कवर अतिरिक्त 5,000 रुपये तक का क्लेम सुनिश्चित करता है। यह कवरेज होने पर परिवार बच्चों के प्रिवेंटिव हेल्थ चेकअप के लिए 5,000 तक की सब-लिमिट का दावा भी कर सकते हैं।

इन पर भी राहत

इसके अलावा, सेक्शन 80डीडी और 80डीडीबी विकलांग या विशिष्ट बीमारियों वाले बच्चों के मेडिकल ट्रीटमेंट पर होने वाले खर्चों के लिए टैक्स डिडक्शन मिलते हैं। धारा 80डीडी के तहत, विकलांग बच्चों के चिकित्सा उपचार और रखरखाव से संबंधित खर्चों के लिए टैक्स डिडक्शन का दावा किया जा सकता है।

देश में जारी लोकसभा चुनाव के पहला चरण का मतदान हो चुका है। पहले चरण में 21 राज्यों की 102 संसदीय सीटों और अरुणाचल प्रदेश व सिक्किम विधानसभा के लिए वोटिंग हुई है। ये चुनाव ईवीएम से हुए हैं। इस दरम्यान जहां विपक्षी नेता ईवीएम से चुनाव को लेकर आरोप मढ़ रहे हैं, इस पर सवाल उठा रहे हैं, इस पर सियासत कर रहे हैं, वहीं इस मामले पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई भी हो रही है। सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ता जानेमाने वकील प्रशांत भूषण के भ्रमित तथ्यों के चलते उन्हें तीखे शब्द भी कहे हैं। कोर्ट ने अभी फैसला सुरक्षित रख लिया है। चुनाव आयोग ने सुप्रीम कोर्ट में दोहराया है कि ईवीएम सुरक्षित है, इसे हैक करना संभव नहीं है, इसमें किसी भी प्रकार से गड़बड़ी नहीं की जा सकती है। वर्ष 2017 में सुप्रीम कोर्ट ने भी ईवीएम को सुरक्षित माना है। खास बात है कि ईवीएम को लेकर टीका-टिप्पणी विपक्ष में रहने वाले नेता ही करते रहे हैं। चूंकि ईवीएम स्टैंड अलोन मशीन है, जिसे हैक नहीं किया जा सकता है, इसलिए जब विपक्ष के नेता ईवीएम पर प्रश्न खड़ा करते हैं, तो इसमें सियासत दिखती है। पहले चरण के चुनाव व ईवीएम पर पेश है आजकल का यह अंक...

अपने 45 साल के इतिहास में ईवीएम को शंकाओं, आलोचनाओं और आरोपों का सामना करना पड़ा है। ईवीएम का मतलब है इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन, साधारण बैटरी पर चलने वाली एक ऐसी मशीन, जो मतदान के दौरान डाले गए वोटों को दर्ज करती है और वोटों की गिनती भी करती है। ये मशीन तीन हिस्सों से बनी होती है। एक होती है कंट्रोल यूनिट (सीयू), दूसरी बैलेटिंग यूनिट (बीयू)। तीसरा हिस्सा होता है- वीवीपैट (वोटर वेरिफ़ायबल पेपर ऑडिट ट्रेल)। ईवीएम के साथ छेड़छाड़ नहीं किया जा सकता है, क्योंकि ईवीएम मशीन कंप्यूटर से कंट्रोल नहीं होती हैं, ये स्टैंड अलोन मशीन होती हैं जो इंटरनेट या किसी दूसरे नेटवर्क से कनेक्ट नहीं होती हैं, इसलिए ये हैकिंग से पूरी तरह सुरक्षित हैं। ईवीएम में डेटा के लिए फ्रीक्वेंसी रिसीवर या डिकोडर नहीं होता है, इसलिए किसी भी वायरलेस डिवाइस, वाई-फाई या ब्लूटूथ डिवाइस से इसमें छेड़छाड़ करना संभव नहीं है। 2017 में सुप्रीम कोर्ट ने भी ईवीएम को चुनावों के लिए विश्वसनीय माना है।

खामोश चुनाव, ईवीएम पर प्रलाप

विश्लेषण
सुशील राजेश
वरिष्ठ पत्रकार

कांग्रेस की महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने दावा किया है कि यदि ईवीएम में गड़बड़ी नहीं की गई है, तो भाजपा को 180 से कम सीटें मिलेंगी। राहुल गांधी तो भाजपा के हिस्से 150 सीट मान कर बहुत खुश हैं। विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' मुग़ालते में है कि ईवीएम के जरिए जो मतदान होगा, उससे जनादेश उन्हें ही मिलने वाला है। तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, केरल, ओडिशा, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक और पंजाब आदि राज्यों में गैर-भाजपा दलों की आज भी सरकारें हैं, जो ईवीएम के जरिए ही बनी हैं। एक बार फिर यह मामला सर्वोच्च अदालत के विचाराधीन है। कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखा है। सवाल यह है कि विपक्ष इतना दोहरा क्यों है? वह संवैधानिक व्यवस्थाओं के ही खिलाफ क्यों सक्रिय है?

आम चुनाव के लिए प्रथम चरण का मतदान हो चुका है। देश के 21 राज्यों और संघशासित क्षेत्रों की 102 लोकसभा सीटों पर जनादेश का एक हिस्सा उन ईवीएम में दर्ज हो चुका है, जिन पर अधिकतर विपक्षी दल प्रलाप कर रहे हैं। वे दल चुनावी दौड़ में भी शामिल हैं, उनके सांसद और विधायक चुने जाने हैं, लेकिन वे ईवीएम पर अब भी संदेह कर रहे हैं। कांग्रेस की महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने यहां तक दावा किया है कि यदि ईवीएम में गड़बड़ी नहीं की गई है, तो भाजपा को 180 से कम सीटें मिलेंगी। राहुल गांधी तो भाजपा के हिस्से 150 सीट मान कर बहुत खुश हैं। विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' मुग़ालते में है कि ईवीएम के जरिए ही जो मतदान होगा, उससे जनादेश उन्हें ही मिलने वाला है। तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, केरल, ओडिशा, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक और पंजाब आदि राज्यों में गैर-भाजपा दलों की आज भी सरकारें हैं, जो ईवीएम के जरिए ही बनी हैं। चुनावी पराजय से पूर्व राजस्थान, छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश में भी 2018 में कांग्रेस सत्तारूढ़ हुई थी। तब भी मतदान ईवीएम के जरिए ही हुआ था। एक बार फिर यह मामला सर्वोच्च अदालत के विचाराधीन है। दो न्यायाधीशों की खंडपीठ ने सुनवाई के बाद फैसला सुरक्षित रखा है, लेकिन शीर्ष अदालत चाहती है कि चुनाव आयोग जैसी संवैधानिक संस्था की गरिमा और ईमानदारी बरकरार रहे, लिहाजा उसने फटकार भी लगाई है और वकीलों के डाटा पर सवाल भी किए हैं। दरअसल सवाल यह है कि विपक्ष इतना दोहरा क्यों है? वह संवैधानिक व्यवस्थाओं के ही खिलाफ क्यों सक्रिय है? ईवीएम का इस्तेमाल छोड़ कर मतपत्रों वाले मतदान के पाषाणकाल की ओर वह क्यों लौटना चाहता है? हालांकि बूथ छापने, लूटने और फर्जी मतदान के उस दौर को सर्वोच्च अदालत खारिज कर चुकी है।

कांग्रेस ने की थी ईवीएम की शुरूआत

ईवीएम की शुरुआत कांग्रेस नेतृत्व की यूपीए सरकार के ही दौरान हुई थी। 2004 के उस दौर से लेकर आज तक करीब 340 करोड़ मतदाता अपने संवैधानिक मताधिकार का इस्तेमाल कर चुके हैं और 4 लोकसभा चुनाव ईवीएम के जरिए सम्पन्न कराए जा चुके हैं। 26 विधानसभा चुनावों और एक लोकसभा चुनाव में करोड़ों मतदाता वीवीपैट पर्ची का भी इस्तेमाल कर चुके हैं। एक आम चुनाव में 55 लाख से अधिक ईवीएम का इस्तेमाल किया जाता है और करीब 1.5 करोड़ चुनावकर्मी मतदान प्रक्रिया में हिस्सा लेते हैं। सभी एक विशेष पार्टी के पक्षधर हो जाएं या ईवीएम का प्रोग्राम एक ही पार्टी के पक्ष में तय कर दिया जाए और इतने चुनावकर्मी एक साथ 'भ्रष्ट' हो जाएं, यह बिल्कुल भी संभव नहीं है। ईवीएम किसी लैपटॉप, कम्प्यूटर अथवा इंटरनेट नेटवर्क से जुड़ी हुई नहीं है, उसे हैक करना या छेड़छाड़ करना भी संभव नहीं है, अलबत्ता मशीन में तकनीकी खराबी जरूर आ सकती है। उस स्थिति में ईवीएम बदलने की पारदर्शी व्यवस्था है। चुनाव आयोग ने अदालत में अपना समूचा पक्ष रखा है। वीवीपैट पर्ची और वोटिंग के आपसी मिलान पर भी स्पष्टीकरण दिया है। मतदान के बाद पर्ची 7 सेकंड के लिए दिखती है। उसके बाद पर्ची मशीन में ही चली जाती है। न्यायिक पीठ को बताया गया कि पर्ची को मतदाता को देना ज़ोख़िम का काम है। इससे गोपनीयता भंग हो सकती है और बाहर निकालने पर पर्ची का दुरुपयोग भी किया जा सकता है। याचिकाकर्ता एडीआर ने मतदान और पर्ची की 100 फीसदी क्रॉस चेकिंग की मांग की है। अब चुनाव की निष्पक्षता, ईमानदारी बरकरार रहे, मतदाताओं के ज़ेहन में लेशमात्र भी संदेह नहीं होना चाहिए और आयोग की संवैधानिक स्वायत्तता भी बनी रहे, उस संदर्भ में अदालत को निर्णय देना है। ईवीएम को लेकर अक्सर प्रलाप मचाया जाता रहा है और चुनाव आयोग को भी कटघरे में खड़ा किया जाता रहा है, यह प्रवृत्ति दुराग्रहपूर्ण है।

ईवीएम की विश्वसनीयता कायम

चुनाव आयोग ने ईवीएम को हैक करने या उसके सिस्टम से छेड़छाड़ करने के मद्देनजर सभी प्रमुख राजनीतिक दलों को आमंत्रित किया था, कुछ दल गए भी, लेकिन कोई भी आपत्ति नहीं उठा सका या गड़बड़ी को साबित नहीं कर सका। अपने पक्ष के विजयी जनादेशों को विपक्ष शानदार हुंकार के साथ स्वीकार भी करता रहा। क्या एक संवैधानिक व्यवस्था ऐसे काम कर सकती है? न्यायिक पीठ के सामने चुनाव आयोग ने खुलासा किया है कि 4 करोड़ ईवीएम वोट और वीवीपैट पर्चियों के अभी तक मिलान कराए जा चुके हैं, जिनमें एक भी मामला मिसमैच नहीं पाया गया है। सर्वोच्च अदालत 2019 में भी इसी मामले पर फैसला दे चुकी है, लेकिन इस बार आम चुनाव शुरू हो चुके हैं और विपक्ष का बेहद गंभीर आरोप है कि ईवीएम को सैट किया जा सकता है। नतीजतन किसी भी पक्ष को वोट डाला जाए, वह भाजपा के 'कमल' के पक्ष में ही जाएगा। यदि ऐसा ही है, तो देश के विभिन्न राज्यों में विपक्ष की सरकारें क्यों हैं? लोकसभा में विपक्ष के करीब 100 सांसद कैसे चुने गए थे? दरअसल ये अनर्गल आरोप हैं। लोकतंत्र का मतलब निरंकुशता नहीं होता। बहरहाल अदालत के फैसले की प्रतीक्षा करें और इसे प्रलाप का मुद्दा न बनाएं, क्योंकि इससे राष्ट्रीय छवि और प्रतिष्ठा जुड़ी हैं। भारत में सिर्फ दो कंपनियां ही ईवीएम बनाती हैं। उन्हें भी यह जानकारी नहीं होती कि मशीन को भाजपा के पक्ष में सैट किया गया है अथवा कांग्रेस-वामदलों के पक्ष में प्रोग्राम तय किया गया है। तकनीकी संरचना मैं भी नहीं जानता हूं, लेकिन इतना विश्वास है कि चुनाव को लेकर चुनाव आयोग देश के 97 करोड़ मतदाताओं के साथ छल नहीं कर सकता। मतदाता के संवैधानिक मताधिकार का हरण नहीं किया जा सकता। ईवीएम की अंतरराष्ट्रीय ख्याति ऐसी है कि कई देश अपने यहां चुनाव के लिए भारत के निर्वाचन आयोग को आमंत्रित करते हैं। आज भारतीय ईवीएम की विश्वसनीयता की साख बन चुकी है।

मतदान उत्साहजनक

प्रथम चरण का मतदान कई मायनों में अप्रत्याशित रहा है। कुल मतदान शुक्रवार की रात्रि 11 बजे तक करीब 64 फीसदी रहा। यह 2019 की तुलना में करीब 2 फीसदी कम रहा। बिहार में सबसे कम 48.8 फीसदी मतदाता पोलिंग स्टेशन तक गए। सबसे अधिक मतदान त्रिपुरा में 81.5 फीसदी और सिक्किम में 80 फीसदी किया गया। उत्तराखंड, उप्र, राजस्थान और मिज़ोरम आदि राज्यों में अपेक्षाकृत कम मतदान हुआ। इनसे भाजपा के 370 और 400 पार वाले लक्ष्यों को ठेस पहुंच सकती है, क्योंकि भाजपा उत्तरी भारत में ही शानदार जनादेश के भरोसे है। दक्षिण, पूर्व, पश्चिम में सब कुछ अनिश्चित है। हालांकि मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में करीब 70 फीसदी मतदान हुआ है। बंगाल की जलपाईगुड़ी सीट पर भी 79 फीसदी से अधिक मतदान हुआ है। बंगाल में औसत मतदान भी सकारात्मक रहा है। पूर्वोत्तर में दो विरोधाभास उभर कर सामने आए हैं। मणिपुर में हिंसा के बावजूद 70.8 फीसदी लोगों ने मताधिकार का इस्तेमाल किया, लेकिन टूटी ईवीएम, लुटे बूथ, फटी वीवीपैट पर्चियों के चित्र मणिपुर में ही देखे गए हैं, जिनसे मतदान के दौरान हालात के अनुमान लगाए जा सकते हैं। पूर्वोत्तर में ही नगालैंड राज्य में 4 लाख मतदाताओं से अधिक, राज्य के करीब 30 फीसदी वोटरों ने, 6 जिलों की 20 विधानसभा सीटों पर, बहिष्कार के कारण एक भी वोट नहीं डाला। वे अधिक स्वायत्तता वाले अलग क्षेत्र की मांग करते रहे हैं और केंद्र सरकार फिलहाल उसमें नाकाम रही है, लिहाजा उन्होंने चुनाव के बहिष्कार का आह्वान किया था। जम्मू-कश्मीर में 65 फीसदी से अधिक मतदान एक उम्मीद जगाता है कि लोगों ने भारतीय लोकतंत्र और संविधान के प्रति विश्वास जताया है।

वोटिंग से विमुख क्यों

समग्रता में देखें, तो आम चुनाव के प्रथम चरण में 16 करोड़ से अधिक मतदाताओं को मताधिकार का इस्तेमाल करना था, लेकिन 6.12 करोड़ भारतीयों ने वोट ही नहीं डाले। यह चुनाव के प्रति उदासीनता है या मतदाताओं को चुनाव दिशाहीन, अर्थहीन लगते हैं? यह सोच लोकतंत्र और संविधान के खिलाफ भी है। जितना मतदान किया गया है, वह न तो सरकार के खिलाफ माना जा सकता है और न ही विपक्ष को चुनने के प्रति उत्साही और उत्सुक लगता है। यानी प्रधानमंत्री मोदी के पक्ष या विरोध में कोई 'चुनावी लहर' महसूस नहीं हुई। ऐसा लगता है मानो औसत मतदाता ने यह धारणा बना ली है कि मोदी को ही आना है! यह सोच कर ही मतदाता पोलिंग स्टेशन से तटस्थ रहा है। कुछ मुस्लिम बहुल इलाकों की ख़बरें सामने आई हैं कि उन्होंने भी मोदी को ही तीसरी बार प्रधानमंत्री मान लिया है, लिहाजा न तो कोई ध्रुवीकरण दिखाई दिया और न ही मतदान करना मुनासिब समझा। यह भी मतदान और संवैधानिक अधिकार को लेकर नकारात्मक सोच है। मैंने मतदान के इस चरण को 'खामोश और भ्रमित चुनाव' माना है। अभी तो मतदान के छह और चरण शेष हैं। गर्मी का मौसम भी ज्यादा गर्म और लू वाला होना है। कई जगह मई में ही बारिश की शुरुआत हो सकती है, लिहाजा मौसम के कारण इतना मतदाता घर से न निकले, समझ में नहीं आता। चूंकि इस बार पूरा चुनाव प्रधानमंत्री मोदी पर ही केंद्रित है, लिहाजा मतदाताओं की कुछ उदासीनता दिख सकती है। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट लिख कर मतदाताओं को 'शुक्रिया' कहा है। प्रधानमंत्री का फीडबैक शानदार रहा है, क्योंकि लोगों ने रिकॉर्ड संख्या में एनडीए को वोट दिए हैं। बहरहाल मैं इसके पक्ष में नहीं हूं। सत्ता-पक्ष मतदान के बाद ऐसे ही बयान देता रहा है। मतदान किसके पक्ष में है इसका पता तो चार जून को ही लगेगा। लेकिन वोटरों को खुलकर अपने मतों का प्रयोग करना चाहिए, लोकतंत्र को सब मजबूत करें।

ईवीएम पर संदेह की सियासत बंद हो

मुद्दा
डॉ. आशीष वशिष्ठ
राजनीतिक विश्लेषक

मोदी विरोधी मोर्चे के नेता आजकल एक और कैंपेन कर रहे हैं। वो कह रहे हैं कि मोदी इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन यानी ईवीएम की वजह से जीतते हैं। वैसे ईवीएम को गलत ठहराने वाला राग तो पुराना है। बीती 17 अप्रैल को कांग्रेस की महासचिव प्रियंका गांधी ने उत्तर प्रदेश के सहारनपुर में चुनाव प्रचार करते हुए दावा किया कि अगर ईवीएम से छेड़छाड़ न हो तो भाजपा 180 सीटों पर सिमट जाएगी। जो राजनीतिक दल और नेता पिछले पांच साल तक जमीन पर उतरे नहीं, आज जब उन्हें अपनी हार साफ तौर पर दिख रही है तो उन्होंने ईवीएम की हार में पेशबंदी शुरू कर दी है। आखिरकार अपनी गलतियों, कमियां और कमजोरियों का ठीकरा किसी के सिर तो फोड़ना ही है, ऐसे में बेजुबान ईवीएम से बेहतर विकल्प दूसरा नहीं हो सकता।

विपक्ष की सरकारें भी ईवीएम से

आम चुनाव के पहली चरण में 102 लोकसभा सीटों पर 19 अप्रैल को मतदान हो चुका है। करोड़ों देशवासियों ने उन्हीं ईवीएम का बटन दबाकर अपना वोट दिया है, जिन पर अधिकतर विपक्षी दल प्रलाप कर रहे हैं। वे दल चुनावी दौड़ में शामिल हैं, उनके सांसद और विधायक चुने जाने हैं, लेकिन वे ईवीएम पर अब भी संदेह कर रहे हैं। ईवीएम की शुरुआत कांग्रेस नेतृत्व की यूपीए सरकार के ही कार्यकाल में हुई थी। इसी ईवीएम के दम पर आम आदमी पार्टी ने दिल्ली में तीन बार और पंजाब में एक बार चुनाव जीता, 2012 में समाजवादी पार्टी को उत्तर प्रदेश में पूर्ण बहुमत मिला, बहुजन समाज पार्टी को 2007 में उत्तर प्रदेश में पूर्ण बहुमत मिला और कांग्रेस ने 2023 में तेलंगाना जीता। वर्तमान में तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, केरल, ओडिशा, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, तेलंगाना और पंजाब आदि राज्यों में गैर-भाजपा दलों की सरकारें हैं, जो ईवीएम के जरिए ही सत्तासीन हुई हैं।

ईवीएम हैक संभव नहीं

ईवीएम को लेकर अक्सर होहल्ला मचाया जाता रहा है और चुनाव आयोग को भी कटघरे में खड़ा किया जाता रहा है, यह प्रवृत्ति दुराग्रह पूर्ण है। चुनाव आयोग ने कई बार दोहराया है कि ईवीएम को हैक नहीं किया जा सकता है, इसके सिस्टम से छेड़छाड़ करना संभव नहीं है, यह फुलप्रूफ मशीन है। एक बार फिर यह मामला सर्वोच्च न्यायालय के विचाराधीन है। दो न्यायाधीशों की खंडपीठ ने निर्णय सुरक्षित रखा है।

हारने पर ही विरोध क्यों

2009 के आम चुनावों में जब बीजेपी के नेता ईवीएम पर सवाल उठा रहे थे, ठीक उसी वक्त ओडिशा कांग्रेस के नेता जेबी पटनायक ने भी राज्य विधानसभा में बीजू जनता दल की जीत की वजह ईवीएम को ठहराया था। 2014 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी की जीत के बाद कांग्रेस के नेता और असम के मुख्यमंत्री तरुण गोगोई ने भी ईवीएम पर सवाल उठाए थे और कहा था कि बीजेपी की जीत की वजह ईवीएम है। ऐसे में ये कहा जा सकता है कि भारत में जब तक

पार्टियां चुनाव नहीं हारने लगतीं तब तक उन्हें ईवीएम मशीन से कोई शिकायत नहीं होती। मौजूदा समय में भारत का प्रत्येक राजनीतिक दल कभी ना कभी ईवीएम का विरोध कर चुका है। ऐसे में संसद की संयुक्त संसदीय समिति को ईवीएम के इस्तेमाल की जांच करनी चाहिए।

आयोग की स्वायत्तता बनी रहे

चुनाव आयोग ने न्यायिक पीठ को बताया गया कि पर्ची को मतदाता को देना जोखिम का काम है। इससे गोपनीयता भंग हो सकती है और बाहर निकालने पर पर्ची का दुरुपयोग भी किया जा सकता है। याचिकाकर्ता एडीआर ने मतदान और पर्ची की 100 फीसदी क्रॉस चेकिंग की मांग की है। न्यायिक पीठ के सामने चुनाव आयोग ने खुलासा किया कि 4 करोड़ ईवीएम वोट और वीवीपैट पर्चियों के मिलान कराए गए हैं। बहरहाल अदालती फैसले की प्रतीक्षा है। अब चुनाव की निष्पक्षता, ईमानदारी बरकरार रहे, मतदाताओं के जेहन में लेशमात्र भी संदेह नहीं होना चाहिए और आयोग की संवैधानिक स्वायत्तता भी बनी रहे, उस संदर्भ में अदालत को निर्णय देना है।

बैलेट पेपर युक्तिसंगत नहीं

वोटर वेरिफिएबल पेपर ऑडिट ट्रेल यानी वीवीपैट से निकलने वाली सभी पर्चियों का मिलान इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) से पड़े वोटों के साथ कराने की मांग वाली याचिका पर मंगलवार को सुनवाई हुई। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस संजीव खन्ना और दीपांकर दत्ता की बेंच ने एडीआर की याचिका पर सुनवाई के दौरान 1960 के दशक में बैलेट पेपर से चुनाव के दौर को याद किया और कहा कि देश में फिलहाल मतदाताओं की संख्या 96 करोड़ से अधिक है। ऐसे में बैलेट पेपर या वीवीपैट की 100 फीसदी गिनती की व्यवस्था से चुनाव कराना बहुत चुनौती वाला काम होगा। सुप्रीम कोर्ट ने कहा, कि हम सभी जानते हैं कि जब बैलेट पेपर थे तो क्या होता था। आप जानते होंगे, लेकिन हम भूले नहीं हैं। वैसे बैलेट पेपर से चुनाव कराए जाने की स्थिति में भारत की चुनावी प्रक्रिया लंबी भी होगी और खर्च भी बढ़ेगा।

विपक्ष के वादों पर भरोसा नहीं

सच्चाई यह है कि देश की जनता ने जातिवाद, वंशवाद, भ्रष्टाचार और तुष्टिकरण की राजनीति के लिए विपक्षी दलों को खारिज कर दिया है और देश के लोगों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अलावा किसी भी नेता पर भरोसा नहीं है। आज विपक्ष के ज्यादातर नेता भ्रष्टाचार के आरोपों में घिरे हैं। पिछले दस सालों में मोदी सरकार ने जो विकास और कल्याण के कार्य किये हैं, उससे देश की जनता का भरोसा मोदी सरकार पर पहले से ज्यादा बढ़ा है। आज मोदी की गारंटी के सामने विपक्ष की सारी गारंटियां और वादे कोरी जुमलेबाजी लगते हैं। देश की जनता विपक्ष के वादों पर भरोसा नहीं करती, जिसके चलते विपक्ष लगातार सत्ता से बेदखल है।

ईवीएम पर भ्रम न फैलाए विपक्ष

इसमें कोई अतिशयोक्ति नहीं है कि तुष्टिकरण की राजनीति करने वाले भ्रष्ट और परिवारवादी दलों और नेताओं के दिन भारतीय राजनीति में लद चुके हैं। जनता अब यह समझने लगी है कि कौन उनका सच्चा हितेषी और हमदर्द है। कौन उनका विकास और कल्याण कर सकता है। देश की जनता समझने लगी है कि कौन सकारात्मक राजनीति कर रहा है और कौन डर, भय और भ्रम के जरिये जनादेश पाना चाहता है। किसने उन्हें उनका हक दिया है। ऐसे में बेहतर होगा विपक्ष ईवीएम पर संदेह करने और जनता में भ्रम फैलाने की बजाय अपने आचरण को सुधारे।

व्यवस्था संचालन के सूत्रधार लोक सेवक

सिविल सेवा दिवस
डॉ. आलोक शुक्ला
पूर्व आईएएस अधिकारी

राष्ट्रीय सिविल सेवा दिवस प्रतिवर्ष 21 अप्रैल को मनाया जाता है। इस दिन का उद्देश्य सिविल सेवकों द्वारा आम लोगों के हित के लिए स्वयं को समर्पित करना और फिर से प्रतिबद्धता व्यक्त करना है। यह दिन सिविल सेवकों को नई चुनौतियों से निपटने के लिए आत्मनिरीक्षण और भविष्य की रणनीतियों के बारे में सोचने का अवसर प्रदान करता है। 21 अप्रैल, 1947 को स्वतंत्र भारत के पहले गृह मंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल ने प्रशासनिक सेवा के परिवीक्षाधीन अधिकारियों को दिल्ली के मेटकॉफ हाउस में संबोधित किया था। यह दिन इसी की याद में मनाया जाता है।

इस अवसर पर, प्रधानमंत्री जी के हाथों 'लोक प्रशासन में उत्कृष्टता के लिए प्रधानमंत्री पुरस्कार' प्रदान किये जाते हैं। यह पुरस्कार वर्ष 2006 में स्थापित किये गये थे। ये पुरस्कार तीन श्रेणियों में दिये जाते हैं। पहली श्रेणी व्यक्तिगत पुरस्कार की है, दूसरी श्रेणी दल के रूप में काम करने के लिये है और तीसरी श्रेणी संगठन की है। पुरस्कार में एक पदक, एक स्क्रॉल और एक लाख रुपये की कर मुक्त नकद राशि शामिल है। मुझे यह बताते हुये खुशी है इस लेखक को भी छत्तीसगढ़ में सार्वजनिक वितरण प्रणाली और धान खरीदी का उत्कृष्ट सिस्टम विकसित करने के लिये दल पहल के रूप में यह पुरस्कार अपने 2 अन्य साथियों गौरव द्विवेदी और सोमसेखर के साथ वर्ष 2010 में तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के हाथों से मिला था। भारत की सिविल सेवाओं में अखिल भारतीय सेवाएं, केन्द सरकार की सेवाएं और राज्य सरकारों की सेवाएं शामिल हैं।

अखिल भारतीय सेवाओं तथा केन्द्रीय सिविल सेवाओं के लिये चयन संघ लोक सेवा आयोग के माध्यम से होता है राज्यों की सिविल सेवाओं के वरिष्ठ पदों पर चयन राज्यों के लोक सेवा आयोगों द्वारा किया जाता है। भारत के संविधान में सिविल सेवकों को निष्पक्षता बनाये रखने के लिये अनुच्छेद 309, 310 तथा 311 के प्रावधानों के तहत सुरक्षा प्रदान की गई है। सिविल सेवक देश की स्थाई कार्यपालिका हैं। वे चुने हुये जनप्रतिनिधियों के अधीन कार्य करते हैं। देश के नीति निर्धारण और योजनाओं के क्रियान्वयन में उनका बहुत बड़ा रोल होता है।

भारत में सिविल सेवा की आधारशिला ब्रिटिश समय में रखी गई थी। इसे गवर्नर जनरल वारेन हेस्टिंग्स ने प्रारंभ किया और बाद में कार्नवालिस ने इसमें अनेक सुधार किये। कॉर्नवालिस ने भारतीय सिविल सेवा के दो भागों में बांटा। पहला था अनुबंधित सिविल सेवक और दूसरा बिना अनुबंध वाले सिविल सेवक। अनुबंधित सिविल सेवक केवल यूरोपियन ही होते थे, जबकि दूसरे प्रकार के सिविल सेवक, जो कनिष्ठ पदों पर कार्य करते थे, उनमें भारतीयों की नियुक्ति भी की जाती थी। भारत सरकार अधिनियम 1919 में, भारत की इंपीरियल सिविल सेवा को दो भागों में बांट दिया गया। पहली, अखिल भारतीय सेवाएँ और दूसरी, केंद्रीय सेवाएँ। यह सिविल सेवाएं सेक्रेटरी ऑफ स्टेट फॉर इंडिया के अधीन थीं। अखिल भारतीय और केंद्रीय सेवाओं (समूह ए)

को 1924 में केंद्रीय सुपीरियर सेवाओं का नाम दिया गया। 1924 से 1934 तक, भारत में 10 अखिल भारतीय सेवाएँ थीं और 5 केंद्रीय विभाग थे जो सभी सेक्रेटरी ऑफ स्टेट फॉर इंडिया के नियंत्रण में थे। इसके अतिरिक्त 3 और केंद्रीय विभाग थे, जो प्रांतीय और केन्द्रीय दोनों के संयुक्त नियंत्रण में थे। प्रारंभ में अनुबंधित सिविल सेवक में कंपनी के डायरेक्टरों द्वारा अपनी मर्जी से भर्ती की जाती थी। वे केवल योरोपियन लोगों की भर्ती करते थे। वर्ष 1954 में लंदन में सिविल सर्विस कमीशन का गठन किया गया। वर्ष 1864 में सिविल सर्विस परीक्षा पास करने वाले पहले भारतीय सत्येन्द्र नाथ टैगोर थे, जो रवीन्द्रनाथ टैगोर के भाई थे। 1867 तक 4 अन्य भारतीयों का सिलेक्शन भी हुआ। 1883 तक भारत की सिविल सर्विस में भारतीयों की संख्या केवल 12 थी, जो 1915 तक बढ़कर केवल 63 हो गई। 1920 की परीक्षा में सुभाष चंद्र बोस को चौथी रैंक मिली, उन्होंने देश के लिये काम करना बेहतर समझा और सिविल सर्विस से इस्तीफा दे दिया।

1922 से सिविल सर्विस परीक्षा भारत के भीतर इलाहाबाद में ली जाने लगी। बाद में दिल्ली में भी एक परीक्षा केन्द्र बनाया गया। इसे इंडियन सिविल सर्विस कहा जाता था, परन्तु इसके अधिकांश सदस्य न तो भारतीय थे, न भारतीयों के प्रति सिविल थे और न ही उनमें कोई सेवा भावना थी। उनका उद्देश्य केवल भारत में ब्रिटिश साम्राज्य को कायम रखना था। स्वतंत्रता प्राप्ति के ठीक पहले अविभाजित भारत में 980 सिविल सेवा अधिकारी थे, जिनमें से 468 योरोपियन थे।

संविधान सभा में सरदार वल्लभ भाई पटेल ने कहा था कि वर्तमान प्रशासनिक प्रणाली का कोई विकल्प नहीं है। अच्छी अखिल भारतीय सेवाओं के बिना भारत को एकजुट रखना संभव नहीं है। उन्होंने भारत की सिविल सेवाओं को स्टीली फ्रेम ऑफ इंडियन एडमिनिस्ट्रेशन कहा था। भारत में इंपीरियल सिविल सेवा के स्थान पर भाारतीय प्रासनिक सेवा का गठन 1947 में स्वतंत्रता पाप्ति के बाद किया गया। सत्यनिष्ठा, निष्पक्षता और योग्यता के मूल्य भारतीय सिविल सेवाओं के मार्गदर्शक सिद्धांत हैं।

नई दिल्ली में स्थित कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय, सिविल सेवा का नियंत्रण करता है। यह मंत्रालय भारत में सिविल सेवा प्रणाली के लिए प्रशिक्षण, सुधार और पेंशन के लिए जिम्मेदार है। संविधान के अनुच्छेद 312 (13) के तहत राज्यसभा को दो-तिहाई बहुमत से नई अखिल भारतीय सेवाएं स्थापित करने का अधिकार है। वर्तमान में तीन अखिल भारतीय सेवाएं हैं - भारतीय प्रशासनिक सेवा, भारतीय पुलिस सेवा और भारतीय वन सेवा। भारत में सर्वोच्च सिविल सेवक कैबिनेट सचिव होता है। वह सिविल सेवा बोर्ड का पदेन अध्यक्ष भी है। भारत में प्रोटोकॉल के वरीयता क्रम में कैबिनेट सचिव 11वें स्थान पर हैं। राज्य स्तर पर सिविल सेवा का प्रमुख, मुख्य सचिव होता है। उनकी यह जिम्मेदारी है कि सिविल सेवक प्रशिक्षित और सक्षम हों और निष्पक्ष वातावरण में काम करें।

देश में नीति निर्माण से लेकर योजनाओं के क्रियान्वयन तक में सिविल सेवाओं का बहुत बड़ा योगदान है। चाहे कोविड-19 की महामारी से निपटना हो, या देश में आने वाली बाढ़ या सुनामी, तूफान या सूखा जैसी प्राकृतिक आपदायें हों, देश के सिविल सेवक अपने प्राणों की परवाह किये बिना अपनी ड्यूटी में लगे रहते हैं।

देश में चुनाव कराने का जिम्मा भी सिविल सेवकों पर ही है। गरीबी हटाओं के कार्यक्रम हों, या औद्योगिक उत्पादन को बढ़ाना, कृषि के क्षेत्र में हरित क्रांति के लिए गांव-गांव में काम करना हो या घर-घर बिजली-पानी पहुंचाने के लक्ष्य की पूर्ति करना हो, सारे ही काम सिविल सेवाओं द्वारा किये जाते हैं। देश में हर बच्चे का टीकाकरण कराने से लेकर, हर क्षेत्र में कानून व्यवस्था बनाये रखने की जिम्मेदारी भी सिविल सेवकों पर ही है। भूमि के रिकार्डों का संधारण से लेकर देश की सुचारू व्यवस्था के संचालन के लिए हमारी सिविल सेवाएं रात दिन काम में लगी रहती हैं।

हरिभूमि रण भूमि

लोकसभा

सत्ता संग्राम-2024

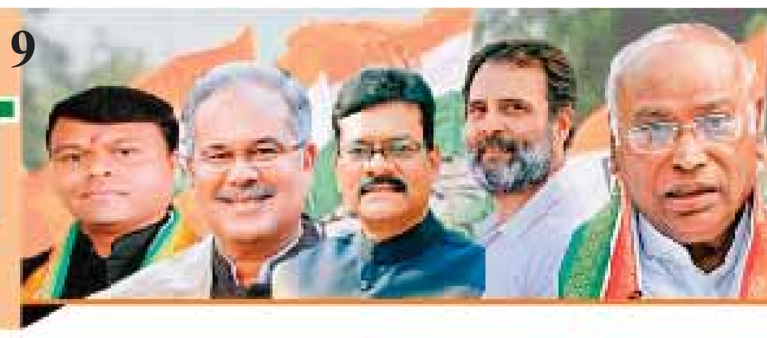

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारत में 18वीं लोकसभा चुनाव में वोटिंग की शुरुआत 19 अप्रैल से हो गई है। सात चरण में हो रहे लोकसभा चुनाव में पूर्व क्रिकेटर यूसुफ पठान भी अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। यह पहला मौका नहीं कि जब कोई क्रिकेटर लोकसभा चुनाव के जरिए संसद पहुंचने की कोशिश में है। गौतम गंभीर, नवजोत सिंह सिद्धू, मोहम्मद अजहरुद्दीन, कीर्ति आजाद, चेतन चौहान चुनाव जीतकर लोकसभा पहुंच चुके हैं। मोहम्मद कैफ, मनोज प्रभाकर, मंसूर अली खान पटौदी जैसे कई क्रिकेटर लोकसभा चुनाव हार भी चुके हैं। अब यह देखना है कि विश्व कप जीत चुके यूसुफ पठान का नाम चुनाव जीतने वाले क्रिकेटरों में दर्ज होता है या उन्हें निराशा हाथ लगती है।

पटौदी, कैफ से लेकर आजाद, प्रभाकर तक कई खिलाड़ियों ने आजमाई है किस्मत

वे क्रिकेटर, जिनका लोकसभा चुनाव में नहीं चला जादू

चुनावी मैदान पर काम नहीं आई 'फील्डिंग'

भारत के सबसे बेहतरीन फील्डर्स में शुमार मोहम्मद कैफ भी राजनीति में उतरे लेकिन यहां उनकी फील्डिंग नहीं चल पाई। मोहम्मद कैफ ने 2014 में कांग्रेस जॉइन की और इसी साल उत्तर प्रदेश के फूलपुर सीट से चुनाव लड़े। बतौर क्रिकेटर बेहद लोकप्रिय कैफ अपनी लोकप्रियता चुनाव में नहीं भुना सके और 58 हजार वोट के साथ चौथे नंबर पर रहे।

मंसूर अली खान पटौदी।

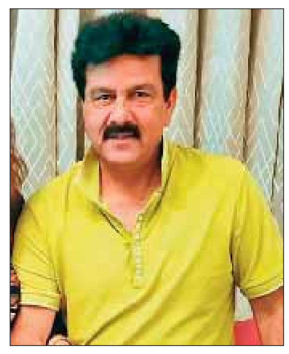

मनोज प्रभाकर।

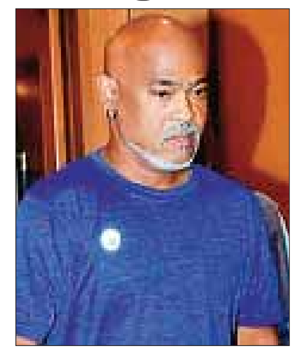

विनोद कांबली।

मोहम्मद कैफ।

मोहम्मद अजहरुद्दीन ।

क्रिकेट में चमके, राजनीति में किया निराश

सचिन तेंदुलकर के बालसखा और अपने जमाने के स्टार क्रिकेटर विनोद कांबली ने भी राजनीति में एंट्री की थी, लेकिन वे यहां अपनी पारी लंबी नहीं खींच सके। 17 टेस्ट और 104 वनडे मैच खेलने वाले विनोद कांबली ने 2009 के लोकसभा में खुद को आजमाया। वे लोक भारती पार्टी की ओर से चुनाव में उतरे, लेकिन जनता ने उन्हें नकार दिया।

सुषमा स्वराज से हारा ऑलराउंडर

भारत के बेहतरीन ऑलराउंडर रहे मनोज प्रभाकर ने क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद राजनीति के मैदान पर भी खुद को आजमाया। उन्होंने 1996 के लोकसभा चुनाव में ऑल इंडिया इंदिरा कांग्रेस (तिवारी कांग्रेस) से चुनाव लड़ा। उनके सामने भाजपा की दिग्गज सुषमा स्वराज और कांग्रेस के कपिल सिब्बल थे। 39 टेस्ट मैच खेलने वाले मनोज प्रभाकर को चुनाव में हार का सामना करना पड़ा। साउथ दिल्ली की इस सीट पर सुषमा स्वराज जीती थीं. प्रभाकर तीसरे नंबर पर रहे।

जीते भी और हारे भी अजहर और आजाद

मोहम्मद अजहरुद्दीन और कीर्ति आजाद उन क्रिकेटरों में शामिल हैं, जिन्होंने लोकसभा चुनाव में जीत भी दर्ज की और उन्हें हार का सामना भी करना पड़ा। कांग्रेस प्रत्याशी रहे अजहर 2009 में मुरादाबाद सीट जीतकर लोकसभा चुनाव पहुंचे। लेकिन 2014 में उन्हें टोंक-सवाई माधोपुर सीट से हार का सामना करना पड़ा। इसी तरह क्रीर्ति आजाद को 2014 के लोकसभा चुनाव में जीत मिली और 2019 में हार का सामना करना पड़ा। 1983 में विश्व कप जीतने वाली टीम के सदस्य रहे कीर्ति आजाद के पिता भगवत झा आजाद बिहार के मुख्यमंत्री रहे थे।

एक नहीं, दो-दो बार हारे टाइगर पटौदी

भारत के बेहतरीन कप्तानों में शुमार मंसूर अली खान पटौदी ने भी राजनीति में खुद को आजमाया था। लेकिन टाइगर पटौदी को जो प्यार क्रिकेट के मैदान पर मिला, वह राजनीति में नहीं। विशाल हरियाणा पार्टी की ओर से 1971 और 1975 में खुद को चुनाव मैदान पर आजमाने वाले नवाब जूनियर पटौदी को दोनों ही बार हार का सामना करना पड़ा। टाइगर पटौदी के पिता इफ्तिखार अली खान पटौदी भी भारतीय टीम के लिए खेले। मंसूर अली खान पटौदी ने 1961 से 1975 के बीच भारत के लिए 46 टेस्ट मैच खेले।

आमने/सामने

भाजपा से हर वर्ग परेशान : धनेंद्र साहू

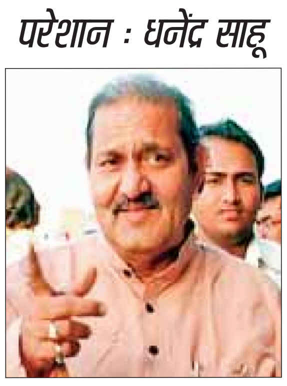

प्रदेश के पूर्व मंत्री धनेंद्र साहू ने कहा, हर वर्ग सत्ता में कांग्रेस को फिर से देखना चाहता है। कांग्रेस ने हमेशा हर वर्ग को साथ लेकर विकास कार्य किए हैं। भाजपा सरकार की नीतियों से सभी वर्ग परेशान हैं। महंगाई बढ़ती जा रही है। बेरोजगारी चरम सीमा पर पहुंच गई है। विपक्ष पर ईडी, सीबीआई जैसे संस्थानों का दुरुपयोग कर देश के लोकतंत्र का गला घोटा जा रहा है।

कांग्रेस मुद्दाविहीन : विष्णुदेव साय

प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा, कांग्रेस मुद्दाविहीन हो गई है। उसके पास कोई काम नहीं है, इसलिए बरगलाने का काम कर रही है। कांग्रेस का कहना है कि भाजपा आरक्षण खत्म कर देगी, लेकिन पीएम मोदी ऐसा कभी नहीं होने देंगे। आरक्षण कभी खत्म होने वाला नहीं है। उन्होंने कहा, कांग्रेस अभी एक लाख रुपए देने के लिए फॉर्म भरवा रही है। इस पर जनता को भरोसा नहीं है।

पहले दो चरण, 2831 उम्मीदवार, सिर्फ 237 महिलाएं, राष्ट्रीय दलों ने दिया दगा

लोकसभा चुनाव में आधी आबादी का वोट भी मायने रखता है, महिलाओं का दिल जीतने के लिए सभी पार्टियां अपने सियासी पिटारे से कई वादें निकालती हैं। इसके ऊपर सभी चाहते हैं कि राजनीति में महिलाओं का प्रतिनिधित्व बढ़े, सभी चाहते हैं कि उन्हें भी ज्यादा से ज्यादा आगे आने का मौका मिले। लेकिन राजनीति में करनी और कथनी में अंतर होना आम बात है। एक बार फिर वादों से उलट वैसी ही स्थिति 2024 के लोकसभा चुनाव में देखने को मिल गई है।

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

चुनाव के दो चरणों के विश्लेषण से पता चलता है कि कुल उम्मीदवारों में महिला प्रत्याशियों की संख्या काफी कम है। सभी पार्टियों ने भरोसा जरूर दिया था कि स्थिति बदलेगी, ज्यादा से ज्यादा महिलाओं को टिकट दिया जाएगा, लेकिन ऐसा होता दिखा नहीं है। आंकड़े बताते हैं कि दो चरणों के लिए चुनावी मैदान में कुल 2831 उम्मीदवार खड़े हैं, वहां पर महिला उम्मीदवारों की संख्या सिर्फ 237 है, यानी कि 8.3%।

237 महिला उम्मीदवार भी मैदान में

अब हैरानी की बात ये है कि ये 237 महिला उम्मीदवार भी मैदान में दिखाई दे रहे हैं, वहां पर राष्ट्रीय पार्टियों का शेयर ना के बराबर है। बीजेपी, कांग्रेस जैसी पार्टियों ने महिला प्रत्याशियों पर ज्यादा भरोसा नहीं जताया है। इससे उलट जिन पार्टियों की ज्यादा चर्चा नहीं होती है, जिन पार्टियों का ज्यादा जनाधार नहीं माना जाता है, मीडिया से भी जो दूर ही दिखाई देती हैं, उनकी तरफ से ज्यादा महिला प्रत्याशियों को मैदान में उतारा गया है। इन्हें गैर मान्यता वाली पार्टियां कहा जा सकता है जिन्हें ना राष्ट्रीय दल का तमगा प्राप्त है और ना ही क्षेत्रीय दलों का। अब ये बात भी दो चरणों के आंकड़ों से समझ आ जाती है।

राजनीति में महिलाओं का प्रतिनिधित्व बढ़ाने की केवल होती हैं बातें

87 महिला प्रत्याशी निर्दलीय

असल में जो 237 महिला उम्मीदवार दिखाई दे रही हैं, वहां पर 92 महिला प्रत्याशी तो इन गैर मान्यता पार्टी द्वारा ही उतारे गए हैं। इसके बाद 87 महिला प्रत्याशी ऐसी हैं जो निर्दलीय ही चुनावी मैदान में उतरी हैं। क्षेत्रीय दलों की बात करें तो उनकी तरफ से सिर्फ 12 महिला कैंडिडेट्स को मौका दिया गया है और राष्ट्रीय पार्टियों के लिए ये आंकड़ा 46 बैठ रहा है। अब हर कोई ये जानना चाहता है कि बीजेपी-कांग्रेस जैसी बड़ी पार्टियों ने कितने महिला उम्मीदवारों को पहले दो चरणों में उतारा है।

15 फीसदी महिला उम्मीदवारों को मौका

पहले दो चरणों में बीजेपी की तरफ से 15 फीसदी महिला उम्मीदवारों को मौका दिया गया है, दूसरे नंबर पर लेफ्ट है जिसने 13 फीसदी महिला प्रत्याशियों को उतारा है। तीसरे नंबर पर देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस है जिसने 10 प्रतिशत महिला उम्मीदवारों को टिकट दिया है। सबसे आखिर में मायावती की बसपा है जिसने 7 फीसदी महिला उम्मीदवारों को उतारा है। यानी कि बात जब बड़ी पार्टियों की आती है तो महिला उम्मीदवारों को उतारने के मामले में बीजेपी सबसे आगे है।

एक ही नाम की महिला प्रत्याशी

अगर कुछ दूसरे राज्यों की बात करें तो राजस्थान के भरतपुर में भी कुल 6 प्रत्याशियों में से 3 महिला हैं, वहीं केरल के वडकरा और अलाथुर में 40 फीसदी महिला उम्मीदवार दिखे हैं। एक काफी दिलचस्प तथ्य केरल की ही वडकरा सीट को लेकर सामने आया है। यहां से जो 4 महिला प्रत्याशी मैदान में उतरी हुई हैं, उन सभी का एक ही नाम है, बस स्पेलिंग थोड़ी अलग है। यहां से लेफ्ट ने राज्य की पूर्व स्वास्थ्य मंत्री KK Shailaja को उतार रखा है। दूसरे प्रत्याशियों के नाम Sylaja P, Shylaja और KK Shylaja हैं।

यहां महिला उम्मीदवार सबसे ज्यादा

अब अगर पूरे देश में सबसे ज्यादा महिला उम्मीदवार उतारने वाली सीट की बात करें, यहां पर दक्षिण का राज्य तमिलाडु सबसे आगे चल रहा है। तमिलनाडु की करूर सीट ऐसी है जहां पर 7 महिला प्रत्याशी चुनावी मैदान में उतरी हुई हैं, वहां पर एक राष्ट्रीय पार्टी से है तो बाकी सभी निर्दलीय ही अपनी किस्मत आजमा रही हैं। करूर के बाद दूसरे नंबर पर कर्नाटक की बेंगलुरू नॉर्थ सीट भी आती है जहां से 6 महिला उम्मीदवार एक दूसरे को टक्कर दे रही हैं। महाराष्ट्र के अमरावति में भी वही स्थिति बनी हुई है।

दिग्गजों ने किया मतदान

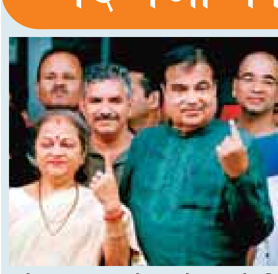

लोकसभा चुनाव के पहले चरण के लिए शुक्रवार को मतदान हुआ। इस दौरान केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, कमलनाथ सहित कई दिग्गजों ने वोटिंग की।

हरिद्वार में स्वामी रामदेव व आचार्य बालकृष्ण ने मतदान किया।

कमल हासन।

मुख्तार अब्बास नकवी।

किरण रिजिजू।

चुनावी रैली में पीएम मोदी ने साधा कांग्रेस, सपा पर निशाना

'वोट बैंक के भूखे लोगों ने किया है प्राण प्रतिष्ठा का बहिष्कार'

एजेंसी ▶▶| दमोह

मध्य प्रदेश के दमोह में चुनावी रैली को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने इंडिया गठबंधन और कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। इस दौरान उन्होंने दुनिया में चल रहे युद्ध का भी जिक्र किया। इमलाई गांव के मैदान में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि अयोध्या में श्रीरामलला के प्राण प्रतिष्ठा का निमंत्रण कांग्रेस और सपा ने ठुकरा दिया था। वोट बैंक के भूखे लोगों ने प्राण प्रतिष्ठा का बहिष्कार किया। उन्हें बाबरी का केस लड़ने वालों से सीखना चाहिए था। इससे भी उनका मन नहीं भरा, इसलिए ये आये दिन राममंदिर और सनातन आस्था को गाली दे रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि रामनवमी पर प्रभु श्रीराम का भव्य सूर्य तिलक हुआ। जब पूरा देश राममय है तो समाजवादी पार्टी के लोग रामभक्तों को पाखंडी कहते हैं। इंडी गठबंधन वाले सनातन से घृणा करते हैं।

दिन रात काम कर रहा मोदी

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि पहले की सरकारें सामाजिक न्याय के नाम पर एससी, एसटी और ओबीसी को धोखा देती रही हैं। मगर ज्योतिबा फुले, बाबा साहब अंबेडकर और चौधरी चरण सिंह के सामाजिक न्याय का सपना पूरा करने के लिए मोदी दिन रात काम कर रहा है।

महेश खिची को बनाया आप ने उम्मीदवार, 26 को चुनाव

नई दिल्ली। दिल्ली में मेयर पद के चुनाव के लिए आम आदमी पार्टी ने अपने उम्मीदवार के नाम का ऐलान कर दिया है। आप नेता गोपाल राय ने कहा कि मेयर पद के लिए महेश खिची उम्मीदवार बनाए गए हैं। वहीं डिप्टी मेयर के लिए रविंद्र भारद्वाज को उम्मीदवार बनाया गया है। आम आदमी पार्टी के प्रदेश संयोजक गोपाल राय ने ऐलान किया है कि नगर निगम मेयर और डिप्टी मेयर का चुनाव आप कांग्रेस से साथ मिलकर लड़ेगी। महेश खिची करोल बाग के वार्ड देवनगर वार्ड-84 से पार्षद हैं। इन्होंने पार्टी के लिए जमीनी स्तर से काम किया है।

कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने पीएम मोदी पर किया पलटवार

'मंदिरों में दलितों को अनुमति नहीं, मेरा अयोध्या जाना उन्हें बर्दाश्त नहीं होता'

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के इस आरोप का खंडन किया कि कांग्रेस राजनीतिक मजबूरियों के कारण राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह से दूर रही। मीडिया के एक कार्यक्रम में उन्होंने कहा, अनुसूचित जातियों को अभी भी कई मंदिरों में प्रवेश की अनुमति नहीं है, और अगर मैं (अयोध्या) गया होता तो क्या वे इसे बर्दाश्त करते? राम मंदिर छोड़िए, कहीं भी जाओ, गांव में छोटे-छोटे मंदिर हैं, वहां जाने की इजाजत नहीं है। अगर मैं जाता, तो क्या वे इसे बर्दाश्त करते?" राम मंदिर से जुड़े सवाल पर खड़गे ने कहा, "यह व्यक्तिगत आस्था है।

भाजपा ने किया राष्ट्रपति का अपमान

मल्लिकार्जुन खड़गे ने भाजपा सरकार पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और उनके पहले राष्ट्रपति रहे राम नाथ कोविंद को अपमानित करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि दोनों व्यक्तियों का अपमान इसलिए हुआ क्योंकि वे अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति समाज से हैं। उन्होंने कहा कि द्रौपदी मुर्मू को अयोध्या में राम मंदिर प्रतिष्ठा समारोह और नए संसद भवन के उद्घाटन में आमंत्रित नहीं किया गया, जबकि रामनाथ कोविंद को नए संसद भवन की आधारशिला रखने की अनुमति नहीं दी गई थी।

'हम आरक्षण से छेड़छाड़ नहीं करेंगे, न ही किसी और को इसे छूने देंगे'

नामांकन दाखिल करने के बाद बोले गृहमंत्री शाह

गांधीनगर। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को गांधीनगर लोकसभा सीट से अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। नामांकन दाखिल करने के बाद मीडिया से बातचीत में अमित शाह ने कहा कि विपक्ष के आरोप निराधार हैं, हम आरक्षण से छेड़छाड़ नहीं होने देंगे। बहुमत का दुरुपयोग करने की परंपरा किसी पार्टी की रही है, तो वो केवल कांग्रेस की रही है। इंदिरा गांधी ने बहुमत का दुरुपयोग इमरजेंसी लगाने में किया था, लोकतंत्र का गला घोंटने के लिए किया था। शाह ने खुलकर कहा, "विपक्षी दल संविधान बदलने के मुद्दे को आरक्षण से जोड़कर पेश कर रही है। लेकिन मैं साफ कर देना चाहता हूं कि हमारे पास 2014 में भी संविधान बदलने के लिए पूर्ण बहुमत था और 2019 में तो भाजपा को पूर्ण बहुमत था। 10 साल से नरेंद्र मोदी जी पूर्ण बहुमत की सरकार के साथ शासन कर रहे हैं।

संजय गांधी की मौत के बाद 1980 का है वाकया, इंदिरा ने कर दिया था मना

चुनाव लड़ने संविधान में संशोधन करवाना चाहती थीं मेनका

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

संजय गांधी की मौत (23 जून, 1980) के बाद उनकी पत्नी मेनका गांधी अपने पति के संसदीय क्षेत्र अमेठी से चुनाव लड़ना चाहती थीं। लेकिन तब उनकी उम्र 25 वर्ष नहीं थी, जो भारत में चुनाव लड़ने की न्यूनतम आयु है। ऐसे में मेनका चाहती थीं कि उनकी सास और देश की प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी संविधान में संशोधन कर चुनाव लड़ने की न्यूनतम आयु को ही कम कर दें।

हालांकि इंदिरा गांधी ने ऐसा नहीं किया और उपचुनाव में राजीव गांधी को अमेठी से उतार दिया। ऐसे में मेनका ने जब राजनीतिक सक्रियता दिखाने की कोशिश की थी, तो इंदिरा ने उन्हें घर से निकाल दिया। ससुराल से निकाले जाने के बाद मेनका गांधी ने अपनी राजनीतिक महत्वाकांक्षाएं स्पष्ट कर दीं। अमेठी से राजीव गांधी को उपचुनाव में मिली जीत के एक साल बाद, मेनका गांधी ने निर्वाचन क्षेत्र का दौरा किया। उन्होंने अमेठी में संकल्प लिया कि वह अपने जेठ (राजीव गांधी) के खिलाफ पूरी ताकत से लड़ेगीं। उन्होंने संजय के करीबी और विश्वासपात्र अकबर अहमद के साथ राष्ट्रीय संजय मंच की स्थापना की और 1984 में राजीव गांधी के खिलाफ अमेठी से आम चुनाव लड़ा।

प्रचार के लिए सोनिया को उतारा

चुनाव से पहले राजीव गांधी खेमे ने सोचा था कि मेनका को हराना उनके लिए आसान काम नहीं होगा क्योंकि वह जमीन पर सक्रिय रूप से काम कर रही थीं। अमेठी की आबादी में बड़े पैमाने पर महिला मतदाता शामिल थीं, और इसलिए राजीव गांधी ने अपनी पत्नी सोनिया से इस निर्वाचन क्षेत्र में उनके साथ प्रचार करने के लिए कहा।

अचानक बदल गया माहौल

31 अक्टूबर, 1984 के बाद चीजें नाटकीय रूप से बदल गईं, जब इंदिरा गांधी की उनके सिख अंगरक्षक द्वारा हत्या कर दी गई। इसके परिणामस्वरूप राजीव गांधी अंतरिम प्रधानमंत्री बने और चुनाव में जनता की भावना उनके पक्ष में चला गया। हालांकि, मेनका इससे विचलित नहीं हुईं। अब उनका मुकाबला एक सांसद से नहीं, बल्कि एक प्रधानमंत्री से था। उन्होंने इसे अपने प्रचार का मुद्दा बनाते हुए कहा कि प्रधानमंत्री के रूप में राजीव गांधी के पास अमेठी के लिए अतिरिक्त समय नहीं होगा। इंडिया टुडे मैगजीन की एक रिपोर्ट में मेनका गांधी के एक भाषण का जिक्र मिलता है, जिसमें वह कहती हैं, "श्रीमती गांधी को याद करें? जब वह विधवा हो गईं, तो वह अपने पति के निर्वाचन क्षेत्र रायबरेली के लोगों के पास गईं। लोगों ने उन्हें वोट दिया और रायबरेली में खूब विकास हुआ। लेकिन एक बार जब वह प्रधानमंत्री बन गईं, तो रायबरेली का पतन शुरू हो गया। यहां भी वैसा ही होगा। इसलिए मैं कहती हूं।"हालांकि, माहौल राजीव गांधी के पक्ष में था। कांग्रेस को शानदार जीत मिली। 514 में से 404 सीटें जीतीं। अमेठी में उन्होंने मेनका गांधी को 3.14 लाख से अधिक वोटों से हराया। मेनका गांधी की जमानत जब्त हो गई और फिर उन्होंने कभी भी अमेठी से चुनाव नहीं लड़ा।

खबर संक्षेप

सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत

कटनी। एनकेजे थाना क्षेत्र के सुरकी टैंक के पास शुक्रवार दोपहर बाइक सवार एक युवक अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। गंभीर रूप से घायल हुए युवक की 108 एंबुलेंस से जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां इलाज दौरान युवक की मौत हो गई है। पुलिस ने बताया कि मूल रुप से सतना निवासी सचिन पिता विष्णुकांत मिश्रा 25 कटनी में किसी फाइनेंस कंपनी में प्राइवेट जॉब करता था। शुक्रवार दोपहर वह अपनी बाइक में सवार होकर बरही से कटनी की और आ रहा था। इसी दौरान सुरकी डेम के पास उसे अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी, जिसके कारण युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल युवक को एंबुलेंस से जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां इलाज के दौरान डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मृतक के शव को अपने कब्जे में लेकर पंचनामा कार्रवाई के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

हनुमान जंयती पर कल निकलेगी वाहन रैली

कटनी। प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी हनुमान जयंती के पावन अवसर पर दक्षिणमुखी हनुमान मंदिर मेन रोड़ के तत्वाधान में दो दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया प्रथम चरण में दिनांक 22 अप्रेल सोमवार सांयकाल 5.00 बजे मंदिर प्रांगण में विशाल वाहन रैली का आयोजन किया गया है जो कि नगर के प्रमुख मार्गो से भ्रमण कर वापस मंदिर प्रांगण में सम्पन्न होगी। 23 अप्रेल दिन मंगलवार को हनुमान जंयती के उपलक्ष्य मे भव्य शोभा यात्रा का आयोजन मेन रोड़,सुभाष चौक, कपड़ा बाजार, रघुनाथगंज लक्ष्मीनारायण मंदिर से खेरमाई मढ़िया, घंटाघर, होते होते हुये हनुमानगंज,हीरागंज, गोल बाजार होते हुये दक्षिणमुखी हनुमान मंदिर में समापन होगा। दिनांक 23 अप्रेल को दोपहर 1.00 बजे से विशाल भण्डार का आयोजन किया गया है। रात्रि 8.00 बजे पंच महाआरती एवं प्रसाद वितरण किया जायेगा। रात्रि में भजन संध्या 8.30 बजे से आयोजन लकी उदय सोनी एवं पूजा तिवारी जबलपुर के द्वारा भजनों की सुन्दर प्रस्तुति दी जावेगी। मंदिर के पुजारी आनंद महाराज ने दो दिवसीय आयोजनों में भक्तों से समय पर पधारकर कार्यक्रम को सफल बनायें(

होटल कर्मचारी की इलाज के दौरान मौत

कटनी। कोतवाली थाना क्षेत्र के बस स्टैंड में एक होटल में काम करने वाला युवक पिछले तीन-चार दिनों से लगातार शराब के नशे में था। रात को उसकी तबीयत बिगड़ी थी और होटल के कर्मचारी उसको जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां उसने दम तोड़ दिया। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव का पीएम कराया है। जानकारी के अनुसार नीरज पिता राम गोपाल विश्वकर्मा निवासी सुडौर जिला पन्ना कोतवाली थाना क्षेत्र के बस स्टैंड में एक होटल में काम करता था। होटल के कर्मचारियों ने बताया कि पिछले तीन-चार दिनों से वह लगातार शराब का सेवन कर रहा था। गुरुवार की रात को नशे में ही अचानक उसकी तबीयत बिगड़ी और वह उल्टी करने लगा तो रात को कर्मचारी उसे लेकर जिला अस्पताल पहुंचे, जहां पर उसने दम तोड़ दिया। सूचना पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर मर्ग कायम किया और शुक्रवार को शव का पीएम कराते हुए उसे स्वजनों को सौंप दिया। साथ ही मामले की जांच कर रही है।

हनुमान जयंती में नवीन मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा

सिलौंडी। सिलौंडी में मुख्य बाजार के बरगद के नीचे श्री कुटी वाले हनुमानजी के पुराने मंदिर जीर्णोद्धार कर उसी स्थल पर एक नवीन मंदिर बनाया गया एवँ हनुमानजी जयंती के शुभ अवसर पर नवीन मंदिर में हनुमानजी की प्राण प्रतिष्ठा की जायेगी । 23 अप्रैल 2023 को सुबह 8 बजे से पूजन और प्रतिष्ठा ,दोपहर 12 बजे से भंडारा एवँ रात में 8 बजे से सुंदर कांड एवं महाआरती होगी । कार्यक्रम में सभी भक्तों के शामिल होने की अपील की गयीं ।

उमस भरी गर्मी से करही हाल बेहाल, घर से निकलना हो रहा मुश्किल

मौसम के साफ होते ही बढ़ा तापमान, झुलसाने लगी सूर्य की तल्ख किरणें

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

बीते कुछ दिनों में मौसम में उतार चढ़ाव का दौर चल रहा है। बीते दिनों आसमान में बादलों के डेरे, बूंदाबांदी व हवाओं के चलने से चिलचिलाती धूप से जहां लोगों को थोड़ी राहत मिली थी लेकिन अब मौसम पूरी तरह साफ हो गया है और सूर्य की तल्ख किरणों से लोग झुलसने को मजबूर हो गये। बादलों की वजह से तापमान में गिरावट आई थी लेकिन जैसे ही मौसम साफ हुआ पारा फिर 40 डिग्री के पार पहुंचने लगा है। सुबह 11 बजे के बाद तल्ख धूप झुलसाने लगती है।

खाएं फल सब्जियां, खूब पिये पानी

बढ़ती गर्मी और लू की चपेट में आने से बचने के लिये यदि प्यास नहीं भी लगी हो, तो भी पर्याप्त मात्रा में पानी पीते रहें। नींबू पानी, छाछ, लस्सी, जूस और ओआरएस का घोल शरीर को पानी की कमी से बचाये रखता है। तरबूज, खरबूजा, संतरा, अंगूर, अनानास, खीरा आदि अधिक पानी की मात्रा वाले फल और सब्जियाँ खाएँ। घर से निकलते वक्त पानी की बॉटल साथ रखें।

सीधी धूप से बचें

घर से बाहर निकलते वक्त अपने सिर को टोपी, दुपट्टे, छाता, गमछा या किसी अन्य कपड़े से ढँक कर ही निकलें, सीधी धूप में आने से बचें। अगर बाहर निकलना आवश्यक न हो, तो घर में ही रहें और अपने आवश्यक काम हो सके तो सुबह और शाम करें। टीवी, रेडियो, समाचार-पत्र आदि के माध्यम से तापमान पर नजर रखें। घर के ऐसे दरवाजे और खिड़कियाँ, जो सीधे धूप के प्रभाव में रहते हैं, उन्हें बंद रखें या पर्दे ड़ालकर रखें। इन्हें रात में शुद्ध हवा के लिये खोलें।

ये बरतें खास सावधानी

डाक्टरों के अनुसार बच्चे, गर्भवती महिलाएँ, मानसिक रोगी, ब्लड प्रेशर, ह्रदय रोग आदि गंभीर बीमारियों से ग्रसित व्यक्ति अतिरिक्त सावधानी बरतें। सामान्यतः शरीर का तापमान 36.4 डिग्री सेल्सियस से 37.2 डिग्री सेल्सियस होता है। लू लगने पर तापमान में बढ़ोत्तरी, घमोरियाँ, हाथ-पाँव और टखनों में सूजन, बेहोशी, माँसपेशियों में ऐठन आदि हो सकती हैं। हीट स्ट्रोक ह्रदय, श्वसन और किडनी के मरीजों को पेरशानी में डाल सकता है।

इन लक्षणों पर डाक्टर से मिले

डाक्टरों का कहना है कि अगर आप धूप से आएँ हैं और चक्कर, बेहोशी, जी मचलाना, उल्टी, सिरदर्द, तीव्र, प्यास और साँस-धड़कन तेज हो गई है, तो फौरन ठंडे स्थान पर पहुँचे और ठंडे पेय पदार्थ लेना शुरू कर दें। खाना बनाते समय दरवाजा और खिड़की खोलकर रखें। चाय, काफी, साफ्ट ड्रिंक और जिनमें अधिक मात्रा में शक्कर होती है ऐसे पेय पदार्थों का सेवन न करें। यह पदार्थ शरीर के जल को कम करते हैं और पेट में मरोड़ उत्पन्न करते हैं। बासी भोजन करने से बचें। अधिकतम पानी का सेवन सर्वोत्तम है। अगर एक घंटे से अधिक समस्या रहती है, तो चिकित्सकीय सलाह लें।

खबर प्रकाशन के बाद छत की कराई रिपेरिंग

हरिभूमि न्यूज ⏭ बड़वारा

लाखों रुपये का भारी भरकम बजट प्राप्त होने पर के बाद भी बड़वारा स्वास्थ्य केंद्र में हालात खस्ताहाल स्थिति में हैं। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बड़वारा में कभी कहीं से टाइल्स उखड़ कर निकल जाती है तो कहीं पर से पुट्टी निकल जाती है। बड़वारा स्वास्थ्य केंद्र में ठेकेदार व जिम्मेदारों की अनदेखी के कारण शासन की लाखों रुपये की राशि व व्यय बजट पर सवालिया निशान लगने शुरू हो गए हैं। बड़वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में व्याप्त अनियमितताओं व कर्मचारियों की मनमानी किसी से छिपी नही है।

हरिभूमि में दिनांक 17, 04, 2024 को अस्पताल की लैब के छत का टूटकर गिर रहा प्लास्टर, मंडरा रहा खतरा शीर्षक से खबर प्रकाशित की गई थी जिसके पश्चात लैब की छत में सुधार कार्य शुरू किया गया। अधिकारियों ने आनन फानन में अस्पताल की लैब की छत रिपेयरिंग का कार्य जितनी जगह से उखड़कर छत का मटेरियल गिरा था उतनी ही जगह में सीमेंट रेत का प्लास्टर करवाकर अपने कर्तव्यों की इतिश्री कर रहे हैं जबकि लैब की पूरी छत ही कमजोर है पूरी छत को नए सिरे से बनवाने की आवश्यकता है ताकि अस्पताल में कार्यरत कर्मचारियों व जांच करवाने आनेवाले मरीजों के साथ किसी भी प्रकार की अनहोनी होने से रोका जा सके।

आधा दर्जन निरीक्षक एवं 11 उप निरीक्षकों पर हुई कार्यवाही

निर्वाचन कार्य में लेट लतीफी करने पर लगाई फटकार, 1 हजार जुर्माना

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

लोकसभा चुनाव जैसे महत्वपूर्ण दायित्व को निभाने में लापरवाही बरतने वाले जिला पुलिस बल के आधा दर्जन निरीक्षक एवं लगभग एक दर्जन उप निरीक्षकों की कार्यशैली से पुलिस अधीक्षक अभिजीत कुमार रंजन बेहद नाराज हो उठे। चुनाव ड्यूटी में निर्धारित समय से दो घंटा लेट आने पर एसपी ने सभी पुलिस अधिकारियों को लताड़ लगाते हुए अर्थ दंड से दंडित किया। एसपी का सख्त रुख देखकर जिले के सारे पुलिस अधिकारी सख्ते में रहे। पुलिस अधीक्षक श्रीरंजन ने जहां इन पुलिस अधिकारियों की कार्यशैली और लेट लतीफी के प्रति नाराजगी जाहिर करते हुए उन्हें अर्थ दंड से दंडित किया, वहीं उन्हें भरी सभा में सख्त लहजे से दोबारा ऐसी चूक न करने की हिदायत भी दी।

आपको बता दें कि 18 अप्रैल को शहडोल लोकसभा क्षेत्र के मतदान को लेकर कृषि उपज मंडी में सामग्री वितरण किया जा रहा था। इस दौरान चुनाव ड्यूटी में लगाए गए सभी पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को मतदान सामग्री वितरण स्थल कृषि उपज मंडी में सुबह 6 पहुंचने के आदेश दिए गए थे। पुलिस अधीक्षक अभिजीत कुमार रंजन द्वारा जारी किए गए आदेशों की अवहेलना करते हुए जिले के 6 निरीक्षक और 11 उप निरीक्षक निर्धारित समय से दो घंटा लेट सुबह 8 बजे कृषि उपज मंडी पहुंचे। पुलिस विभाग के अधिकारियों की यह लापरवाही पुलिस अधीक्षक अभिजीत कुमार रंजन को काफी नागवार गुजरी।

चुनाव ड्यूटी में लापरवाही बरतने वाले जिन अधिकारियों पर अर्थ दंड लगाया गया उनमें कोतवाली थाना प्रभारी आशीष शर्मा, कुठला थाना प्रभारी अभिषेक चौबे, माधव नगर थाना प्रभारी अनूप सिंह ठाकुर, अजाक थाना प्रभारी उत्तम लाल अहिरवार, ढीमरखेड़ा थाना प्रभारी मोहम्मद शाहिद खान, स्लीमनाबाद थाना प्रभारी अखिलेश दाहिया, एनकेजे थाना प्रभारी उप निरीक्षक नीरज दुबे, रंगनाथ नगर थाना प्रभारी उप निरीक्षक नवीन नामदेव, बड़वारा थाना प्रभारी उप निरीक्षक किशोर कुमार द्विवेदी, उमरिया पान थाना प्रभारी उप निरीक्षक सिद्धार्थ राय, बाकल थाना प्रभारी उप निरीक्षक अनिल यादव, बस स्टैंड चौकी प्रभारी उप निरीक्षक अंकित मिश्रा, खिरहनी चौकी प्रभारी उप निरीक्षक कुलदीप सिंह, झिंझरी चौकी प्रभारी उप निरीक्षक महेंद्र जायसवाल, बिलहरी चौकी प्रभारी उप निरीक्षक गोपाल विश्वकर्मा, निवार चौकी प्रभारी उप निरीक्षक दुर्गेश तिवारी एवं सिलौड़ी चौकी प्रभारी उप निरीक्षक सीताराम बागरी को एक, एक हजार रुपए अर्थ दंड से दंडित किया गया है।

महावीर स्वामी के जन्मकल्याणक पर निकली वाहन रैली

जियो और जियों दो के उद्घोषक एवं अहिंसा के प्रवर्तक भगवान महावीर स्वामी जन्मकल्याणक महोत्सव के उपलक्ष्य में विशाल वाहन रैली धर्मप्रभावना हेतु महावीर कीर्ति स्तंभ से प्रारंभ होकर घंटाघर ,भगवती चौराहा, बरही रोड़, सराय, सिविल लाईन, कचहरी चौराहा, मिशन चौक, लखेरा, माधवनगर, हाउसिंग बोर्ड जैन मंदिर, पुरानी बस्ती, झंडा बाजार, कपड़ा बाजार,सुभाष चौक से होते हुये बड़े मंदिर जी के सामने समाप्त हुई हाउसिंग बोर्ड में श्री 1008 पार्श्वनाथ दिग.जैन मंदिर के सामने पार्श्वनाथ दिग.जैन सेवा समिति हाउसिंग बोर्ड द्वारा रैली में शामिल सभी सधर्मी बन्धुओं का आत्मीय स्वागत कर स्वपाहार कराया गया एवं सुधार न्यास कॉलोनी में मिथलेश जैन, राजकुमारी पार्षद द्वारा शीतल पेय का वितरण किया गया।

गीत, भजन, नुक्कड़ नाटक, नृत्य से नागरिकों को दिया मतदान का संदेश

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

लोकसभा निर्वाचन 2024 के मद्देनजर कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अवि प्रसाद के निर्देश पर संसदीय क्षेत्र खजुराहो के मतदाताओं को निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान अधिक से अधिक सहभागिता एवं मतदान प्रतिशत में वृद्धि व जागरूकता हेतु स्वीप गतिविधियों के तहत शनिवार को कटाये घाट सुरम्य पार्क में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इस दौरान जिला पंचायत के सीईओ एवं नोडल अधिकारी स्वीप शिशिर गेमावत, अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी साधना परस्ते, एस.डी.एम प्रदीप मिश्रा मौजूद रहे।

निगमायुक्त एवं नोडल अधिकारी स्वीप विनोद शुक्ल के मार्गदर्शन मे शाम 5 बजे से लोकतंत्र पर्व के तहत कटाये घाट स्थित सुरम्य पार्क में मतदाता जगरूकता गीत, भजन, नुक्कड़ नाटक, नृत्य एवं भाषण प्रतियोगिता कार्यक्रम का आयोजन किया जाकर नागरिकों को आगामी 26 अप्रैल को होने वाले मतदान में अपने मताधिकार का उपयोंग करने हेतु प्रेरित किया जाकर मतदाता जागरूकता की शपथ दिलाई गई।

कार्यक्रम में शासकीय कन्या महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ चित्रा प्रभात, महाप्रबंधक उद्योग ज्योति सिंह, उपायुक्त पवन अहिरवार सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी और स्थानीय जन मौजूद रहे।

तीन माह तो किसी को 6 माह थाना में देनी होगी हाजिरी

कलेक्टर ने 5 आदतन अपराधियों के विरूद्ध की बाउंड ओवर की कार्यवाही

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी अवि प्रसाद द्वारा जिले में शांतिपूर्ण, निष्पक्ष, भय-रहित वातावरण में लोकसभा निर्वाचन 2024 को संपन्न कराने तथा लोक व्यवस्था बनाये रखने के उद्देश्य से असामाजिक तत्वों के विरुद्ध कठोर, प्रतिबंधात्मक कार्यवाही की जा रही है। इसी तारतम्य में कलेक्टर श्री प्रसाद ने जिले के पांच आदतन अपराधियों के विरुद्ध राज्य सुरक्षा अधिनियम के तहत कार्यवाही करते हुए बाउंड ओवर की कार्यवाही का आदेश जारी किया है। कलेक्टर श्री प्रसाद ने उक्त कार्यवाही पुलिस अधीक्षक द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदन के आधार पर की है।

इन्हे देनी होगी 6 माह तक हाजिरी

कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी अवि प्रसाद द्वारा मध्यप्रदेश राज्य सुरक्षा अधिनियम के तहत जिन पांच अपराधियों के विरूद्व बाउंड ओवर की कार्यवाही का आदेश जारी किया गया है उनमें बड़वारा थाना अंतर्गत मझगवां निवासी लक्ष्मी कांत उर्फ गुड्डा सोनी पिता बिहारी लाल सोनी उम्र 45 वर्ष तथा थाना बहोरीबंद ग्राम गाताखेडा निवासी लकी सोलंकी पिता स्वर्गीय नीरज सोलंकी उम्र 24 वर्ष के साथ ही थाना ढीमरखेड़ा के ग्राम सिलौडी निवासी संजय उर्फ छोटू कोल पिता मुन्ना कोल उम्र 23 वर्ष को 6 माह तक प्रतिमाह माह मे एक दिवस संबंधित थानों में उपस्थिति दर्ज करानें हेतु आदेशित किया गया है।

इन्हे देनी होगी 3 माह उपस्थिति

जबकि दो अन्य प्रकरणों में थाना रीठी ग्राम बड़गांव निवासी गोविंद सोनकर पिता अशोक सोनकर उम्र 22 वर्ष तथा थाना कैमोर ग्राम पडरेही निवासी नीलेश सिंह गौंड उर्फ बड़ा भैया पिता अर्जुन सिंह गौंड उम्र 23 वर्ष के विरूद्ध मध्यप्रदेश राज्य सुरक्षा अधिनियम के तहत बाउंड ओव्हर की कार्यवाही की जाकर तीन माह तक प्रतिमाह एक दिवस संबंधित थानों में उपस्थिति दर्ज कराने हेतु निर्देशित किया गया है।

टॉप टेन सूची से हुआ बाहर

कटनी। सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों के निराकरण में जहां कटनी जिले का पुलिस बल बीते कुछ महीनो में बेहतर प्रदर्शन करते हुए पहले स्थान पर काबिज था, वहीं ताजा रैंकिंग में कटनी जिला पुलिस बल टॉप 10 की सूची से भी बाहर निकल गया है। सीएम हेल्पलाइन के निराकरण में अचानक आई गिरावट ने पूरे डिपार्टमेंट को चिंता में डाल दिया है। पिछले महीने की रैंकिंग में जहां कटनी जिला पुलिस बल पहले स्थान पर काबिज था, वही इस बार जारी हुए ताजा रैंकिंग में पहले स्थान पर सिवनी जिला पुलिस बल ने अपना कब्जा जमा लिया है। जिला पुलिस बल के प्रदर्शन में अचानक यह गिरावट क्यों आई इस बात को लेकर विभागीय अधिकारी मंथन करने में जुट गए हैं। 1 से 31 मार्च 2024 तक के प्रदर्शन को देखते हुए जारी की गई ताजा रैंकिंग में कटनी जिले को 11वां स्थान प्राप्त हुआ है।

जल संरक्षण की आवश्यकता के बारे में बच्चों को दी विस्तृत जानकारी

प्राकृतिक जल स्त्रोतों को संरक्षित करने के उद्देश्य से निकाली जा रही रैली

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

यूथ हॉस्टल एसोसिएशन द्वारा स्वर्ण जयंती उत्सव के अवसर पर पूरे मप्र में मोटर बाइक रैली का आयोजन किया जा रहा है। रैली का उद्देश्य आम जनों में जल के प्राकृतिक स्त्रोतों जैसे हमारे पुराने कुएं, छोटे तालाब, पोखर, बावड़ियां आदि को संरक्षित करने हेतु जनजागृति पैदा करना है बाइक रैली के जरिए 70 राइडर्स जल स्त्रोतों के संरक्षण का प्रदेश के विभिन्न नगरों में संदेश दे रहे हैं इस रैली का नेतृत्व संस्था के राष्ट्रीय 'चेयरमैन मनोज जौहरी कर रहे हैं, जो मध्यप्रदेश राज्य शाखा के राज्य चेयरमैन भी है। मोटर बाइक रैली का नेशनल चेयरमैन मनोज जौहरी के नेतृत्व में विगत दिवस नगर आगमन हुआ।

पीरबाबा बायपास में कटनी इकाई के गोपाल शर्मा, श्रीराम कुदरहा, वीरेंद्र सिंह, नवीन मित्तल, रानू जैन, शैलेंद्र जैन, सुशील कुशवाहा, के. एल. कनकने, अनिल नेमा, डॉक्टर आर. पी. पांडेय, मनीष जैन द्वारा दल का पुष्पहारों से स्वागत किया जिसके पश्चात दल को सायना इंटरनेशनल स्कूल लाया गया। यहां प्राचार्य डॉ. आदित्य शर्मा एवम स्टाफ द्वारा पुष्प गुच्छ भेट कर स्वागत किया गया।

यूथ हॉस्टल के राष्टीय चेयरमैन मनोज जौहरी राज्य सचिव श्रीपाद कुंडले सायना प्राचार्य डॉ. आदित्य शर्मा द्वारा दीप प्रज्जवलित किया गया। आदित्य शर्मा द्वारा स्वागत उद्बोधन में जल संरक्षण के लिए यूथ हॉस्टल द्वारा आयोजित इस अभियान एवम इसमें शामिल सदस्यो की बहुत सराहना की उन्होंने 2500 किलोमीटर की बाइक यात्रा द्वारा पुराने, जल स्त्रोत बचाने के जन जागरण को अनूठा एवम अभुतपूर्व बताया। मनोज जौहरी ने यूथ हॉस्टल द्वारा पूर्व में किए गए कार्यक्रमों की जानकारी के साथ राज्य के गोल्डन जुबली वर्ष के अवसर पर आयोजित पुराने जल स्त्रोत बचाओ अभियान एवम जल संरक्षण आवश्यकता के बारे में बारे में विस्तार से बताया। आपने बच्चो को इस कार्य के लिए सबसे श्रेष्ठ बताया। आपने इस अभियान के लिए सायना प्रबंधन द्वारा दिए गए सहयोग एवम सम्मान के लिए हार्दिक धन्यवाद दिया।

इस अवसर पर सायना स्कूल के बच्चो द्वारा जल संरक्षण की थीम पर नृत्य नाटिका एवम गायन द्वारा शानदार प्रस्तुतिया दी गई। बाइक दल के सभी प्रतिभागियो एवम यूथ हॉस्टल के प्रमुख सदस्यो को सायना स्कूल की ओर से स्मृति चिन्ह प्रदान किए गए। इसके पश्चात सायंकाल सत्कार मैरिज गार्डन में पत्रकार वार्ता आयोजित की गई जिसमे पुराने जल स्त्रोत बचाओ अभियान के बारे में उनके प्रश्नों की विस्तार से जानकारी मनोज जौहरी द्वारा दी गई। इसी अवसर पर इकाई सदस्यो से संवाद कार्यक्रम हुआ जिसमे यूथ हॉस्टल कार्यक्रमों, सदस्यता अभियान एवम सदस्यो के प्रश्नों एवम समस्याओं पर समाधान नेशनल चेयरमैन द्वारा दिए गए। इस अवसर पर राष्ट्रीय चेयरमैन मनोज जौहरी का शाल श्रीफल भेंटकर सम्मान किया गया। इकाई द्वारा सभी बाइक राइडर की स्मृति चिन्ह एवम दुपट्टा पहनाकर स्वागत किया गया। आभार इकाई अध्यक्ष पंचम जैन ने किया जबकि कार्यक्रम का संचालन इकाई चेयरमैन गोपाल शर्मा एवम सचिव वीरेंद्र सिंह द्वारा किया गया।

कार्यक्रम को व्यवस्थित करने में उपाध्यक्ष श्रीराम कुदरहा, अमित सिंघई, रानू जैन, नवीन मित्तल, सुशील कुशवाहा, शैलेंद्र जैन, अंकित जैन सचिन सिंघई, नरेंद्र चैरसिया, मुकेश चंदेरिया, अनिल नेमा, दिनेश जैन, श्वेता सिंघई, अनीता सिंह का सहयोग रहा।

शिकायतों के निराकरण में कटनी टॉप टेन में शामिल

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों को प्राथमिकता से निराकरण करने कहा

सी.एम. हेल्पलाइन की शिकायतों के संतुष्टि पूर्ण निराकरण के मामले मे कटनी जिला प्रथम समूह के जिलों की सूची में टॉप टेन अग्रणी जिलों में शामिल है। शिकायतों के संतुष्टिपूर्ण निराकरण मे जिले ने 65.93 वेटेज स्कोर हासिल कर नौवा स्थान हासिल किया है। कलेक्टर अवि प्रसाद ने विभागों के अधिकारियों को सी.एम हेल्पलाइन की शिकायतों के निराकरण में और अधिक संवेदनशीलता के साथ कारगर पहल करने की हिदायत दी है। जिले को मार्च माह में प्राप्त कुल 7047 शिकायतों में से 36.09 वेटेज स्कोर के साथ शिकायतों का संतुष्टिपूर्ण निराकरण किया गया।

जिला पंचायत पांचवे पायदान पर

कलेक्टर श्री प्रसाद ने सी.एम हेल्पलाइन की शुक्रवार को जारी ग्रेडिंग में अपने समूह में कटनी जिले के जिला पंचायत को पांचवा स्थान अर्जित करने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए पूरे अमले को शाबाशी दी है। श्री प्रसाद ने भविष्य में भी इसी जोश और जज्बे के साथ काम करने निर्देशित किया है।

जिला पंचायत ने 82.73 वेटेज स्कोर के साथ ए ग्रेड अर्जित किया है और 50.62 वेटेज स्कोर के साथ संतुष्टिपूर्ण निराकरण किया गया। जिलेवार जारी पुलिस विभाग की ग्रेडिंग में समस्याओं के निपटारे के मामले मे 71.27 वेटेज स्कोर के साथ बी ग्रेड अर्जित किया है। वहीं नगर निगम द्वारा 49.86 वेटेज शिकायतों का संतुष्टिपूर्ण निराकरण किया गया है।

खबर संक्षेप

टीवीएस ने हासिल किया शीर्ष सम्मान

बेंगलुरु। दो और तीन-पहिया वाहन सेगमेंट की वाहन निर्माता कंपनी टीवीएस मोटर (टीवीएसएम) ने जेडी पावर 2024 इंडिया टू-व्हीलर इनिशियल क्वालिटी स्टडी में 10 में से 7 श्रेणियों में शीर्ष सम्मान हासिल किया है। यह उपलब्धि अपने प्रोडक्ट के लिए असाधारण गुणवत्ता प्रदान करने के लिए टीवीएसएम की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है।

जॉन अब्राहम बने एप्रिलिया के ब्रांड एंबेसडर

पुणे। हाई-परफॉर्मेंस मोटरसाइकल्स बनाने वाली मशहूर कंपनी एप्रिलिया ने भारत में जॉन अब्राहम को अपना ब्रांड एंबेसेडर बनाने की घोषणा की है। जॉन ब्रांड के रोमांचक पोर्टफोलियो का प्रचार करते नजर आएंगे। जॉन अब्राहम खुद मोटरसाइकल्स के शौकीन हैं और देश में सुपरबाइक कल्चर को बढ़ावा देने के लिए एकदम फिट होंगे। एप्रिलिया ने आधिकारिक रूप से अपनी सुपरबाइक्स के बड़े

पॉकेट एफएम की 100 करोड़ क्लब में एंट्री

नई दिल्ली। ऑडियो सीरीज प्लेटफॉर्म पॉकेट एफएम ने ऐलान किया कि उनके दो मशहूर ऑडियो सीरीज ने दुनिया भर में श्रोताओं के जरिए 100 करोड़ क्लब में एंट्री हासिल की। ये दोनों ही शोज 'एक लड़की को देखा तो' और 'इंस्टा मिलेनियर' पॉकेट एफएमकी 10 सबसे मशहूर सीरीज में टॉप पर ट्रेंड कर रही हैं। उल्लेखनीय है कि यह लोकप्रिय सीरीज भारत में हिंदी, तेलुगू और तमिल में उपलब्ध है। जबकि इसे अमेरिकी श्रोताओं के लिए 'सेविंग नोरा' के नाम से पुनर्निमित किया जा रहा है।

अफरा-तफरी के चलते निवेशकों के 3.71 लाख करोड़ रु. डूब गए

इजराइल-ईरान तनाव से शेयर बाजार हलाकान

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

इजरायल-ईरान के बीच तनाव लगातार बढ़ता जा रहा है। इजरायल ने जवाबी कार्रवाई करते हुए ईरान पर मिसाइल से हमला कर दिया है जिसका असर शेयर बाजार पर भी पड़ा। शुक्रवार को मार्केट खुलते ही इसमें भारी गिरावट देखने को मिली. एनएसई निफ्टी 50 शुरुआती कारोबार में 134.35 अंक गिरकर 21,861.10 पर खुला, जबकि बीएसई सेंसेक्स 489.34 अंक लुढ़ककर 71,999.65 पर आ गया।

व्यापक सूचकांक में भी नेगेटिव संकेत दिखे। बैंक निफ्टी इंडेक्स 324.50 अंक की गिरावट के साथ 46,744.95 पर खुला। ग्लोबल स्तर पर मची इस अफरा-तफरी के चलते निवेशकों के 3.71 लाख करोड़ भी डूब गए।

दुनियाभर के निवेशक सहमे

हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन सबसे ज्यादा बिकवाली आईटी, मेटल और पीएसयू बैंकिंग शेयरों में देखने को मिल रही है। इससे पहले गुरुवार को सेंसेक्स 454 अंक कमजोर होकर 72,488 के स्तर पर बंद हुआ था। अमेरिकी मार्केट बीते दिन सपाट नजर आया, लेकिन, फ्यूचर्स में बड़ी गिरावट देखने को मिल रही है। अमेरिकी मार्केट में इस बड़ी गिरावट का असर भारतीय शेयर बाजार में देखने को मिला। इजरायल के इस पलटवार से यह तनाव व्यापक रूप लेने की आशंका तेज हो गई है, इससे दुनियाभर के निवेशक सहमे हुए हैं।

एनएसई निफ्टी नेक्स्ट 50 पर 24 अप्रैल से शुरू करेगा डेरिवेटिव कॉन्ट्रैक्ट

एजेंसी ▶▶ मुंबई

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया (एनएसई) को भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) से निफ्टी नेक्स्ट 50 पर डेरिवेटिव के लिए मंजूरी मिल गई है। इन अनुबंधों को 24 अप्रैल 2024 से लांच किया जाएगा। एक्सचेंज 3 सिलसिलेवार मासिक सूचकांक वायदा और सूचकांक विकल्प अनुबंध चक्र की पेशकश करेगा। कैश सैटल्ड डेरिवेटिव कॉन्ट्रेक्ट समाप्ति माह के अंतिम शुक्रवार को समाप्त हो जाएंगे।

निफ्टी नेक्स्ट 50 इंडेक्स निफ्टी 50 कंपनियों को छोड़कर निफ्टी 100 से 50 कंपनियों का प्रतिनिधित्व करता है। मार्च 2024 तक, सूचकांक में वित्तीय सेवा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व 23.76 प्रतिशत के साथ शीर्ष क्षेत्र में था, इसके बाद 11.91 प्रतिशत के साथ पूंजीगत सामान क्षेत्र और 11.57 प्रतिशत के साथ उपभोक्ता सेवाओं का नंबर आता है। सूचकांक 1 जनवरी, 1997 को पेश किया गया था, जिसकी आधार तिथि और आधार मूल्य क्रमशः 3 नवंबर, 1996 और 1000 था। पिछले कुछ वर्षों में, सूचकांक पद्धति में संशोधन हुआ है। सूचकांक गणना पद्धति को 4 मई 2009 से फ्री फ्लोट मार्केट कैपिटलाइजेशन भारित पद्धति में संशोधित किया गया था। इसके बाद, उन घटक शेयरों के लिए वेट कैपिंग शुरू की गई थी, जिन पर डेरिवेटिव उपलब्ध नहीं थे। इसे 2023 में संशोधित कर नॉन-एफएंडओ शेयरों के संचयी भार को 10 प्रतिशत तक सीमित कर दिया गया था और सूचकांक में नॉन-एफएंडओ शेयरों को तिमाही पुनर्संतुलन तिथियों पर प्रत्येक को 4.5 प्रतिशत तक सीमित कर दिया गया था।

दैनिक औसत कारोबार 9,560 करोड़ रुपए

सूचकांक घटकों का बाजार पूंजीकरण 70 ट्रिलियन रुपए है, जो 29 मार्च, 2024 को एनएसई पर सूचीबद्ध शेयरों की कुल बाजार पूंजी का लगभग 18 प्रतिशत है। सूचकांक घटकों का कुल दैनिक औसत कारोबार 9,560 करोड़ रुपए है, जो वित्तीय वर्ष 2024 में नकदी बाजार के कारोबार का लगभग 12 प्रतिशत है। निफ्टी नेक्स्ट 50 इंडेक्स का निफ्टी 50 इंडेक्स के साथ 71 प्रतिशत पारस्परिक संबंध और बीटा वैल्यू 0.95 है।

सब्जियों का राजा 'आलू' ने बिगाड़ा किचन का बजट

शादियों में मांग और स्टोरेज से आलू हुआ महंगा, भाव 25 से 30 रु. किलो

वाणिज्य प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

गर्मी के सीजन में हरी सब्जियों का महंगा होना लाजमी है, लेकिन सब्जियों में राजा कहे जाने वाले आलू के दामों में कुछ दिनों से भारी उछाल आया है। आलू का भाव प्रति किलो 25 से 30 रुपए पहुंच गया है जबकि मार्च में ये ही आलू 15 रुपए प्रति किलो भाव से मिल रहा था।

आलू के भावों में यकायक आई तेजी ने आम उपभोक्ताओं के होश उड़ा दिए हैं। आलू के भावों में आई तेजी की वजह कम पैदावार और व्यापारियों के स्टोरेज करना सामने आ रहा है। आलू के थोक व्यापारियों का कहना है कि आने वाले एक सप्ताह में आलू के दामों में और बढ़ोत्तरी हो सकती है।

व्यापारी अभी से करने लगे स्टोरेज

सब्जी विक्रेताओं में आलू की आवक कम होने के बावजूद कुछ व्यापारी अभी से इसके स्टोरेज में जुट गए हैं। व्यापारी थोक सब्जीमंडी से आलू की काफी मात्रा में खरीदारी कर उसे कोल्ड स्टोरेज में पहुंचा रहे हैं। इस कारण आलू के भाव में उछाल आ रहा है। जानकारी के अनुसार कुछ व्यापारी अधिक मात्रा में आलू का स्टोरेज कर लेंगे, ताकि आगामी दिनों में इसे ज्यादा कीमत में बेचा जा सके। इन व्यापारियों ने अपने कोल्ड स्टोरेज बना रखें है, जहां पर यह आलू का भंडारण कर रहे हैं।

पैदावार कम व शादियों के सीजन का असर

स्थानीय करोंद थोक मंडी विक्रेता स्थित आलू-प्याज विक्रेता जावेद अब्दुल रकीब के अनुसार इस दफा आलू की फसल गत वर्ष की अपेक्षा कम रही है। इस समय सब्जी बाजार में आलू कम पहुंच रहा है, जिसका असर दामों पर भी दिख रहा है। फिलहाल दामों में कमी की कोई गुजाइंश नहीं है। इसकी एक वजह शादी का सीजन भी है। शादियों में सब्जी के लिए आलू की मांग बनी हुई है। शादी समारोह के लिए आलू की अधिक खरीदारी हो रही है। इस कारण आलू के भाव में तेजी बनी हुई है। आगामी दिनों में इसके भाव में तेजी आ सकती है।

सब्जियों की आवक काफी कमजोर

करोंद सब्जी में मंडी में स्थानीय उपज के तौर पर सब्जियों की आवक काफी कमजोर है। अतः उपभोक्ता मांग पूर्ति करने के लिए सब्जी व्यापारी अंतरप्रांतीय राज्यों से या फिर कोल्ड स्टोर में रखी सब्जियां मंगा रहे हैं। राजधानी हाट बाजारों में कटहल 40 रुपए, प्याज 20 से 40 रुपए किलो क्वालिटीनुसार, टमाटर 20 से 30 रुपए किलो, भिंडी 40 रुपए, गिलकी 30 रुपए, पत्ता गोभी 30 रुपए, फूल गोभी 30 से 40 रुपए किलो, करेला 40 रुपए किलो, बैंगन 30 से 40 रुपए, कद्दू 30 से 40 रुपए, लौकी 20 से 30 रुपए किलो के भाव पर विक्रय हो रही है। तो लहसुन के भाव में महंगाई कायम है। हाट बाजार में लहसुन 80 से 120 रुपए किलो क्वालिटीनुसार बिक रही है।

व्यापारी पवन जैन ने जमा किया पांच गुना मंडी शुल्क

पांडुर्णा से अवैध परिवहन कर भोपाल पहुंचा 'मूंगफली दाना' मंडी दल ने पकड़ा

वाणिज्य प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

मंडी शुल्क अदा किए बगैर, बिना अनुज्ञा पत्र और सौदा पत्रक के अवैध परिवहन कर पांडुर्णा से भोपाल पहुंचा 10 क्विंटल मूंगफली दाने से भरे वाहन क्रमांक एमएच40सीटी5561 को भोपाल कृषि उपज मंडी उड़नदस्ते ने पकड़ा और मध्यप्रदेश कृषि उपज मंडी अधिनियम 1972 की धारा 19(4) का उल्लंघन करने पर धारा 23 के तहत कार्रवाई करते हुए संबंधित व्यापारी से 6400 रुपए की राशि बतौर पांच गुना मंडी शुल्क के रूप में मंडी कार्यालय में जमा कराई।

जानकारी के अनुसार भोपाल कृषि उपज मंडी समिति के सचिव आरपी गुप्ता के निर्देशन पर निरीक्षण दल ने पुराने भोपाल के आजाद मार्केट में आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण दल प्रभारी जीवन सिंह राजपूत एवं निरीक्षण दल सहायक प्रभारी मो.असलम खां ने निरीक्षण के दौरान वाहन क्रमांक एमएच40सीटी5561 में भंडारित अधिसूचित कृषि उपज मूंगफली दाना 20 बोरी भजन 10 क्विंटल जो पांडुर्णा से बिना मंडी शुल्क भुगतान के और बिना अनुज्ञा पत्र व सौदा पत्रक के अवैध परिवहन कर के पहुंचा था उसे पकड़ा।

निरीक्षण दल के प्रभारी जीवन सिंह राजपूत एवं मो.असलम खां सहायक प्रभारी ने मौके पर वाहन चालक के कथन दर्ज कर मौके पर वस्तुस्थिति का पंचनामा तैयार कर वाहन को जब्त किया और मंडी कार्यालय ले आए।

व्यापारी ने लगाई न्यायालयीन कार्यवाही नहीं करने की गुहार

देश में डीमैट खातों की संख्या 15 करोड़ के पार

नई दिल्ली। भारत में डीमैट खातों की संख्या 15.1 करोड़ तक पहुंच गई। यह वृद्धि मार्च 2024 में 31 लाख नए डीमैट खाते खुलने के कारण हुई है। ब्रोकरेज कंपनी मोतीलाल ओसवाल के आंकड़ों के अनुसार वित्तीय वर्ष 2024 में हर महीने औसतन 3.1 मिलियन नए डीमैट खाते खोले गए हैं। यह ट्रेंड पूरे साल जारी रहने की उम्मीद है। मार्च में, भारतीय बेंचमार्क निफ्टी 1.5 फीसदी बढ़ा। इसके अलावा 2024 के आम चुनावों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तीसरी जीत की संभावना ने भी निवेशकों को निवेश करने के लिए उम्मीद दी है।

एआई टीवी के नए युग की शुरुआत

बेंगलुरु। भारत की सबसे बड़ी कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी सैमसंग ने बेंगलुरु के सैमसंग ओपेरा हाउस में आयोजित 'अनबॉक्स एंड डिस्कवर' इवेंट में अपने अल्ट्रा.प्रीमियम नियो क्यूएलईडी 8 प्रतिशत, नियो क्यूएलईडी 4 प्रतिशत और ओएलईडी टीवी के लॉन्च के साथ एआई टीवी के एक नए युग की घोषणा की है। नियो क्यूएलईडी 8 प्रतिशत, नियो क्यूएलईडी 4 प्रतिशत और ओएलईडी टीवी की 2024 सीरीज पावरफुल, एआई.आधारित सोल्यूशन के साथ आपके घरेलू मनोरंजन को और बेहतर बनाएगी। इस मौके पर सैमसंग साउथवेस्ट एशिया के प्रेसिडेंट और सीईओ जेबी पार्क ने कहा सैमसंग उपभोक्ताओं की जीवनशैली को बेहतर बनाने के लिए अपने प्रोडक्ट्स में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की नई क्रांतिकारी टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल कर रहा है।

समर्थन मूल्य पर सात राज्यों में अब तक खरीदा गया 36 लाख मीट्रिक टन गेहूं

मप्र में सबसे ज्यादा 19,82,281 मीट्रिक टन गेहूं खरीदी

वाणिज्य प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

देश के 12 गेहूं उत्पादक राज्यों में से इस समय सात में किसानों से न्यूनतम समर्थन मूल्य गेहूं की खरीद जारी है। भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) के अधिकारियों के अनुसार अब तक करीब 36 लाख मीट्रिकटन गेहूं खरीदा जा चुका है। सबसे ज्यादा गेहूं की खरीद मध्य प्रदेश में हुई है। उसके बाद दूसरे नंबर पर हरियाणा पहुंच गया है। देश का सबसे बड़ा गेहूं उत्पादक राज्य उत्तर प्रदेश खरीद के मामले में तीसरे नंबर पर है। बाकि किसी राज्य में एक लाख मीट्रिक टन की भी खरीदी नहीं हो पाई है। इस साल सरकार को 372 लाख मीट्रिक टन गेहूं खरीदना है। हालांकि बाजार विशेषज्ञ और संबंधित अधिकारी बता रहे हैं कि रबी मार्केटिंग सीजन 2024-25 में 310 से 320 लाख मीट्रिकटन गेहूं की खरीद हो सकती है।

किसानों को मिल रहा मंडियों में एमएसपी से अधिक दाम

केंद्र सरकार पिछले दो वर्ष से गेहूं खरीद का लक्ष्य हासिल नहीं कर पा रही है, क्योंकि किसानों को ओपन मार्केट में एमएसपी से अधिक कीमत मिल रही है। इस साल भी हालात ऐसे ही हैं। इस बीच बफर स्टाक में गेहूं नॉर्म्स से थोड़ा सा ही अधिक है। सरकार की कोशिश यह है कि कम से कम पिछले साल से अधिक खरीद हो। पिछले वर्ष 331.5 लाख मीट्रिक टन का टारगेट था, जबकि सरकार सिर्फ 262 लाख मीट्रिक टन ही खरीद पाई थी।

आवश्यकता

आवश्यकता है- ट्रक ड्राइवर की आवश्यकता है 14 चक्का लेलेंड लाइन में चलने के लिए वेतन- 15000+ फिक्स चक्कर ट्रिप- 15000+ प्रति ट्रिप संपर्क करें- 9109191899. 94252-13622 (रायपुर/21/अप्रैल/24)

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

अब आप पायेंगे अपना सच्चा हमसफर
हरिभूमि वैवाहिकी
प्रत्येक रविवार को प्रकाशित

सूचना - पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार पत्र में प्रकाशित सभी प्रकार के विज्ञापनों (डिस्प्ले एवं रनिंग क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें। हरिभूमि समूह की विज्ञापनों के तथ्यों से संबंधित कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

छोटा लिंग निराश क्यों?
जोश जगा दे धूम मचा दे।

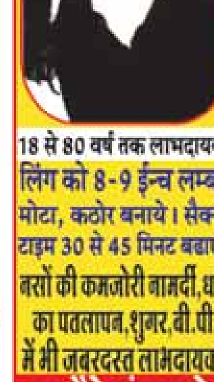

18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंग को 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढ़ाएं।
नसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये।
लाभ नही तो पैसे वापिस।
08116592844

वैवाहिकी

वर चाहिए

वर चाहिए
सोनी वर चाहिए 33 साल की लड़की के लिए अच्छा बिजनेस हो या अच्छी नौकरी हो विधुर छोटे बच्चों वाला लड़का चाहिए जाति बन्धन नही केवल छत्तीसगढ़ के ही फोटो और अपना बायोडाटा
व्हाट्सएप करें- 9644590164

वधु चाहिए

वधु चाहिए
राजपूत डिवोर्सी 38 वर्षीय स्वयं का व्यवसाय आय 8 लाख सालाना, युवक हेतु घरेलू, संस्कारी, स्लिम, सुंदर, गरीब परिवार की हो या अनाथ हो, वधु चाहिए, कोई दहेज नही। मंदिर में शादी, जाति बंधन नही।
संपर्क करें 9981897950

वधु चाहिए- श्रीवास्तव वर 36 वर्ष, 5'-9'' रंग गोरा, स्वयं का व्यवसाय, शिक्षा बीए, गोत्र कश्यप हेतु वधु चाहिये। सभी सामान्य जाति मान्य। (मैरिज ब्यूरो क्षमा) सम्पर्क करें- 8349730630, 9993712905 (6058)

वधु/वर चाहिए

वर/वधु चाहिए- जीवन साथी चाहिए जाति बन्धन नहीं परिवार में मां है जिस किसी व्यक्ति को रिश्ता करना है सम्पर्क करें- 9575030565 (33809)

राशिफल

मेष मन में शान्ति एवं प्रसन्नता रहेगी। नौकरी में कार्यक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है। परिश्रम अधिक रहेगा। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

वृष अपनी भावनाओं को वश में रखें। परिवार के स्वास्थ का ध्यान रखें। कारोबार में कुछ समस्याएं आ सकती हैं। भाई-बहनों का सहयोग मिल सकता है।

मिथुन मन परेशान रहेगा। व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान की यात्रा पर जा सकते हैं। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

कर्क आत्मविश्वास तो बहुत रहेगा, परन्तु मन परेशान हो सकता है। परिवार का साथ मिलेगा। किसी मित्र के सहयोग से आय के स्रोत विकसित हो सकते हैं।

सिंह शैक्षिक कार्यों में कठिनाई हो सकती है। सचेत रहें। किसी मित्र से कारोबार का प्रस्ताव मिल सकता है। कारोबार के लिए विदेश यात्रा लाभप्रद रहेगी।

कन्या मन प्रसन्न रहेगा, परन्तु नौकरी में अफसरों से व्यर्थ के वाद-विवाद से बचें। कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। कोई जिम्मेदारी मिल सकती

तुला आत्मविश्वास में कमी रहेगी। नौकरी के लिए साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी। शैक्षिक कार्यों में व्यवधान आ सकते हैं।

वृश्चिक आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। आत्मसंयत भी रहे। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। नौकरी में कोई अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है।

धनु मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। पिता के स्वास्थ्य में सुधार होगा। परन्तु जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। रहन-सहन कष्टमय हो सकता है।

मकर वाणी में मधुरता रहेगी, परन्तु धैर्यशीलता में कमी रहेगी। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्चों में वृद्धि होगी। परिवार का साथ मिलेगा। आय में वृद्धि

कुंभ मन प्रसन्न तो रहेगा, परन्तु संयत भी रहें। क्रोध से बचें। सन्तान के स्वास्थ का ध्यान रखें। खर्चों में वृद्धि होगी। कारोबारी कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी।

मीन शान्ति एवं प्रसन्नता रहेगी। नौकरी में कार्यक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है। परिश्रम अधिक रहेगा। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

शब्द पहेली - 5488

बाएँ से दाए
1. अनाथालय-5
4. जैन धर्म के चौबीसवें तीर्थंकर-4
7. कमरा, रूम-2
8. फिजूल-3
9. अंग्रेजी शराब-2
10. अनर्गल (अंग्रेजी-4)
11. लक्ष्मी, कमला-2
13. ध्वनिहीनता, शांति-4
14. देवता, देव-2
16. प्रणाम, नमस्कार-3
18. रुधिरहीन, कमजोर-3
19. प्रस्थान करना-3,2
21. पालने वाला, ईश्वर-5
24. प्रेम, चाहना-3
26. वन, अरण्य, जंगल-3
28. विदेशी मदिरा-2
29. छिड़कना-4
30. धूल, मिट्टी-2
32. अंगीकार करना-4
33. छापा, सतत वर्षा-2
35. विरुद्ध-3
36. सुबह, प्रातःकाल-2
37. जोकर, विदूषक-4
38. संन्यासी, साधु-3,2

ऊपर से नीचे
1. इसके सवाल युधिष्ठर ने हल किये थे -2
2. उदारता, बड़प्पन-4
3. पत्नी का नाना-2,3
4. दसवीं राशि -3
5. बहादुर, निडर-2
6. एक मुस्लिम महीना-4
7. कहानी लेखक-5
10. नाव चलाना-2,2
12. सम्मान-2
15. मारकाट, खून खराबा-4
17. पैगंबर, जीवन रक्षक-3
18. कुकर्म, दुष्कर्म-4
20. गाड़ी, यान-3
22. इंकार करना-4
23. रचना करनेवाला, रचयिता -5
25. जीवनसाथी-5
26. कारोबार, व्यवसाय-4
27. मादा का विलोम-2
29. निर्झरणशील-4
31. ढेर, काफी सारा (उर्दू-3)
34. मजा, आनंद-2
36. भोगने वाला, कामी-2

शब्द पहेली - 5487 का हल

अ	स	ह	नी	य			क	लि	का	
प	र		ला		सा	ग	र		बु	आ
ह			प	ह	रा		ण			खे
र	स	खा	न			म		क	प	ट
ण		लि		न	भ	च	र		रा	
	आ	स		सी		ल		ग	स्त	
	रा		प	ह	न	ना		रु		ड
शा	म	त		त			ता	र	ता	र
य			तै		जा	हि	र			ल
द	म		र	सी	ला		पी		ज	ग
	न	गी	ना			म	न	भ	र	ना

सूडोकु नववाल - 5499

★★★★☆ कठिन

	8	5						
3								
			6			7	4	
6			2		4			
1								8
			7		5			3
	4	7			1			
								6
						5	2	

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नववाल - 5498 का हल

4	3	9	2	6	8	5	1	7
8	1	6	7	4	5	9	2	3
7	5	2	3	9	1	6	4	8
1	7	5	4	2	6	8	3	9
6	4	3	8	5	9	2	7	1
2	9	8	1	7	3	4	5	6
5	2	1	6	8	7	3	9	4
9	8	7	5	3	4	1	6	2
3	6	4	9	1	2	7	8	5

विशेषः पृथ्वी दिवस, 22 अप्रैल

हम सभी इस बात को जानते और समझते हैं कि हमारा वजूद पृथ्वी की वजह से ही संभव है। इसके बावजूद हमारी गतिविधियां धरती को लगातार संकटग्रस्त कर रही हैं। इसके दुष्प्रभाव दिखने लगे हैं और भविष्य में स्थितियां और भी भयावह हो सकती हैं। ऐसा ना हो, हमारी धरती और हम सभी सुरक्षित रहें, इसके लिए बिना देर किए हर किसी को प्रयास करने होंगे।

हमारे कारण संकटग्रस्त हो रही है हमारी पृथ्वी

कवर स्टोरी / शिखर चंद जैन

जिस धरती मां ने हमें जीवन दिया, प्राणवायु दी, पीने को पानी और खाने को भोजन दिया, आज वही अपनी जीवनरक्षा के लिए जूझ रही है। हम मनुष्यों ने स्वार्थ और सुविधाओं में खोकर इसका बेतहाशा दोहन किया है, जिससे प्राकृतिक संतुलन बिगड़ गया है। हमारी लापरवाही और स्वार्थ के कारण न सिर्फ पृथ्वी का अपने मूल स्वभाव में बने रहना दूभर हो रहा है बल्कि इसकी गति और स्वाभाविक गतिविधियां भी बाधित हो रही हैं।

गति में आ रही बाधा

आपको जानकर आश्चर्य होगा कि वनों की बेतहाशा कटाई, प्राकृतिक संपदा के नासमझीपूर्ण उपयोग और दोहन से धरती के सबसे ठंडे स्थान भी धीरे-धीरे गर्म होने लगे हैं। अंटार्कटिका में बर्फ पिघलने से पृथ्वी की घूर्णन गति में भी कमी आ रही है, जिससे विश्व की घड़ियां भी गड़बड़ा सकती हैं। पृथ्वी हर 23 घंटे 56 मिनट और 4 सेकेंड में अपना चक्कर पूरा करती है। इसके घूमने की गति 1674 किलोमीटर प्रति घंटा है। यह रफ्तार किसी लड़ाकू विमान जितनी है। पर पृथ्वी का आकार इतना बड़ा है कि हमें इसके घूमने का पता नहीं लग पाता। अंतरिक्ष या उपग्रहों के जरिए पृथ्वी को घूमते हुए देखा जा सकता है।

एक नए अध्ययन में पाया गया कि इसके सर्व निर्देशांकित समय (कोर्डिनेटेड यूनिवर्सल टाइम) में से एक सेकेंड कम करने की आवश्यकता पड़ सकती है। इस अध्ययन के लेखक डंकन एग्न्यू हैं। ये अमेरिका के सेंडियागो में कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय में भू-भौतिक विज्ञानी हैं। यह अध्ययन 'नेचर' पत्रिका में प्रकाशित हुआ है।

नष्ट हो रहे ऑक्सीजन स्रोत

पृथ्वी पर ऑक्सीजन के मूल स्रोत पेड़-पौधे लगातार नष्ट हो रहे हैं। इसके साथ ही नदियां, समुद्र और जल संग्रह प्रदूषित और विषाक्त होते जा रहे हैं। जंगलों में आग लगने की घटनाएं दिनों- दिन बढ़ रही हैं। पिछले कई दिनों से तमिलनाडु के नीलगिरी में कुन्नूर वन क्षेत्र में जंगल की आग भड़क रही है। 1901 के बाद फरवरी 2024, दक्षिण भारत में सबसे गर्म महीना रहा है। पिछले दो महीने में दक्षिण भारत के कई राज्यों में अधिकतम, न्यूनतम और औसत तीनों ही तापमान सामान्य से ऊपर बने हुए हैं। इसी के परिणामस्वरूप सर्दियों के मौसम के दौरान भी इन वनों में शुष्क बायोमास की उपलब्धता बहुत ज्यादा है, जिसके कारण आग तेजी से फैल रही है। जंगलों में आग लगने का सबसे आम कारण मानवीय लापरवाही है। इसके अंतर्गत जलती हुई माचिस, सिगरेट के बिन बुझे टोटे को फेंकना, जंगलों में खाना पकाना, जानवरों को मारने के लिए या उन्हें डराने के लिए आग जलाना, शहद इकट्ठा करने के लिए आग लगाना आदि कारण शामिल हैं। प्राकृतिक कारणों में बिजली गिरना भी इसकी एक बड़ी वजह है। 2021 में भारत के कई राज्यों में वन अग्नि की अनेक घटनाएं देखने को मिलीं। साल 2023 में गोवा के वन क्षेत्र में बड़ी आगजनी की घटना हुई। 2024 में अब तक मिजोरम में 3738, मणिपुर में 1702, असम में 1652, मेघालय में 1252 और महाराष्ट्र में 1215 आग लगने की घटनाएं रिकॉर्ड की गईं।

बिगड़ रहा है आकार और प्रकार

पृथ्वी पर गर्मी बढ़ने से ग्लेशियर पिघलते जा रहे हैं। इसका असर पृथ्वी की बेस लाइन पर पड़ रहा है और इसका शेप बिगड़ रहा है। हम इतना प्रदूषण फैला रहे हैं कि 2050 तक धरती का तापमान 2 डिग्री और बढ़ जाएगा। ऐसा हुआ तो कहीं भीषण सूखा पड़ेगा तो कहीं विनाशकारी बाढ़ आएगी। ग्लेशियर पिघलकर नष्ट हो जाएंगे तो जाहिर है इसके कारण समुद्र का जल स्तर बढ़ जाएगा। बढ़े हुए जल स्तर के कारण कई शहर हमेशा के लिए डूब जाएंगे। आपको जानकर चिंता और हैरानी होगी कि धरती पर समस्त जीवित प्राणियों यानी जल, थल, नभ में रहने वाले पशु-पक्षियों और पेड़-पौधों का कुल भार से, मनुष्य निर्मित चीजों जैसे इमारतों, मशीनों आदि का भार बढ़ गया है। इसका वजन 2040 तक तीन टेराटन हो जाएगा। एक टेरा टन यानी ट्रिलियन टन के बराबर होता है और 1 टन में हजार किलोग्राम होते हैं। इसी से अंदाजा लगा सकते हैं कि यह भार कितना ज्यादा होगा। प्लास्टिक का इस्तेमाल भी हम बेतहाशा करने लगे हैं। इसका दुष्परिणाम भी पृथ्वी को ही भोगना पड़ रहा है।

ऐसे बचाएं अपनी धरती

धरती मां को बचाने के लिए हम सभी को प्रण करना होगा कि अपनी धरती को बचाने के लिए कोई भी कसर नहीं छोड़ेंगे। हमें जियो और जीने दो के मूल मंत्र पर काम करना होगा। इसके लिए पशु-पक्षियों का अनावश्यक शिकार रोकना होगा। मांसाहार छोड़कर शाकाहार अपनाना होगा। प्लास्टिक का न्यूनतम उपयोग करने का निश्चय करना होगा। पेड़-पौधों का संरक्षण और संवर्द्धन करना होगा। पर्यावरण को गर्म करने वाली गैसों का उत्सर्जन रोकने के लिए हमें तरह-तरह के उपाय करने होंगे। इसके लिए हमें जीवनशैली को ईकोफ्रेंडली बनाना होगा। इसके तहत बेवजह बिजली का उपयोग यानी बर्बादी रोकनी होगी। जैविक ईंधन यानी पेट्रोल, डीजल, केरोसिन तेल की बर्बादी रोकने और इनका उपयोग न्यूनतम करने का प्रयास करना होगा। साथ ही सौर ऊर्जा के उपयोग की आदत डालनी होगी। वैज्ञानिकों को भी गैर जैव ऊर्जा का निर्माण करने की ओर प्रयास करने होंगे। हमें अपनी दैनिक आदतों में जीरो वेस्ट नीति अपनाने, पानी के दुरुपयोग को रोकने और कचरे का सही निस्तारण करने जैसी आदतें शामिल करनी होंगी। कुल मिलाकर धरती की सेहत तभी सुधरेगी, जब हम इसका अनावश्यक दोहन करने की प्रवृत्ति पर लगाम कसने में कामयाब होंगे। *

ग्लोबल वार्मिंग से बढ़ रहा आइसक्रीम का कारोबार

साल 2022 में, भारत में आइसक्रीम बाजार का आकार 3 बिलियन अमेरिकी डॉलर से ज्यादा था, जबकि अगले पांच सालों में 13.49 फीसदी की सालाना वृद्धि दर का अनुमान है। वैश्विक आइसक्रीम बाजार की बात करें तो साल 2018 में यह 62.4 बिलियन डॉलर था, जबकि साल 2025 तक इसके बढ़कर 97.3 बिलियन डॉलर होने का अनुमान है। इन दो तथ्यों से साफ है कि जैसे-जैसे धरती के तापमान में बढ़ोत्तरी हो रही है, उसी रफ्तार से इंसान में गला तर करने वाली ठंडी चीजों की चाहत बढ़ रही है। इससे साफ है कि नए-नए स्वादों, प्रकारों के चलते क्या विकसित और क्या विकासशील, सभी देशों में आइसक्रीम की मांग बढ़ रही है। आइसक्रीम का ग्लोबल वार्मिंग के साथ महज विरोधाभासी रिश्ता भर नहीं है बल्कि सूक्ष्म स्तर पर ही इससे यह साबित होता है कि बढ़ रही गर्मी की बेचैनी ने इंसान को आइसक्रीम जैसी ठंडी चीजों की तरफ आकर्षित किया है।

जानकारों की माने तो साल 2024 आइसक्रीम के करोबार के लिहाज से बहुत हॉट होने वाला है, विशेषकर भारत में जहां आशंका है कि इस साल बाकी सालों के मुकाबले 20 से 22 दिनों तक ज्यादा गर्मी पड़ेगी। साथ ही 13 से 17 दिन तक ज्यादा लू चलेगी। ऐसी स्थिति में ठंडी-ठंडी आइसक्रीम का कारोबार बढ़ेगा ही। खासकर तब, जब आइसक्रीम के बाजार में नए से नए एक्सपेरिमेंट भी हो रहे हैं। इसके अलावा आज अपने देश के लगभग सभी बड़े शहरों में इंडियन आइसक्रीम एक्सपो आयोजित होने लगे हैं। इंडियन मैरिज बाजार के अध्ययन के मुताबिक पिछले एक दशक में शादियों में आइसक्रीम का चलन 20 फीसदी तक बढ़ा है और खान-पान का एक महत्वपूर्ण हिस्सा आइसक्रीम बन गई है। यह भी देखने में आ रहा है कि अब सिर्फ बच्चे ही आइसक्रीम के दीवाने नहीं हैं, अपने देश में होने वाली शादियों में 35 फीसदी से ज्यादा आइसक्रीम बूढ़े और अधेड़ खाते हैं।

डॉक्टर और मनोवैज्ञानिक दोनों इस निष्कर्ष से सहमत हैं कि ग्लोबल वार्मिंग के चलते लोगों में गर्मी के एहसास की जो बेचैनी बढ़ी है, उस वजह से लोगों में मीठा और ठंडा खाने की ललक बढ़ रही है। मतलब साफ है कि जब आसमान से आग बरसेगी तो लोग खुद को तरोताजा रखने के लिए आइसक्रीम जैसी ठंडी चीजों की तरफ आकर्षित होंगे ही। -नयनतारा

महेंद्र सिंह धोनी क्रिकेट के सुपर स्टार्स में शामिल हुए हैं तो इसकी वजह है, उनकी पर्सनालिटी में शामिल कुछ विशेष गुण। इन गुणों को सीखकर आप भी अपनी फील्ड में सफल लीडर बन सकते हैं।

लीडरशिप के कई गुण हमें सिखाते हैं महेंद्र सिंह धोनी

मोटिवेशन / अतुल मलिकराम

अपने क्षेत्र विशेष में किसी न किसी व्यक्ति के ऊपर लीडरशिप का जिम्मा होता ही है। मायने यह रखता है कि वह उसे निभाता किस तरह से है? इस लिहाज से सबसे पहले याद आने वाले नामों में महेंद्र सिंह धोनी का नाम भी शामिल है। धोनी की लीडरशिप क्वालिटीज के बारे में आप भी जरूर जानना चाहेंगे।

उदाहरण से लीड करना : उदाहरण के तौर पर नेतृत्व करना धोनी की लीडरशिप की सबसे महत्वपूर्ण खूबियों में से एक है। धोनी के भीतर हमेशा ही अटूट समर्पण, अविश्वसनीय कार्य नीति और अत्यधिक शांत रहकर अच्छा काम करने की कला रही है। निरंतर सुधार के लिए उनकी प्रतिबद्धता और लगातार शानदार परफॉर्मेंस देने की उनकी क्षमता हमेशा ही उनके साथियों को अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए प्रेरित करती है।

दृढ़ विश्वास से निर्णय लेना: सामान्य स्थिति से परे, विशेष रूप से दबाव में धोनी की निर्णय लेने की क्षमता तारीफ के काबिल है। चाहे वह एक साहसिक टीम का चयन हो, बैटिंग के ऑर्डर का एडजस्टमेंट हो या फिर एक खेल की दिशा बदलकर रख देने वाला कदम, धोनी ने हमेशा अपनी प्रवृत्ति का समर्थन किया और दृढ़ विश्वास के साथ निर्णय लिया। इस अटूट आत्म-विश्वास ने न सिर्फ उन्हें सम्मान दिलाया, बल्कि उनकी टीम में आत्मविश्वास भी जगाया। अपने फैसले पर भरोसा करना और प्रतिकूल परिस्थितियों में भी साहसिक निर्णय लेना हम उनसे सीख सकते हैं।

संयम बनाए रखना: जब दबाव की अधिकता हो, ऐसी स्थिति में धोनी का शांत और संयम वाला व्यवहार सबसे अलग निखरकर आता है। उन्होंने कभी भी स्थिति की गंभीरता को खुद पर हावी नहीं होने दिया, बल्कि हमेशा ही अपने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करते हुए तर्कसंगत निर्णय लिया और अपनी क्षमता से सभी को चकित किया। धोनी का धैर्य हमें चुनौतीपूर्ण समय के दौरान समभाव बनाए रखना सिखाता है।

विनम्रता से काम लेना: अपनी अविश्वसनीय उपलब्धियों के बावजूद धोनी हमेशा ही जमीन से जुड़े और विनम्र बने रहते हैं। वे कभी भी अपनी सफलता का श्रेय स्वयं को नहीं देते हैं, बल्कि अपनी टीम के सामूहिक प्रयासों को देते हैं। लीडर के रूप में, हमें भी विनम्रता से काम लेना चाहिए।

अनुकूलनशीलता और नवीनता: बदलती परिस्थितियों के अनुकूल होने की धोनी की क्षमता और उसके अनुसार नई रणनीतियों के प्रति उनका झुकाव उन्हें अन्य सभी लीडर्स की भीड़ से अलग करता है। स्थिति को देखते हुए हमेशा नए तरीकों की तलाश में रहने वाले धोनी, नई रणनीति और तकनीकों के साथ प्रयोग करने से कभी नहीं डरते हैं। सभी लीडर्स में बदलाव को अपनाने का गुण होना चाहिए।

प्रभावी संवाद: धोनी के लीडरशिप के गुण में कम्युनिकेशन की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। उनके पास अपने विचारों को स्पष्ट रूप से और संक्षेप में यह सुनिश्चित करने की क्षमता है कि टीम का प्रत्येक सदस्य अपनी भूमिकाओं और जिम्मेदारियों को समझे। लीडर्स को चाहिए कि वे प्रभावी कम्युनिकेशन स्किल्स विकसित करने का प्रयास करें, जिससे एक ऐसा वातावरण तैयार हो सके, जहां विचारों का स्वतंत्र रूप से प्रवाह हो और सहयोग को बढ़ावा मिले।

सुनने की क्षमता : धोनी के लीडरशिप के गुणों में से एक है शांति से टीम के सदस्यों की बात सुनने की क्षमता। वे हमेशा ही अपनी टीम के सदस्यों की राय को महत्व देते हैं, उनसे मिलने वाली प्रतिक्रिया को स्वीकार करते हैं और विभिन्न दृष्टिकोणों पर विचार करते हुए निर्णय लेते हैं। कुशल लीडर में यह कला होनी चाहिए।

दूसरों को प्रेरित करना: धोनी के पास अपनी टीम के सदस्यों को प्रेरित करने की अनूठी क्षमता है। वे टीम को अपनी क्षमताओं में विश्वास पैदा कराने का बखूबी हुनर रखते हैं। वे अपनी टीम को चुनौतियों से पार पाने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। लीडर के रूप में, हमें चाहिए कि हम अपनी टीम को हमेशा प्रेरित करने का प्रयास करें।

रोल मॉडल बनें: धोनी की लीडरशिप की विशेषता उनके रोल-मॉडल बनने संबंधित व्यवहार से भी है। वे अनुशासन और समर्पण के लिए उच्च मानक स्थापित करते हुए, अपनी टीम के सदस्यों के कंधे से कंधा मिलाकर खड़े रहने की ताकत रखते हैं। लीडर के रूप में, हमें भी अपने लोगों को प्रेरित करते हुए सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन का प्रयास करना चाहिए। *

कविता / डॉ. नवीन दवे मनावत

बचाने को धरती

वन सूख रहे हैं
पेड़ तरस रहे हैं पानी को
नदियां कर रहीं विलाप
पर्वत गा रहे दुखड़ा
तुम आओ शकुंतला एक बार।
इनको सहलाने, बहलाने
सुनने को क्षणिक पीड़ा
प्रकृति के साथ एक बार फिर रिश्ता
स्थापित करो
मानव को समझाने के लिए आओ।
हे शकुंतले !
कण्व ऋषि का आश्रम
अब बन गया है
अट्टालिकाओं का शहर
हवन कुंड बन गए हैं
कारखानों की चिमनियां
मंत्र ध्वनियां बन गई हैं युद्ध
की मिसाइलें
धर्म बन गया दानव।
सीता तुम भी आओ वन में एक बार
उज्ज्वल करने वाल्मीकि आश्रम को
समता, ममता स्थापित करने को
लव-कुश तुम रोको
विनाश के अश्वमेध को
तुम्हें बुला रही हैं वहीं पेड़
की टहनियां
जिससे बने थे धनुष और बाण
करने को दमन पाप।
ओ वनपुत्रों तुम रोको
शहर की ओर
बढ़ते कदमों को, सहेजो प्रकृति को
जिसने दिया अनुपम आश्रम
रोको और टोको
रोकना-टोकना जरूरी है
बचाने को धरती
रहने को मानवता...

कहानी
यशोधरा भटनागर

पति के गुजरने के बाद वह अकेली रह रही थीं। चारों बच्चे उनसे दूर अपने-अपने जीवन में मशगूल। बच्चों के स्नेह को तरसती, यादों के सहारे जीती एक वृद्धा की मार्मिक कहानी।

एलबम

बेचैनी और घबराहट भरी खाली-खाली रात के बाद सुबह आई, अलसाई सुबह। किसी काम में मन नहीं लग रहा था। बेमन से ही अपनी दिनचर्या को निभाती हुई बगीचे में लाल गुलाब, मोगरा, हरी-हरी दूब से दो बातें करने चल दीं। जल बिंदु पुष्प पंखुड़ियों पर, हरी दूब पर दमकने लगे, हवा के हल्के से झोंके के साथ मन भी बहने लगा। कमर में खोंसा हुआ मोबाइल निकाल कर, चश्मा ठीक करके एक बार फिर देखा कि कोई फोन तो नहीं...। सामने गुलमोहर पर बुलबुल अपने बच्चों को उड़ना सिखा रही थी। वे एकटक देखने लगीं और विचारों की एक लंबी कड़ी जुड़ गई... विचार श्रंखला में उलझा मन। तभी गेट बजा, जरूर 'भूरी' होगी। तंद्रा टूटी, विचारों का ताना-बाना विच्छिन्न हो गया।

अपने सींगों से 'भूरी' गेट टनटना देती है। बिना नागा इसी समय रोटी लेने आती है यह 'भूरो', अपने भूरे रंग से गोमाता ने यह संज्ञा पा ली थी। 'भूरी' के पीछे-पीछे टॉमी भी जूली और चार बच्चों के साथ दुम हिलाते हुए पहुंच गया। सुमी रसोई घर की ओर चल दीं। रात को ही अपनी दो रोटियों के साथ भूरी और श्वान परिवार के लिए भी रोटियां बनाकर रख लेती हैं।

भूरी के सिर पर हाथ फेर, टॉमी को पुचकार वे कमरे में आराम कुर्सी पर बैठ गईं। चाय ठंडी हो गई थी, दो घूंट में गटक ली फिर मोबाइल उठाकर उसमें झांका, कोई मिस्ड कॉल तो नहीं? यूं भी कोई कॉल मिस न हो जाए, वे रात भर सोई ही कहां?

नाश्ता तो बनाना ही होगा, ब्लड प्रेशर की टेबलेट जो लेनी है। उदासीनता ओढ़े हुए, बेसन का घोल तैयार कर, तवे पर दो चीले बना लिए।

इससे जल्दी और सुगमता से शायद और कुछ नहीं बन सकता था। साथ ही अदरक वाली चाय भी चढ़ा ली। वे कभी भी चाय के बिना नाश्ता नहीं करती थीं। इसी बीच फिर मोबाइल में झांक आईं। पहले तो मोबाइल फोन अपने संग ही सहेजे रहती थीं, पर जब से बड़ी ने समझाया तो...। शायद मोबाइल खराब हो गया है...। ऐसा तो हो ही नहीं सकता कि मेरे चारों बच्चों में से किसी ने भी अपनी मां को फोन न किया हो।

पति के गुजर जाने के बाद बड़े-बड़े चार कमरों वाले घर में सुमी अकेली ही रहती थीं। अड़ोसी-पड़ोसी दादी की खोज-खबर लेते रहते थे। उनके अपने सरल-मृदु स्वभाव के कारण वे मोहल्ले भर की 'दादी', 'अम्मा', आंटी बन गई थीं। उनकी अपनी बिटिया की उम्र की रेणु के लिए आंटी से मां हो गई थीं।

फिर भी अपनी संतान को क्षण भर भी नहीं बिसार पातीं, बेटियां तो पराई होती हैं, परवश हैं....। अपना घर-परिवार छोड़कर बार-बार मायके कैसे आ सकती थीं, बड़ी भी और छोटी दोनों समझाती हैं। दिन में दो-तीन बार फोन पर बात कर लेती हैं, पर यह मुआ शनिवार-इतवार काम ज्यादा होता है न, नौकरी वाली हैं दोनों। एक इतवार ही तो मिलता है, उसमें भी ढेरों काम और सब की ढेरों फरमाइश है, पूरी करने में...।

बेटे से बात की थी, आठ दिन हो गए...। खाली मन और खाली हो गया।

चाय के साथ नाश्ता गटक कर, पुरानी भूरे कवर और काले पन्नों वाली एलबम लेकर बैठ गए पहला... दूसरा... तीसरा पृष्ठ... चारों बच्चे उनके साथ उन्हें घेरे हुए बैठे थे और 'छोटी' तो गोद में ही थी, बड़ा गले में बाहें डाले खड़ा था, तुनकमिजाज 'बड़ी' दाहिनी ओर मुंह फुलाए बैठी थी। गोल-मटोल 'छोटा' बलपूर्वक मां की गोद में आने की कोशिश में थोड़ी सी जगह में ही संतुष्टि पा गया था।

एक मुस्कुराहट के साथ उन्होंने अपना चश्मा उतार कर साफ किया और निगाह झांड़-पोंछा लगाती गुड्डो पर टिक गई, पिछले पांच बरस से यही सारा काम संभाल रही है, पर उन्होंने उसे नौकरानी कभी नहीं समझा। धीरे से बोलीं, 'बेटा मेरे साथ कॉम्प्लेक्स चल न! मेरा मोबाइल ठीक कराना है। देख न, कोई फोन ही नहीं आता इसमें...' *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

कविताओं में मुगल स्त्रियां

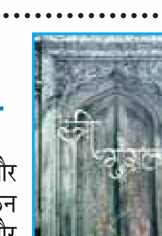

पवन करण की कविताओं में स्त्री जीवन के बाह्य और मनोजगत की गहन छवियां पहले भी प्रकट होती रही हैं। लेकिन उनका नया कविता संग्रह 'स्त्री मुगल' इस लिहाज से और विशिष्ट है कि यह मुगलकालीन स्त्रियों पर केंद्रित एक शोधपरक काव्यात्मक दस्तावेज के रूप में सामने आया है। इसमें अनेक ऐसी मुगलकालीन महिलाओं पर मार्मिक कविताएं हैं, जिनके बारे में आम लोग प्रायः न के बराबर जानते हैं। छोटी-छोटी कविताओं के जरिए पवन ने इतिहास में कहीं विलीन हो चुकी महिलाओं को भावनात्मक शब्दांजलि देने का प्रयास किया है। कहने की जरूरत नहीं कि कवि का यह प्रयास भी ऐतिहासिक महत्व का साबित होगा। *

पुस्तकः स्त्री मुगल(कविता संग्रह), **लेखकः** पवन करण, **मूल्यः**299 रुपए, **प्रकाशकः** राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली

अगर आपकी है रचनात्मक लेखन में रुचि

अगर आप अपने आस-पास की बदलती दुनिया पर नजर रखते हैं। आप हटकर सोचते हैं, आपके भीतर विवेचन और लेखन की क्षमता है, आप पत्रकारिता-लेखन के प्रति प्रतिबद्ध हैं, तो जुड़िए दैनिक हरिभूमि से। हमें दिल्ली में अपने फीचर विभाग के लिए आवश्यकता है-

- वरिष्ठ उप संपादक / उप संपादक
- प्रशिक्षु उप संपादक
- हिंदी टाइपिंग में कुशल ऑपरेटर भी आवेदन कर सकते हैं।

यथाशीघ्र अपना बायोडाटा मेल करें-
E-Mail: haribhoomifeaturedep@gmail.com

हरियाणा, दिल्ली, छत्तीसगढ़ व मध्य प्रदेश से एक साथ प्रकाशित

आईपीएल पाइंट टेबल

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक
राजस्थान	7	6	1	12
कोलकाता	6	4	2	8
चेन्नई	6	4	2	8
हैदराबाद	6	4	2	8
लखनऊ	6	3	3	6
दिल्ली	7	3	4	6
मुंबई	7	3	4	6
गुजरात	7	3	4	6
पंजाब	7	2	5	4
बेंगलोर	7	1	6	2

ऑरेंज कैप

विराट कोहली
361 रन
बेंगलोर

पर्पल कैप

जसप्रीत बुमराह
13 विकेट
मुंबई

बाउंड्री मीटर

979 चौके

575 छक्के

फिटनेस बना मसला पर धोनी का दिमाग एकदम चुस्त, लंबे कॅरियर से मंत्रमुग्ध उथप्पा

एजेंसी ▶▶ लखनऊ

महेंद्र सिंह धोनी के लंबे कॅरियर से मंत्रमुग्ध भारत के पूर्व बल्लेबाज रॉबिन उथप्पा ने कहा कि चेन्नई सुपर किंग्स के इस महान क्रिकेटर का दिमाग अभी भी उतना ही चुस्त है और प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में उनके लंबे सफर पर विराम सिर्फ फिटनेस की वजह से लग सकता है। धोनी ने इस आईपीएल सत्र में जबर्दस्त बल्लेबाजी करते हुए चेन्नई के लिए कई मैचों में ताबड़तोड़ रन बनाए हैं।

उथप्पा ने कहा, 'सिर्फ एक ही चीज उन्हें रोक सकती है, स्वास्थ्य। फिटनेस की वजह से ही शायद वे आगे नहीं खेलें। खेल के लिए उनका जुनून काफी गहरा है और वह खेलते रहना चाहते हैं। अगर कुछ उन्हें रोक सकता है तो वह उनका अपना शरीर है।

गेंदबाजों पर बनाते हैं दबाव

' धोनी की आक्रामक पारियों के बारे में भारत के पूर्व तेज गेंदबाज जहीर खान ने कहा, 'दर्शकों का शोर और तेज होता जा रहा है। एम एस धोनी की मैदान पर मौजूदगी का यह जलवा है। हर पारी में वह और बेहतर खेल रहे हैं। उनका प्रभाव ऐसा है कि वह मैदान पर उतरते ही गेंदबाजों पर दबाव बनाते हैं।'

चेन्नई के दिल की धड़कन हैं धोनी

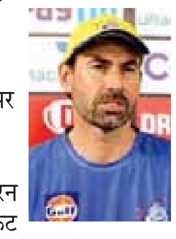

महेंद्र सिंह धोनी को चेन्नई सुपर किंग्स के 'दिल की धड़कन' बताते हुए कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने कहा कि घुटने की चोट से उबरने के बाद वह लंबे समय तक बल्लेबाजी नहीं कर सकते लिहाजा शानदार फॉर्म के बावजूद उन्हें बल्लेबाजी क्रम में ऊपर नहीं भेजा जा सकता। 42 वर्ष के धोनी ने लखनऊ सुपर जाइंट्स के खिलाफ शुक्रवार को नौ गेंद में 28 रन बनाए लेकिन उनकी टीम आठ विकेट से हार गई। धोनी के फॉर्म के बारे में फ्लेमिंग ने कहा, 'यह प्रेरणास्पद है ना। अभ्यास के दौरान भी वह बहुत उम्दा बल्लेबाजी कर रहे हैं। टीम इससे हैरान नहीं है क्योंकि सत्र से पहले तैयारी में भी वह शानदार खेल रहे थे। उनके घुटने में दर्द है और वह इससे उबरने की प्रक्रिया में कुछ ही गेंद खेल सकते हैं।'

ऊपरी क्रम में बल्लेबाजी करना चाहिए

जहां एक तरफ खेल प्रेमी महेंद्र सिंह धोनी के बल्लेबाजी क्रम में ऊपर बल्लेबाजी करने की मांग कर रहे हैं तो वहीं ब्रायन लारा को लगता है कि इस करिश्माई खिलाड़ी से पूछा जाना चाहिए कि क्या वह ऊपरी क्रम में बल्लेबाजी करना पसंद करेंगे? टीम प्रबंधन भी धोनी को ऊपरी क्रम में खिलाना पसंद करेगा लेकिन वेस्टइंडीज के महान क्रिकेटर लारा जानते हैं कि 42 वर्षीय धोनी को घुटने की समस्या है जिससे वह ज्यादा लंबे समय तक बल्लेबाजी नहीं कर सकते इसलिए वह ऊपरी क्रम में बल्लेबाजी की बात पर विचार नहीं करेंगे। घुटने की समस्या के अलावा धोनी उम्र के ऐसे पड़ाव में हैं जहां वह युवाओं को अपनी काबिलियत साबित करने का मौका देना चाहेंगे।

खबर संक्षेप

लड़कियों को खेलों में बढ़ावा दें : तेंदुलकर

रांची। चैंपियन क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर ने अभिभावकों से लड़कियों को खेलों में उतरने के लिए प्रोत्साहित करने का अनुरोध करते हुए कहा कि वे उनके चेहरों पर मुस्कुराहटें लाएंगी। तेंदुलकर और उनकी पत्नी अंजलि यहां युवा फाउंडेशन की फुटबॉल खिलाड़ी लड़कियों की हौसलाअफजाई के लिए आए हैं। युवा और सचिन तेंदुलकर फाउंडेशन मिलकर लड़कियों को फुटबॉल का प्रशिक्षण देते हैं। तेंदुलकर और अंजलि ने फुटबॉल खिलाड़ियों से बात भी की।

रूड और सिटसिपास सेमीफाइनल में पहुंचे

बार्सीलोना। कैस्पर रूड और स्टेफानोस सिटसिपास ने बार्सीलोना ओपन टेनिस के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया और दोनों की टक्कर लगातार दूसरे फाइनल में हो सकती है।

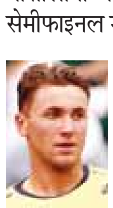

रूड ने मात्तेओ अर्नाल्डी को 6-4, 6-3 से हराकर सत्र में 27वीं जीत दर्ज की। वहीं सिटसिपास ने फाकुंडो डियाज को 4-6, 6-3, 7-6 से मात दी। रूड का सामना अब थॉमस मार्टिन ई से होगा जिन्होंने कैमरन नॉरी को 7-6, 7-6 से हराया। वहीं सिटसिपास की टक्कर डुसान लाजोविच से होगी जिन्होंने आर्थर फिल्स को 6-4, 3-6, 6-2 से मात दी।

राहुल, ऋतुराज पर लगा 12-12 लाख जुर्माना

लखनऊ। लखनऊ सुपर जाइंट्स के कप्तान केएल राहुल और चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ पर आईपीएल के मैच के दौरान धीमी ओवरगति के लिये 12-12 लाख रुपए जुर्माना लगाया गया है।

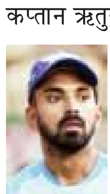

लखनऊ ने अपने मैदान पर खेलते हुए चेन्नई को शुक्रवार को आठ विकेट से हराया। आईपीएल की आचार संहिता के तहत धीमी ओवरगति का इन टीमों का यह पहला अपराध था तो राहुल और ऋतुराज पर जुर्माना लगाया गया।

आईपीएल : सात मैचों में से छह हार से आरसीबी 10वें स्थान पर

खराब फॉर्म से जूझ रही बेंगलोर के सामने केकेआर की कठिन चुनौती

एजेंसी ▶▶ कोलकाता

हार दर हार से आजिज आ चुकी रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर को बखूबी पता है कि अब किसी चूक की गुंजाइश नहीं है लिहाजा रविवार को कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग के मैच में उसे हर हालत में अच्छा प्रदर्शन करना होगा।

सात मैचों में से छह हार के बाद आरसीबी का पहला आईपीएल खिताब जीतने का सपना टूटता नजर आ रहा है। लगातार पांच हार के बाद आरसीबी अंकतालिका में सबसे नीचे है और प्लेआफ की उम्मीदें बनाए रखने के लिए उसे बाकी सातों मैच जीतने होंगे।

आरसीबी की कमजोर कड़ी उसके गेंदबाज साबित हुए हैं और टीम पूरी तरह से विराट कोहली, फाफ डु प्लेसी और दिनेश कार्तिक की बल्लेबाजी पर निर्भर रही है। ऐसे में केकेआर की चुनौती उसके लिए काफी कठिन होगी। कप्तान फाफ डु प्लेसी ने कहा था, 'गेंदबाजी में हमारी तरकश में ज्यादा तीर नहीं है। इससे सारा दबाव बल्लेबाजों पर आन पड़ा है।

हम सिर्फ बड़े स्कोर बनाकर ही मैच जीत सकते हैं।' सनराइजर्स हैदराबाद ने आरसीबी के खिलाफ ही टूर्नामेंट का सर्वोच्च स्कोर तीन विकेट पर 287 रन बनाया था।

टीम कोहली, डुप्लेसी और कार्तिक पर निर्भर

इस सत्र में सबसे महंगे 11 करोड़ 50 लाख रुपए में खरीदे गए अल्जारी जोसफ ने तीन मैचों में एक ही विकेट लिया और 11.89 की इकॉनॉमी रेट से रन दिए। बल्लेबाजी में टीम कोहली, डुप्लेसी और कार्तिक पर ही निर्भर है। कोहली 72.20 की औसत से 361 रन बना चुके हैं लेकिन 135 का स्ट्राइक रेट चिंता का विषय है। वह सातवें से 15वें ओवर के बीच स्पिनरों के सामने तेजी से रन नहीं बना पा रहे। कार्तिक ने 205 से अधिक की औसत से 226 रन बनाए हैं।

केकेआर ने गंवाया पिछला मैच

केकेआर को पिछले मैच में आखिरी गेंद पर राजस्थान रॉयल्स ने हराया था। केकेआर ने आरसीबी की तुलना में एक मैच कम खेला है और उसकी नजरें जीत की राह पर लौटने पर लगी होंगी। नारायण ने सिर्फ स्पिन गेंदबाजी ही नहीं बल्कि बल्लेबाजी के जौहर भी दिखाए हैं। उन्होंने रॉयल्स के खिलाफ पिछले मैच में पहला टी20 शतक जमाया। उनका स्ट्राइक रेट भी 187 के करीब रहा है। फिल साल्ट ने 151 से अधिक की औसत से रन बनाए हैं।

जीत की राह पर लौटने उतरेंगे पंजाब और गुजरात

मुल्लांपुर। लगातार हार के बाद अंकतालिका में नीचे खिसकी पंजाब किंग्स और गुजरात टाइटंस इंडियन प्रीमियर लीग में रविवार को जब आमने सामने होंगी तो दोनों का इरादा जीत की राह पर लौटने का होगा। पूर्व चैंपियन गुजरात टाइटंस पिछले मैच में दिल्ली कैपिटल्स से हारने के बाद आठवें स्थान पर खिसक गई है। दिल्ली ने उसे 89 रन पर समेट दिया था और चार मैचों में यह उसकी तीसरी हार थी। पंजाब किंग्स नौवे स्थान पर है जिसे मुंबई इंडियंस ने नौ रन से हराया। जीत के लिए 193 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए उसने चार विकेट 14 रन पर गंवा दिए थे लेकिन उसके बाद आशुतोष शर्मा और शशांक सिंह ने टीम को मैच में लौटाया। सात मैचों में पांच हार और दो जीत से टीम का आत्मविश्वास डिगा हुआ है लेकिन विरोधी टीम का भी वही हाल है।

खास खबर

मनु का शानदार प्रदर्शन अनीश पुरुष वर्ग में जीते

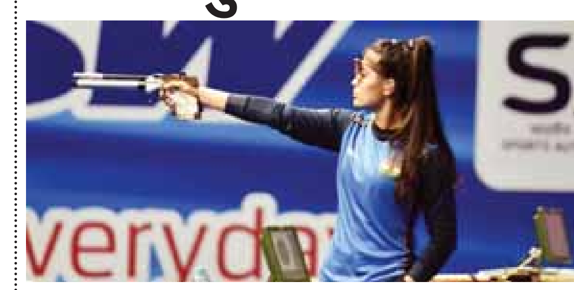

नई दिल्ली। मनु भाकर ने ओलंपिक चयन ट्रायल वन में महिलाओं के 25 मीटर पिस्टल क्वालीफिकेशन में शानदार प्रदर्शन करते हुए छह अंक से विश्व रिकॉर्ड तोड़ा जबकि अनीश भानवाला ने पुरुषों का 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल ट्रायल जीता। ओलंपियन मनु ने महिलाओं के 25 मीटर पिस्टल क्वालीफिकेशन में पहला स्थान हासिल किया। उन्होंने पांच रैपिड फायर शॉट की दस सीरिज में 47 अंक बनाए। ईशा सिंह सातवीं सीरिज के बाद बाहर हो गई थी। ईशा अभी भी महिलाओं के 25 मीटर पिस्टल वर्ग में आगे हैं जिन्होंने क्वालीफाइंग में 585 अंक बनाए। मनु दूसरे स्थान पर है जबकि सिमरनप्रीत, अभिंध्या और रिदम सांगवान उनसे पीछे हैं। पुरुषों के रैपिड फायर पिस्टल में अनीश शीर्ष पर रहे जबकि विजयवीर सिद्धू उनसे छह अंक पीछे रहे।

60 घंटे शतरंज खेलने का बनाया रिकॉर्ड

न्यूयार्क। नाइजीरिया के शतरंज चैंपियन और अधिवक्ता टुंडे ओनाकोया ने गिनीज विश्व रिकॉर्ड तोड़ने के लिए न्यूयार्क के टाइम्स स्क्वायर में 60 घंटे तक लगातार शतरंज खेला। ओनाकोया (29 वर्ष) को बुधवार को शुरू हुए रिकॉर्ड प्रयास के जरिए पूरे अफ्रीका में बच्चों की शिक्षा के लिए 10 लाख डॉलर जुटाने की उम्मीद है। ओनाकाया एक बाल शिक्षा अधिवक्ता हैं, उन्होंने 58 घंटे तक शतरंज खेलने के लिए तैयारी की थी, लेकिन शनिवार सुबह करीब 12:40 बजे 60 घंटे तक शतंरज खेलते रहे। इस तरह उन्होंने 56 घंटे नौ मिनट और 37 सेकंड के मौजूदा शतरंज मैराथन रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया जो 2018 में नार्वे के हॉलवर्ड हॉग फ्लैटबो और सजुर फर्किगस्टेड ने बनाया था।

राहुल, डिकॉक ने की विश्व स्तरीय बल्लेबाजी

लखनऊ। लखनऊ सुपर जाइंट्स के तेज गेंदबाज मैट हेनरी ने कप्तान केएल राहुल और क्विंटोन डिकॉक की 'विश्व स्तरीय' बल्लेबाजी की तारीफ करते हुए कहा कि पहले विकेट की शतकीय साझेदारी से उन्हें चेन्नई सुपर किंग्स के बेहतरीन गेंदबाजी आक्रमण पर दबाव बनाने में मदद मिली। जीत के लिए 177 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए राहुल (82) और डिकॉक (54) की पारियों के दम पर लखनऊ ने आठ विकेट से जीत दर्ज की। हेनरी ने मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा, 'बल्लेबाजी की बात करें तो सलामी साझेदारी बेहतरीन रही। केएल और क्विंटोन ने मैच का रुख हमारी तरफ कर दिया।

क्विंटल एआरआरसी में 11वें स्थान पर रहे

नई दिल्ली। होंडा रेसिंग इंडिया के केविन क्विंटल शनिवार को चीन में एफआईएम एशिया रोड रेसिंग चैम्पियनशिप (एआरआरसी) के दौरान दूसरे दौर की पहली रेस में 11वें स्थान पर रहे। क्विंटल ने इस तरह होंडा टीम को पांच अंक दिलाये जबकि उनके साथी मोहसिन 20वें स्थान पर रहे। ग्रिड पर 15वें स्थान से शुरुआत करते हुए क्विंटल ने अंतिम लैप में तेजी पकड़ी और 19:03.094 सेकेंड के समय से 11वें स्थान पर रहे।

स्टटगार्ट ओपन...

स्टटगार्ट। जर्मनी के स्टटगार्ट में पोर्श एरेना में पोर्श टेनिस ग्रां प्री स्टटगार्ट 2024 के छठे दिन शनिवार को सेमीफाइनल में कजाकिस्तान की एलेना रयबाकिना के खिलाफ पोलैंड की इगा स्विएटेक ने शानदार चुनौती पेश किया।

विनेश ने भारत के लिए जीता ओलंपिक कोटा

एजेंसी ▶▶ बिश्केक

भारत की स्टार पहलवान विनेश फोगाट ने शनिवार को यहां एशियाई ओलंपिक क्वालीफायर में महिलाओं के 50 किग्रा वर्ग में एक भी अंक गंवाए बिना फाइनल में पहुंचकर पेरिस ओलंपिक का कोटा पक्का कर लिया।

यह पेरिस ओलंपिक के लिए भारत का दूसरा कोटा है। उनसे पहले अंतिम पंघाल ने पिछले साल विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतकर 53 किग्रा वर्ग में कोटा हासिल किया था। यह 29 साल की विनेश का लगातार तीसरा ओलंपिक कोटा है। उन्होंने इससे पहले रियो ओलंपिक(2016) और टोक्यो ओलंपिक (2020) में भी हिस्सा लिया था। विनेश ने मजबूत प्रदर्शन करते हुए अपने प्रतिद्वंद्वियों को मात दी। उन्होंने पहले कोरियाई प्रतिद्वंद्वी मिरान चियोन को एक मिनट 39 सेकंड तक चले मुकाबले में हराया। उनकी मजबूत पकड़ का विरोधी के पास कोई जवाब नहीं था। अगले मुकाबले में उन्होंने 67 सेकंड में कंबोडिया की एसमानांग डिट को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। सेमीफाइनल में कजाखस्तान की 19 साल की पहलवान लौरा गानिकिजी ने उनके सामने थोड़ी चुनौती पेश की लेकिन इस भारतीय पहलवान ने अपने अनुभव का इस्तेमाल कर युवा प्रतिद्वंद्वी को मात दी।

मैच फीस का 20 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया

डेविड और पोलार्ड पर सूर्या की मदद करने के लिए लगा जुर्माना

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

मुंबई इंडियंस के बल्लेबाज टिम डेविड और बल्लेबाजी कोच कीरोन पोलार्ड पर 18 अप्रैल को मुल्लांपुर में पंजाब किंग्स के खिलाफ मैच के दौरान इंडियन प्रीमियर लीग की आचार संहिता का उल्लंघन करने के लिए मैच फीस का 20 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है।

यह जुर्माना मैच का एक वीडियो वायरल होने के कारण खड़े हुए विवाद के बाद लगाया गया है। इस वीडियो में दिख रहा था कि पांच बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस के सदस्य और सहयोगी स्टाफ कथित रूप से बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव को रिव्यू लेने के लिए कह रहे थे जो आईपीएल की आचार संहिता के खिलाफ है। आईपीएल ने कहा, 'डेविड और पोलार्ड ने आईपीएल की आचार संहिता के अनुच्छेद 2.20 के अंतर्गत लेवल एक का अपराध किया है। डेविड और पोलार्ड पर उनकी मैच फीस का 20 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। दोनों ने उल्लंघन स्वीकार कर लिया और मैच रेफरी द्वारा लगाया जुर्माना स्वीकार कर लिया है। आचार संहिता के लेवल एक के उल्लंघन के लिए मैच रेफरी का फैसला अंतिम और मान्य होता है।'

जानता था कि नारायण टी 20 का महान क्रिकेटर बनेगा : गंभीर

कोलकाता। भारत के पूर्व क्रिकेटर गौतम गंभीर ने सुनील नारायण को इंडियन प्रीमियर लीग का सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज बताते हुए कहा कि जब उसने 2011 में भारत के खिलाफ वनडे पदार्पण किया था तो उन्हें अंदाजा हो गया था कि वेस्टइंडीज का यह खिलाड़ी टी20 क्रिकेट का महान क्रिकेटर बनेगा। गंभीर ने 'केकेआर नाइट्स डगआउट पोडकास्ट' में कहा, 'मेंने सात या आठ गेंदों का ही सामना किया होगा और मुझे लगा कि यह खिलाड़ी खेल का महान क्रिकेटर बनेगा, विशेषकर टी20 क्रिकेट में। देखिए अब सुनील नारायण कहां हैं? शायद वह आईपीएल इतिहास का सबसे महान गेंदबाज है।'

पश्चिम मध्य रेल
संकेत एवं दूरसंचार विभाग
खुली निविदा

मंडल रेल प्रबन्धक (संकेत एवं दूरसंचार) पश्चिम मध्य रेलवे, जबलपुर भारत संघ के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से निम्न लिखित कार्यों हेतु निर्धारित ई-निविदा आमंत्रित करते हैं: **निविदा सूचना क्रमांक:** जबल-एन-टेली-टेण्डर-2024-05, **कार्य का नाम लोकेशन सहित:** जबलपुर मंडल के पिपरिया स्टेशन पर 12 मीटर चौड़े निर्माण के लिए प्लेटफार्म के सुधार/उठाने/सरफेसिंग के संबंध में एसएंडटी कार्य, **निविदा का अनुमानित मूल्य (₹ में):** ₹ 10,42,334.89, **निविदा फार्म की कीमत (₹ में):** ₹ 00/-, **कार्यालय का पता:** मंडल रेल प्रबंधक (संकेत एवं दूरसंचार) कार्यालय, प्रथम तल, मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, जबलपुर, **बयाना राशि (₹):** ₹ 20,900.00, **समापन अवधि (माह):** 06 माह, **निविदा बंद होने एवं खुलने की अंतिम तिथि एवं समय:** दिनांक 17.05.2024 को 15:00 बजे तक बंद होगी एवं 15:00 बजे के बाद खोली जाएगी। **नोट:** निविदा सूचना की पूर्ण जानकारी रेलवे वेबसाइट **"https://ireps.gov.in"** पर उपलब्ध है तथा मंडल रेल प्रबंधक (संकेत एवं दूरसंचार) कार्यालय पश्चिम मध्य रेल जबलपुर के नोटिस बोर्ड पर भी उपलब्ध है। उक्त निविदा उक्त वेबसाइट से ओनलाईन ही आवेदन की जा सकती है।

मंडल रेल प्रबंधक (संकेत एवं दूरसंचार)
पश्चिम मध्य रेलवे, जबलपुर

स्वच्छ भारत अभियान
एक कदम स्वच्छता की ओर

क्षेत्रीय कार्यालय, मध्य प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, जबलपुर
लोक सुनवाई की आम सूचना

सर्वसबंधितो को सूचित किया जाता है कि भारत सरकार पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय नई दिल्ली की पर्यावरण प्रभाव आंकलन अधिसूचना कमांक एस.ओ. 1533 दिनांक 14.9.2006 यथा संशोधित के प्रावधानों के अन्तर्गत मेसर्स अतीशा कन्सट्रक्शन प्रा.लि. लेटेराईट एण्ड ऑकर माईन खसरा नं. 743/1, 743/2, 743/3, 744, 745, 746, 747, 748 एवं 749 ग्राम सरौली, तहसील सिहोरा, जिला जबलपुर, लीज क्षेत्रफल 4.69 हेक्टेयर, उत्खनन क्षमता लेटेराईट एण्ड ऑकर माईन 99,999 घनमीटर प्रति वर्ष हेतु पर्यावरण स्वीकृति के लिये भारत सरकार पर्यावरण एवं वन मंत्रालय नई दिल्ली द्वारा गठित राज्य स्तरीय विशेषज्ञ आंकलन समिति भोपाल से पर्यावरणीय स्वीकृति प्राप्त करने के अनुक्रम मे लोक सुनवाई कराने हेतु म.प्र. प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड भोपाल मे आवेदन प्रस्तुत किया गया है। उक्त परियोजना से संबंधित ई.आई.ए. रिपोर्ट एवं परियोजना का कार्यकारी सारांश हिन्दी व अंग्रेजी में साफ्ट कापी सहित का अवलोकन (1) कार्यालय कलेक्टर जबलपुर (2) कार्यालय जिला पंचायत, जबलपुर, (3) कार्यालय जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र जबलपुर, (4) कार्यालय ग्राम पंचायत ग्राम सरौली तहसील सिहोरा, जिला जबलपुर, (5) अतिरिक्त प्रधान मुख्य संरक्षक, केन्द्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, केन्द्रीय पर्यावरण भवन लिंक रोड कमांक 3 राजयोग भवन के पास ई-5 अरेरा कालोनी भोपाल (6) मुख्यालय म.प्र.प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, ई-5 अरेरा कालोनी भोपाल एवं (7) क्षेत्रीय कार्यालय म.प्र.प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड प्लाट नं 455/456 विजयनगर जबलपुर मे कार्यालयीन समय में किया जा सकता है तथा इसे बोर्ड की बेवसाइड www.mppcb.nic.in पर भी देखा जा सकता है। जिस किसी व्यक्ति को उक्त खदान के पर्यावरणीय विषय के संबंध में कोई सुझाव, विचार, टीका टिप्पणी एवं आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वह इस सूचना के जारी होने के दिनांक से 30 दिवस के अन्दर क्षेत्रीय अधिकारी म.प्र. प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड विजय नगर जबलपुर (म.प्र.) के कार्यालय में मौखिक अथवा लिखित रूप से कार्यालयीन समय मे प्रस्तुत की जा सकती है। इस परियोजना के लिए लोक सुनवाई दिनांक 28.05.2024 दिन मंगलवार को दोपहर 02:00 बजे मेसर्स अतीशा कन्सट्रक्शन प्रा.लि. लेटेराईट एण्ड ऑकर माईन ग्राम सरौली, तहसील सिहोरा, जिला जबलपुर के खदान परिसर में आयोजित की जायेगी जिसमे भी सुझाव, विचार, टीका/ टिप्पणी एवं आपत्ति दर्ज कराई जा सकती है।

क्षेत्रीय अधिकारी

बदन को चुभ रहे गर्म हवा के थपेड़े

गर्मी अब अपने प्रचंड रूप में

जबलपुर। मौसम शुष्क होने के साथ ही तापमान ने उछाल मारनी शुरू कर दी। शनिवार को पारा 40 डिग्री पर रहा। मौसम विभाग की मानें तो हवाओं में नमी खत्म हो जाने से मौसम शुष्क हो चला है, जो तापमान को बढ़ने का मौका दे रहा है। कल दिन में धूप के थपेड़े बदन पर मार कर रहे थे। सड़कें दोपहर में वीरान नजर आ रही थीं। शादी व्याह वाले परिवार के लोग पसीना बहाते गमछा लपेट कर शीतल पेयों के सहारे किसी तरह अपना काम निपटा रहे थे। काम से थके लोगों को छांव की तलाश और शीतल हवाओं की दरकार महसूस हो रही थी।

स्थानीय मौसम विज्ञान केन्द्र से प्राप्त जानकारी के अनुसार हवा में नमी घटने और मौसम शुष्क होने तापमान को मनमानी करने का मौका मिल गया। फिलहाल मौसम शुष्क बना हुआ है। कोई अप्रत्याशित स्वभाव मौसम का नहीं बदला तो अब गरमी अपना असर दिखाएगी। मौसम विभाग के मुताबिक पिछले 24 घंटों के दौरान नगर का अधिकतम तापमान 40.1 डिग्री सेल्सियस सामान्य से 2 डिग्री अधिक दर्ज किया गया। वहीं न्यूनतम तापमान 25.0 डिग्री सेल्सियस सामान्य से 1 डिग्री अधिक दर्ज किया गया। हवा में नमी प्रातकाल 35 प्रतिशत और सायंकाल 23 प्रतिशत आंकी गई। सूर्योदय सुबह 5.44 बजे और सूर्यास्त शाम 6.33 बजे हुआ। पश्चिमी हवायें 6 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलीं। प्रदेश में सबसे अधिक 42.5 डिग्री तापमान खड़वा में और सबसे कम न्यूनतम 20.5 रीवा में दर्ज किया गया। गत वर्ष आज के दिन अधिकतम तापमान 37.6 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 22.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था।

मरीजों की संख्या में डेढ़ हजार की वृद्धि, 10 साल तक के बच्चे भी चपेट में

मौसम के बदलाव से बढ़ी बीमारियां

जबलपुर। मध्य प्रदेश में बीते कुछ दिनों से मौसम का मिजाज बदला हुआ है। आंधी बारिश और ओलावृष्टि के बाद गर्मी के तीखे तेवरों से आम जनता अब परेशान होने लगी है। इसी बीच मौसम के बदलाव से अस्पतालों में मरीजों की गिनती भी बढने लगी है।

जबलपुर समेत मप्र के कई जिलों में बीते एक महीने से मौसम में बदलाव देखा जा रहा है। कभी काले बादल और आंधी तो कभी भीषण गर्मी ने जनता को परेशान करके रखा है। ऐसे में लगातार हो रहे मौसम में बदलाव के चलते इसका असर आम जनता की सेहत पर भी दिखने को मिल रहा है। जिला अस्पताल के चिकित्सकों का कहना है कि मौसम में आए बदलाव के कारण मरीजों की संख्या में डेढ़ हजार के करीब वृद्धि देखने को मिली है। उन्होंने कहा अस्पताल प्रबंधन पूरी तरह सक्रिय हो चुका है। अचानक मरीजों की संख्या बढने से सभी तरीके की तैयारी अस्पताल प्रबंधन द्वारा कर ली गई है। ऐसे में सर्दी बुखार जुकाम के मरीज ज्यादा सामने आ रहे हैं। बढ़ते मरीजों की गिनती में सबसे ज्यादा 10 साल के बच्चे हैं। ऐसे में बच्चों के वार्ड में चाइल्ड स्पेशलिस्ट और एक्स्ट्रा स्टाफ का इंतजाम करके रखा गाया है।

स्कूली बच्चों के बस्ते का बोझ कम करने आयोग के निर्देश

जबलपुर। प्रदेश के छोटे स्कूली बच्चो के लिए बस्ते का बोझ कम करने के मामलें में मानव अधिकार आयोग ने संज्ञान लेते हुए जिला शिक्षा अधिकारी से प्रतिवेदन मांगा है साथ ही निर्देशित किया है कि प्रदेश के सभी जिलों के शिक्षा अधिकारी प्रत्येक तीन माह में स्कूली बच्चों के बैग के वजन की जांच रेडंमली करें और स्कूल बैग के वजन कम कराना सुनिश्चित करें। मध्यप्रदेश मानव अधिकार आयोग के क्षेत्रीय कार्यालय प्रभारी सुश्री फरजाना मिर्जा ने बताया कि आयोग की मुख्य पीठ भोपाल के सदस्य राजीव कुमार टंडन ने मामला दर्ज कर जिला शिक्षा अधिकारी से प्रतिवेदन मांगा हैं, साथ ही जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देशित किया कि वे समस्त प्राचार्य शासकीय, अशासकीय, अनुदान प्राप्त हाई, हायर सेकेण्डरी विद्यालयों को दिशा निर्देश जारी करे की कक्षावर बस्ते का बोझ का निर्धारण किया जाये।

होम्योपैथी कॉलेजों में अब 40 फुल टाइम फैकल्टी नियुक्त करना होगी

नए सत्र से नई गाइडलाइन लागू होगी

जबलपुर। होम्योपैथी कॉलेजों में नए सत्र से नई गाइडलाइन लागू होने जा रही है। इसके लिए राष्ट्रीय होम्योपैथी आयोग ने सभी कॉलेजों को सख्त निर्देश जारी किए हैं। इसमें कई अहम बदलाव किए गए हैं। अब होम्योपैथी कॉलेजों को 28 के बजाय 40 फुल टाइम फैकल्टी रखना होगी। क्वालिटी एजुकेशन को ध्यान में रखकर यह कदम उठाया गया है। इसके साथ ही कॉलेजों में हर क्लासरूम में सीसीटीवी लगाना अनिवार्य होगा। यही नहीं, लैब में भी सीसीटीवी लगाए जाएंगे। इसके अलावा सभी बॉयोमेट्रिक मशीन के ऊपरी हिस्से में, होम्योपैथी हॉस्पिटल के प्रमुख हिस्सों में भी कैमरे लगाना अनिवार्य किया गया है। खास बात यह है कि अब होम्योपैथी कॉलेजों की आयोग द्वारा ऑनलाइन मॉनिटरिंग की जाएगी। हर माह की रिकॉर्डिंग आयोग को भेजना होगी। इससे पता चल सकेगा कि नियमित क्लासेस लग रही हैं या नहीं। कॉलेज में छात्र लैब में पहुंचकर रिसर्च कर रहे हैं या नहीं। कॉलेज के अस्पताल में आने वाले मरीजों को समुचित इलाज व दवाइयां दी जा रही हैं या नहीं। ऐसी तमाम तरह की मॉनिटरिंग आयोग द्वारा की जाएगी।

हरिभूमि पाठक पुरस्कार योजना-2023 के विजेताओं के नाम

शहडोल - राजेंद्र प्रसाद गुप्ता स्व.लक्ष्मण प्रसाद गुप्ता टंकी तिराहा ब्यौहारी जिला शहडोल,अमित यादव श्री सूर्यभान यादव ग्राम पंचायत ब्यौहारी जिला शहडोल, प्रगति जैन श्री रजनीश कुमार जैन जीवनदीप बुढ़ार शहडोल, रामदयाल लखेरा स्व.रामदीन लखेरा लखेरन टोला बुढ़ार शहडोल, रविंद्र गुप्ता श्री कुमार गुप्ता वार्ड नंबर 9 स्नेहा भवन बुढ़ार **उमरिया**- अरुण कुमार विश्वकर्मा श्री सुखलाल विश्वकर्मा वार्ड नंबर 2 बिरसिंहपुर पाली जिला उमरिया **अनूपपुर**- केशव आर्य श्री किशन चंद्र आर्य गांधी चौक कोतमा, राजेश कुमार जैन श्री रमेश चंद्र जैन वार्ड क्रमांक 3 गुरुद्वारा रोड कोतमा, मो.रकीब मो.कयूम लहसुई कैंप वार्ड क्रमांक 13 कोतमा, जगतपाल केवट श्री सुंदरलाल केवट निगवानी रोड कोतमा वार्ड क्रमांक 4 सतीश चंद्र गुप्ता स्व. इंद्दर गुप्ता हनुमान मंदिर कोतमा, बाला प्रसाद सोनी श्री लक्ष्मी प्रसाद सोनी वार्ड क्रमांक 10 कोतमा, हरिहर प्रसाद प्रजापति स्व गणेशदीन प्रजापति विकास नगर वार्ड नंबर 9 कोतमा मनीष सेन श्री केदार प्रसाद सेन कोतमा बस स्टैंड जिला अनूपपुर, संजय नामदेव श्री राम मिलन नामदेव निगवानी रोड कोतमा, सकीश निशा नसरुद्दीन अंसारी लहसुई कैंप वार्ड क्रमांक 13 कोतमा,मुकेश शर्मा स्व. मुरलीधर शर्मा स्टेशन रोड कोतमा, लालू लाल नामदेव श्री दद्दी प्रसाद नामदेव वार्ड क्रमांक 13 आनंद चौक कोतमा, दीपचंद अग्रवाल एडवोकेट श्री बेटा लाल अग्रवाल वार्ड क्रमांक 8 थाना के पीछे कोतमा, डॉ. हिना बनर्जी स्व.अरुण कुमार बनर्जी वार्ड नंबर 4 बिजली ऑफिस रोड कोतमा, जितेंद्र कुमार गौतम स्व. बाला प्रसाद गौतम मुखर्जी चौक कोतमा, रमेंद्र कुमार गरेवाला स्व. जीवन लाल वार्ड क्रमांक 10 विकास नगर कोतमा, भोला यादव पूरन लाल यादववार्ड क्रमांक 11 गोविंदा गांव कोतमा, अवराद अहमद सरगी इम्तियाज अहमद एसबीआई रोड कोतमा वार्ड क्रमांक 3, रमेश सोनी विश्वनाथ सोनी दफई टोला वार्ड क्र.1 की कोतमा, रवि शंकर अग्रवाल कैलाश प्रसाद अग्रवाल वार्ड क्रमांक 2 महावीर मार्ग कोतमा, सूरत लाल चौधरी हंसराज चौधरी विकास नगर कोतमा वार्ड क्रमांक 10, वीरेंद्र कुमार जैन स्व.नाथूलाल जैन देवी जी रोड कोतमा, निगार फातिमा असहर अली खान लहसुई कैंप कोतमा, अरुण कुमार सोनी स्व.राधेलाल सोनी वार्ड क्रमांक 2 हनुमान अखाड़ा कोतमा, कंछेदीलाल जैन स्व.नाथूलाल छेदी जैन आजाद चौक वार्ड क्रमांक 3 कोतमा, राकेश तिवारी दिनेश प्रसाद तिवारी चेतना नगर नई बस्ती अनूपपुर, डी.एन.अयतुलवार स्व.एन.एल अयतुलवार वार्ड नंबर चेतना नगर अनूपपुर, पूर्णिमा सोनी श्री कैलाश प्रसाद सोनी सामुदायिक भवन के पीछे वार्ड क्रमांक 9 **गाडरवारा**- बसंत शुक्ला स्व.भगवती प्रसाद शुक्ला इंद्रा कॉलोनी आजाद वार्ड गाडरवारा, सैयद माशूक अली सैयद इस्तेयाक अली छाया स्टूडियो शक्ति चौक गाडरवारा,राजेश कुमार श्रीवास श्री अमृतलाल श्रीवास वृंदावन कॉलोनी गांधी वार्ड गाडरवारा **नरसिंहपुर**-पदम सिंह राजपूत,श्री बाला प्रसाद राजपूत महेंद्र वार्ड करेली नरसिंहपुर, मोहनलाल गुप्ता स्व.शिवराज गुप्ता चितरंजन चौक करेली नरसिंहपुर, प्रमोद चौरसिया स्व.गुरुदेव चौरसिया बाबा पान मंदिर करेली, राजकुमार साहनी स्व.बल्देवराज साहनी जयप्रकाश वार्ड करेली, रमेश कुमार रैकवार श्री उददे प्रसाद लक्ष्मी नारायण वार्ड करेली,अची शुक्ला श्री अनिमेष शुक्ला गांधी चौक नरसिंहपुर, आशीष पचौरी श्री राजेंद्र पचौरी गांधी चौक के पास नरसिंहपुर, दीप शिखा पटेल सरस्वती विद्या मंदिर के पास नरसिंहपुर, सोनम साहू श्री संतोष साहू नेहरू वार्ड नरसिंहपुर, नंदिनी उईके श्री राम प्रसाद उईके नेहरू वार्ड नरसिंहपुर, आदविका शुक्ला श्री अखिलेश शुक्ला गांधी चौक के पास नरसिंहपुर, तलिका पचौरी श्री महेश पचोरी नेहरू वार्ड नरसिंहपुर, नंदनी साहू श्री परसोत्तम साहू सरस्वती स्कूल के पास नरसिंहपुर **सिवनी**-विनिता सनोदिया,धर्मेद्र सनोदिया छिंदवाड़ा रोड सिवनी, विजय कुमार नाहटा स्व. लाभचंद नाहटा बुधवारी बाजार सिवनी मध्य प्रदेश,रूपलाल सिंगरोरे श्री लखन लाल सिंह एफ.सी.आई गली नंबर 3 कस्तूरबा वार्ड मंगली पेठ सिवनी, गया प्रसाद बुनकर श्री सुखराम बुनकर इंदिरा कॉलोनी दमुआ सिवनी

पन्ना-नित्या गौतम स्व पियूष गौतम वार्ड नंबर 13 बेनी सागर मोहल्ला पन्ना, सत्यम दिवेदी श्री राजेंद्र दिवेदी इंद्रपुरी कॉलोनी पन्ना, प्रयाग मणि उपाध्याय स्व गया प्रसाद उपाध्याय कांच मंदिर के पास पन्ना, रमन त्रिपाठी श्री शिव रतन त्रिपाठी शिवानंद कुटी के पास पन्ना **भुआ बिछिया मंडला**-शिव कुमार यादव स्व.श्री जी एल यादव माझीपुर, सुबोध अग्रवाल स्व. श्री शशि अग्रवाल भुआ बिछिया मंडला, राहुल श्रीवास्तव जगन्नाथ श्रीवास भुआ बिछिया मंडला, दुर्गेश राजपूत श्री पिंकू राजपूत भुआ बिछिया मंडला, लखन योगी रघुवीर जोगी भुआ बिछिया मंडला, राजेश कुमार यादव श्री महिलाल यादव भुआ बिछिया मंडला परमांही टोला, अतुल अग्रवाल , श्री अनिल अग्रवाल बुआ बिछिया, नवल सिंह मरावी श्री चित्रा सिंह मरावी जैतीपुर भुआ बिछिया मंडला, कमोद कुमार यादव श्री अनंतराम भुआ बिछिया मंडला, राहुल जोगी श्री लखन योगी भुआ बिछिया मंडला, शिवांगी नामदेव सुनील नामदेव भुआ बिछिया मंडला, अनिल अग्रवाल श्री लखन लाल अग्रवाल भुआ बिछिया मंडला, संतोष कुमार झारिया श्री पिंजलाल भुआ बिछिया मंडला, ओमप्रकाश नामदेव श्री राजेश कुमार भुआ बिछिया मंडला, रामलाल यादव समर लाल भुआ बिछिया मंडला बुधनवाड़ा, बौध सिंह मरावी भुआ बिछिया मंडला, संतोष कुमार विश्वकर्मा श्री रामाया लाल विश्वकर्मा भुआ बिछिया मंडला, श्याम कुमार बरकड़े भुआ बिछिया मंडला, कन्हैया सिंह मरकाम भुआ बिछिया मंडला, मंगलदास वोडिया भुआ बिछिया मंडला, उमेंद्र सिंह श्री कातकू सिंह भुआ बिछिया मंडला, संदीप कुमार मरावी भुआ बिछिया मंडला, जितेंद्र कुमार सुहाने भोजराज सुहाने भुआ बिछिया मंडला, आशुतोष तिवारी श्री रमाकांत तिवारी भुआ बिछिया मंडला, सजन गर्ग सतीश गर्ग भुआ बिछिया मंडला, संतोष कुमार यादव नेहरू लाल यादव भुआ बिछिया मंडला, रत्नाशं गर्ग श्री दिलीप गर्ग भुआ बिछिया मंडला, संतोष साहू श्री राम कुमार साहू सिझौरा चौरगा भुआ बिछिया मंडला **जबलपुर**-सुमन लाल यादव,श्री नंदलू लाल यादव चौरईकला कुंडम जबलपुर, रमेश प्रसाद गोटिया स्व श्री हजुरिया ग्राम चौरई खुर्द, ज्ञान सिंह मार्को श्री झुरैया सिंह मार्को ग्राम मोहनी चौरईकला, ध्रुव कुमार चौधरी श्री फगुवा लाल ग्राम देवहरा तहसील कुंडम, धरमू लाल रैदास श्री बुद्ध लाल रैदास चौरईकला कुण्डम, अजब सिंह परस्ते श्री रमल सिंह परस्ते ग्राम तौरी हरदुली चौरईकला कुण्डम, राधा रजक श्री रमेश रजक गुरु मोहल्ला पाटन, राजीव कुमार नायक श्री कमल कुमार नायक नेहरू वार्ड क्रमांक 8 तहसील पाटन, लक्ष्मी बर्मन श्री मुन्नालाल बर्मन गुरु मोहल्ला पाटन वार्ड क्रमांक 9, देवेंद्र नामदेव स्व. ठाकुर प्रसाद नामदेव वार्ड क्रमांक 13 बस स्टैंड पाटन, संदीप नगरिया श्री सुरेश चंद्र नगरिया न्यू रामनगर अनमोल हाइट्स इ-2 208, द्वारका प्रसाद सोनी स्व भोगीराम सोनी 251 सी ओ डी रोड करौंदी रांझी जबलपुर मध्य प्रदेश, मनोरंजन बैरागी स्व.सुरेंद्र दास बैरागी पोस्ट बचैया, नंदू विश्वकर्मा स्व.राधा कृष्ण प्रेम नगर ईसाई मोहल्ला फ्री चरस के पास जबलपुर, नजमा बेगम सम्सुद्दीन अंसारी नई बस्ती लंगर कमेटी जबलपुर, ओमप्रकाश जरेला LIG 476 मदर टैरेसा नगर जबलपुर, अब्दुल रशीद अब्दुल खालिद 1780 टक्कर ग्राम जबलपुर, नरेश नाईक स्व.पंडरी नाथ नाईक 83 शिवनगर गढ़ा जबलपुर, रोहित साहू जगदीश साहू पिपरिया चौक खमरिया जबलपुर, रामाश्रय विश्वकर्मा श्री शिव शिवधारी विश्वकर्मा लाल माटी गोयल होटल जबलपुर, श्रीमती अलका तिवारी श्री विजय कुमार तिवारी 995 स्नेह नगर जबलपुर, धनीराम मिश्रा स्व.मुंशीलाल मिश्रा लालमाटी कछियाना जबलपुर, विनय रजक स्व.मिठाई लाल रजक मकान नंबर 107/अ श्री कृष्णा स्कूल के पीछे गोराबाजार जबलपुर, निधि पांडे श्री ब्रह्म दत्त पांडे म. नं 1965 मनुलाल हॉस्पिटल के पास डॉ राजेंद्र प्रसाद वार्ड जबलपुर, अमर चौधरी आसाराम चौधरी प्रेमसागर पुलिस चौकी के पास जबलपुर, कुसुम श्री चरण सिंह म.नं 745 चेरी लाल गुजराती कॉलोनी बेल्देवबाग जबलपुर, सुशील गुप्ता श्री राजेश्वर गुप्ता फकीर चंद्र अखाड़ा राधाकृष्णन वार्ड जबलपुर, कृष्ण कुमार साहू श्री नारायण दास साहू 63 जैन रेसीडेंसी समदड़िया ग्रीन सिटी जबलपुर, लक्ष्मी नारायण स्व. के वी राघव 142 संजय गांधी नगर कटंगा कैंट जबलपुर, सचिन रजक श्री राजू रजक सुजी मोहल्ला मिलोनीगंज जबलपुर, नीलू दुबे स्व.जी .एस दुबे मकान नंबर 495 दीक्षित पूरा जबलपुर, कृष्ण कुमार तिवारी स्व. रामचरण तिवारी 2511 स्टेट बैंक कॉलोनी सिंगल स्टोरी उखरी रोड बेल्देवबाग जबलपुर, सिमरन सूरी स्व. सुनील सूरी भवन रांझी जबलपुर **कटनी**- राकेश कुमार गुलवारा, छेदीलाल चौधरी खरखरी नंबर एक, उमाशंकर विश्वकर्मा संजय नगर कटनी, ओमप्रकाश चौदहा शेर चौक कटनी, यश जैन आदर्श कालोनी, श्रुती पटैल घंटाघर रोड कटनी, मुकेश जैन संतनगर कटनी, अनमोल सोनी बरही रोड कटनी, वंशका खटीक नईबस्ती कटनी, निधि सोनी नईबस्ती कटनी, प्रतीक्षा जैन संतनगर कटनी, नंदनी जायसवाल सुभाष चौक कटनी, मनु जैन गांधीगंज कटनी, सौर अग्रहरी सब्जीमंडी रोड कटनी, अखिलेश बडगैया गर्ग चौराहा कटनी, राजकुमार श्रीवास झिंझरी, पुरूषोत्तम सोधिया मदनमोहन चौबे वार्ड, लक्ष्मीकांत गुप्ता गांधीगंज कटनी, श्रीनिवास गुप्ता सत्यनारायण मंदिर के पीछे कटनी, दीपक दुबे दुबे कालोनी कटनी, बाबूलाल गुप्ता गुरूनानक वार्ड, श्रीमती नीरा सिन्हा राजीव गांधी वार्ड, विशाली जायसवाल एनकेजे कटनी, तुलसी दास श्रीवास पहरूआ मंडी, अनामिका विश्वकर्मा उडिया मोहल्ला कटनी, अरणव सोनी नईबस्ती कटनी, गुरूचरण लाल जग्गी माधवनगर कटनी, आयुष्मान तिवारी संजय नगर कटनी, सुरेश चंद तिवारी गुलवारा कटनी, बलीराम नानकानी गुरूनानक वार्ड, कैलाश मिश्रा खेरमाई मंदिर के पीछे कटनी, रामकष्ण गुप्ता मेन रोड बरही, पुरूषोत्तम बख्शी मूंगाबाई कालोनी कटनी, मोहन लाल यादव रफी अहमद किदवई वार्ड, श्याम नंदवानी बाबा नारायण शाह वार्ड कटनी, विद्याकांत मिश्र मालवीय गंज कटनी, दिनेश मेश्राम राजीव गांधी वार्ड' कटनी, मोहम्मद जमशेद शेख रोशन नगर, सुनील कुमार साहू राजीव गांधी वार्ड, रामनरेश जायसवालं दुर्गा चौक कटनी, राजेन्द्र कुमार कोरी कुम्हार मोहल्ला माधवनगर कटनी, राकेश चौधरी मिशन चौक बडवारा, प्राची निगम झंडा बाजार बड़वारा, किष्णा निगम झंडा बाजार बडवारा, अनिरूद्ध कुमार निगम झंडा बाजार बडवारा, रामपाल शर्मा बडवारा, नितिश बर्मन शेर चौक बडवारा, उमेश कुमार चौधरी मिशन चौक बडवारा, सौरभ दुबे दददाधाम कटनी, दीपेन्द्र कुमार गुप्ता महाराणा प्रताप वार्ड कटनी, संदीप कुमार सैनी शिवाजी नगर कटनी, इंद्रदत्त तिवारी गोल बाजार कटनी, सुभांगी सूर्यवंशी एनकेजे कटनी, दीपक तिवारी साईपुरम कटनी, चंद्रशेखर कोष्टा सरस्वती स्कूल के पास कटनी, जयंती जैन किष्णा कुटीर के बाजू में, प्रियंका जैन जालपा वार्ड कटनी, चंद्रकांत सोंधिया लखेरा कटनी, नेहा जैन संतनगर कटनी, कमल नाकरा किदवई वार्ड मुडवारा, अर्पित जैन हीरागंज कटनी, सुनीता विश्वकर्मा रामजानकी हनुमान वार्ड कटनी, हेमराज विश्वकर्मा रामजानकी हनुमान वार्ड कटनी, अंकित जैन संतनगर कटनी, गरिमा चतुवेर्दी राजीव गांधी वार्ड कटनी,सुनील कुमार नाकरा शारदा मंदिर के पास कटनी, राजीव गांधी वार्ड कटनी, चंदन चतुवेर्दी राजीव गांधी वार्ड कटनी, राजकुमार चतुवेर्दी राजीव गांधी वार्ड कटनी टीकाराम विश्वकमा 'रामजानकी हनुमान वार्ड कटनी अभ्यांशु तिवारी संजय नगर कटनी , सुरभि जैन हाउसिंग बोर्ड कटनी, रोशनी कोरी कोरी मोहल्ला कटनी , सावित्री बाई निगम झंडा बाजार बड़वारा **विजयराघवगढ़**- शैलेंद्र कुमार गुप्ता श्री द्वारका प्रसाद गुप्ता अक्षत ड्रेस विजयराघवगढ़, प्रेमलाल चौधरी श्री धनीराम चौधरी विजयराघवगढ़, चंद्रावती बक्शी अनिल कुमार बख्शी नगर परिषद विजयराघवगढ़, मोहनलाल नामदेव स्वर्गीय विष्णु प्रसाद नामदेव वार्ड नंबर 7 विजयराघवगढ़, रामपाल सिंह लोधी लखनलाल लोधी ग्राम पोस्ट हतंला विजयराघवगढ़, बृजेश बर्मन रामकरण बर्मन वार्ड नंबर 3 विजयराघवगढ़, सुशील बर्मन स्व. मूंग बर्मन विजयराघवगढ़, मोहनलाल तिवारी स्व. जगन्नाथ प्रसाद तिवारी विजयराघवगढ़ वार्ड क्रमांक 11

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अचिंत महेश्वरी द्वारा हरिभूमि प्रेस, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)- 482002 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)- 482002 से प्रकाशित। प्रधान संपादक-डॉ. हिमांशु द्विवेदी RNI No.: MPHIN/2008/24240